हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

www.naisochlive.com | पटना, मंगलवार, 30 जून 2026, वर्ष- 09, अंक- 126, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

पेज : 12

एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर बार्सिलोना जाना...

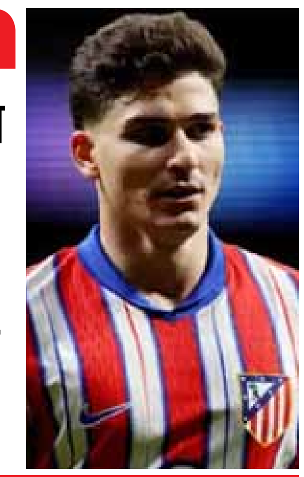

भारत में बना दुनिया के सबसे बड़ा डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम: नड्डा

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य, परिवार कल्याण, रसायन एवं उर्वरक मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने सोमवार को देश की डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को और मजबूत बनाने के उद्देश्य से 'आरोग्य सेतु 2.0' सहित कई महत्वपूर्ण डिजिटल स्वास्थ्य पहलों का शुभारंभ किया। विज्ञान भवन में आयोजित कार्यक्रम में अपने संबोधन में जे पी नड्डा ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत अब तक 90 करोड़ से अधिक आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) बनाए जा चुके हैं और 100 करोड़ से अधिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड उनसे जोड़े जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि भारत आज दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम में शामिल हो चुका है। केन्द्रीय मंत्री ने इस अवसर पर आरोग्य सेतु 2.0, आयुष्मान ऐप, आयुष्मान सारथी व्हाट्सएप चैटबॉट, नेशनल हेल्थ क्लेम्स एक्सचेंज, इंश्योरेंस प्लान एफएचआईआर ऑब्जेक्ट क्रिएटर, ई-सुश्रुत क्लिनिक, यूनिफाइड हेल्थ इंटरफेस (यूएचआई), ड्रग रजिस्ट्री, और भारत हेल्थ टर्मिनोलॉजी सर्विस जैसी डिजिटल सेवाओं की शुरुआत की। कार्यक्रम में आयुष मंत्री प्रतापराव

जाधव, राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. एम. श्रीनिवास, त्रिपुरा के मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, मध्य प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव, आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर नड्डा ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के बढ़ते उपयोग का उल्लेख करते हुए कहा कि सही और बोधी जैसी एआई आधारित पहलें स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता और दक्षता बढ़ाने में मदद कर रही हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक अब विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता बन चुकी है। नए डिजिटल प्लेटफॉर्म पहले से बिखरी हुई स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत मंच पर लाएंगे। उन्होंने कहा कि आरोग्य सेतु 2.0 को पूरी तरह नए स्वरूप में विकसित किया गया है, जिससे गर्भवती महिलाओं, बच्चों, युवाओं, बुजुर्गों और गंभीर या दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित लोगों सहित सभी आयु वर्ग के नागरिकों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं एक ही मंच पर आसानी से उपलब्ध होंगी। नड्डा ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से इन पहलों को प्रभावी ढंग से लागू करने का आग्रह करते हुए कहा कि स्वास्थ्य राज्य का विषय है। उन्होंने कहा कि इन पहलों से विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने में भी मदद मिलेगी। नड्डा ने कहा कि यह भारत को डिजिटल नवाचार के माध्यम से अधिक स्वस्थ राष्ट्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार ने आयुष्मान भारत जैसी परिवर्तनकारी योजनाओं के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया है और प्राथमिक, माध्यमिक तथा तृतीयक स्वास्थ्य सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया है। इस अवसर पर केंद्रीय आयुष राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने कहा कि यह पहल भारत के डिजिटल स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि सरकार आधुनिक चिकित्सा प्रणाली के साथ आयुष पद्धति का समन्वय कर समग्र और रोगी-केंद्रित स्वास्थ्य व्यवस्था विकसित कर रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्म आयुष सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र में नवाचार को भी प्रोत्साहित करेंगे। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि परिवार के स्वास्थ्य की जिम्मेदारी अक्सर महिलाओं पर होती है, लेकिन वे अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज कर देती हैं। डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड और अन्य डिजिटल सेवाएं महिलाओं को अपने स्वास्थ्य की बेहतर देखभाल करने और कहीं भी अपने मेडिकल रिकॉर्ड तक आसानी से पहुंच बनाने में सक्षम बनाएंगी। उन्होंने कहा कि इससे आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का प्रशासनिक बोझ भी कम होगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार आएगा। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. एम. श्रीनिवास ने कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन देश में बिखरी हुई डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को एकीकृत राष्ट्रीय स्वास्थ्य तंत्र में बदल रहा है। इससे कागजी कार्यवाही कम होगी, स्वास्थ्य सेवाओं की दक्षता बढ़ेगी और नागरिकों को बेहतर तथा निरंतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल सकेंगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण के सीईओ डॉ. सुनील कुमार बर्नवाल ने कहा कि भुगतान, पहचान और सार्वजनिक सेवाओं की तरह अब स्वास्थ्य क्षेत्र में भी डिजिटल परिवर्तन तेजी से हो रहा है। उन्होंने कहा कि नई डिजिटल पहलें स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने, मरीजों के अनुभव को बेहतर बनाने और डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को आधुनिक डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

अमित शाह की उपस्थिति में हरियाणा-राजस्थान के बीच यमुना जल परियोजना पर समझौता

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में सोमवार को हरियाणा और राजस्थान सरकारों के बीच यमुना जल परियोजना के निर्माण एवं कार्यान्वयन को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। समझौते के तहत जुलाई से अक्टूबर के बीच पश्चिमी यमुना नहर से लगभग 580 मिलियन क्यूबिक मीटर (एमसीएम) पानी तीन भूमिगत पाइपलाइनों के माध्यम से राजस्थान तक पहुंचाया जाएगा। 3.6 मीटर से अधिक व्यास वाली इन पाइपलाइनों के जरिए राजस्थान और हरियाणा दोनों राज्यों को पेयजल उपलब्ध कराया जाएगा। समझौते के अवसर पर अमित शाह ने कहा कि इससे हरियाणा और राजस्थान के बीच की लगभग तीन दशक पुरानी पेयजल संबंधी समस्या के समाधान का मार्ग प्रशस्त हुआ है। उन्होंने इसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'संवाद से समाधान' और 'सहकारी संघवाद' के मंत्र का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए कहा कि यदि राज्य सहयोग की भावना से कार्य करें तो वर्षों पुराने विवाद भी आसानी से सुलझाए जा सकते हैं। इस अवसर पर

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल तथा केंद्र और दोनों राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। अमित शाह ने कहा कि समझौते में वित्तीय दायित्व, लागत साझेदारी, जल आवंटन, जल छोड़ने की प्रक्रिया, रखरखाव, निगरानी व्यवस्था, पारदर्शिता तथा विवाद निपटान की वैज्ञानिक और व्यापक व्यवस्था शामिल की गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि केंद्रीय जल आयोग द्वारा तैयार यह ढांचा आने वाले कई दशकों तक विवाद-मुक्त व्यवस्था के रूप में काम करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल की अध्यक्षता में इस लंबे समय से लंबित मुद्दे का समाधान कुछ ही दिनों में निकाल लिया गया। इस परियोजना से राजस्थान के सीकर, चूरू और झुंझुनूं जिलों तथा हरियाणा के भिवानी और फतेहाबाद क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित होगी। गृह मंत्री ने कहा कि अब तक बेकार बह जाने वाला वर्षा जल लोगों की प्यास बुझाने के साथ-साथ बड़े तालाबों में संग्रहित कर भूजल स्तर को भी रिचार्ज करेगा। उन्होंने कहा कि यह समझौता दोनों राज्यों के लिए 'विन-विन' स्थिति का उदाहरण है। यमुना जल परियोजना का उद्देश्य 1994 के उच्च यमुना बेसिन की सतही जल साझेदारी संबंधी समझौते के तहत राजस्थान को आवंटित जल हिस्से को पश्चिमी यमुना नहर से भूमिगत पाइपलाइन प्रणाली के जरिए राज्य तक पहुंचाना है, जिससे शुष्क एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में लाखों लोगों को विश्वसनीय पेयजल उपलब्ध हो सके और सामाजिक-आर्थिक विकास को गति मिले।

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री मोदी ने विक्टोरिया में श्री गणेश मंदिर के किए दर्शन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया स्थित एकमात्र मंदिर 'अरुलमिगु नवशक्ति विनायक' में भगवान श्री गणेश के दर्शन किए। प्रधानमंत्री मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, " मैंने विक्टोरिया स्थित प्रमुख हिंदू मंदिर 'अरुलमिगु नवशक्ति विनायक' में प्रार्थना की। भगवान श्री गणेश सभी को बुद्धि, शक्ति और समृद्धि का आशीर्वाद दें। उल्लेखनीय है कि विनायक मंदिर द्वीप पर बसे सेशेल्स देश का यह पहला और एकमात्र मंदिर है। वर्ष 1992 में स्थापित यह मंदिर केवल प्रार्थना स्थल ही नहीं है। यह आस्था की गहराई और हजारों वर्षों पुरानी संस्कृति की सुंदरता को जानने का द्वार है। श्रद्धालुओं तथा जिज्ञासुओं के लिए यह मंदिर हिंदू उपासना के सार और शांति एवं ज्ञान की सार्वभौमिक खोज की एक अनूठी झलक प्रस्तुत करता है। इसके अलावा, इस मंदिर में मुरुगन, नदराज, दुर्गा और कई अन्य देवताओं का भी एक जीवंत संग्रह है। इनमें प्रत्येक की अपनी कहानी और शक्तियां हैं।

सीबीएसई ने तीन भाषा नीति लागू करने के लिए जारी किए दिशा-निर्देश, मौजूदा 10वीं के छात्रों पर नहीं होगा असर

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुरूप शैक्षणिक सत्र 2026-27 से संबद्ध स्कूलों में तीन-भाषा नीति लागू करने के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किए हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कक्षा 10 के विद्यार्थियों पर नई व्यवस्था लागू नहीं होगी और वे पहले की तरह केवल दो भाषाओं के साथ अपनी बोर्ड परीक्षा देंगे। सीबीएसई के अनुसार, कक्षा 9 (2026-27) में प्रवेश लेने वाले सभी विद्यार्थियों को तीन भाषाओं का अध्ययन करना होगा, जिनमें कम से कम दो भारतीय भाषाएं अनिवार्य होंगी। यदि कोई छात्र पहले से एक भारतीय भाषा और एक विदेशी भाषा पढ़ रहा है तो उसे तीसरी भाषा के रूप में भारतीय भाषा चुननी होगी। पहले से दो विदेशी भाषाएं पढ़ रहे छात्रों को एक बार की विशेष छूट के तहत उन दोनों भाषाओं के साथ एक अतिरिक्त भारतीय भाषा जोड़ने की अनुमति दी गई है। बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया है कि वर्तमान में कक्षा 7, 8 और 9 में अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए तीसरी भाषा का मूल्यांकन केवल स्कूल स्तर पर आंतरिक आकलन के माध्यम से होगा। जब ये विद्यार्थी कक्षा 10 में पहुंचेंगे, तब तीसरी भाषा की कोई सीबीएसई बोर्ड परीक्षा नहीं होगी। हालांकि, वर्तमान कक्षा 6 (2026-27) तथा इसके बाद के बैचों के लिए तीन-भाषा नीति पूरी तरह लागू होगी। इन विद्यार्थियों को कक्षा 10 में तीसरी भाषा की बोर्ड परीक्षा भी देनी होगी। इसके लिए एनसीईआरटी 22 अनुसूचित भारतीय भाषाओं में उपयुक्त पाठ्य सामग्री उपलब्ध करा रहा है।

गडकरी ने उत्तराखंड में 4,026 किमी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की समीक्षा की

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने सोमवार को उत्तराखंड में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की गुणवत्ता और रखरखाव की प्रगति की समीक्षा की। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि यहां आयोजित बैठक में 4,026 किलोमीटर लंबाई की परियोजनाओं की स्थिति पर चर्चा की गई। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री अजय टम्टा, एनएचएआई, एनएचआईडीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी और परियोजना ठेकेदार मौजूद रहे। समीक्षा बैठक में गडकरी ने अधिकारियों और ठेकेदारों को निर्देश दिया कि कार्यान्वयन की गति तेज की जाए, गुणवत्ता निगरानी को मजबूत किया जाए और आधुनिक निर्माण पद्धतियों को अपनाया जाए ताकि राजमार्ग परिसंपत्तियों की आयु बढ़े, सवारी की

गुणवत्ता सुधरे और प्रमुख कॉरिडोर पर निर्बाध संपर्क सुनिश्चित हो। उन्होंने आगामी मानसून को देखते हुए अग्रिम तैयारी करने पर भी जोर दिया। इसके तहत प्रभावी जल निकासी प्रबंधन, ढलान सुरक्षा उपाय और त्वरित प्रतिक्रिया तंत्र विकसित करने के निर्देश दिए गए ताकि यातायात में व्यवधान कम हो और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

राज्यसभा के आठ नवनिर्वाचित सदस्यों ने ली शपथ

नई सोच एक्सप्रेस। नई दिल्ली

राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को राज्यसभा में सात नवनिर्वाचित एवं पुनर्निर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई। शपथ लेने वाले सदस्यों में मानसिंह मेरामन परमार, तरुण चुघ, डॉ. अलका सिंह, जितेंद्र मेघजीभाई कंजारिया, राजेंद्र हीरालाल जैन, एम. नागराजा तथा अधिकारिमायुम शारदा देवी शामिल हैं। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने भी सोमवार को राज्यसभा के सदस्य के रूप में शपथ ली। वे कर्नाटक से लगातार दूसरी बार राज्यसभा सदस्य बने हैं। इनमें पांच सदस्यों ने हिन्दी, एक सदस्य ने कन्नड़, एक ने पंजाबी तथा एक ने मणिपुरी भाषा में शपथ लिया। इनमें से दो गुजरात का प्रतिनिधित्व करते

हैं, जबकि कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर और राजस्थान से एक-एक सदस्य हैं। इस अवसर पर राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, सदन के नेता एवं केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा, संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू, विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्यसभा सदस्य जयराम रमेश एवं प्रफुल्ल पटेल, राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी तथा सचिवालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे।

कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने राज्यसभा सदस्य के रूप में ली शपथ

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोमवार को राज्यसभा सदस्य के रूप में शपथ ली। उन्हें राज्यसभा के सभापति सी पी राधाकृष्णन ने अपने चैंबर में शपथ दिलाई। खरगे हाल ही में कर्नाटक से संसद के उच्च सदन के लिए दूसरी बार निर्वाचित हुए हैं। इस मौके पर उप सभापति हरिवंश, सदन के नेता जे पी नड्डा, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित कई प्रमुख हस्तियां उपस्थित थीं।

83 वर्षीय खरगे, जो वर्तमान में राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष भी हैं, का राजनीतिक जीवन करीब पांच दशकों का रहा है। उन्होंने 1972 में पहली बार कर्नाटक विधानसभा का चुनाव जीता और नौ बार विधायक रहे। वे कर्नाटक सरकार में मंत्री और विधानसभा में विपक्ष के नेता भी रहे। इसके अतिरिक्त, वे दो बार लोकसभा सांसद चुने गए, केंद्रीय मंत्री पद संभाला, और 2014 से 2019 तक लोकसभा में कांग्रेस के नेता भी रहे।

यूरोप में प्रचंड गर्मी बनी आफत, फ्रांस में 1,000 लोगों की गई जान

लंदन। यूरोप महाद्वीप इन दिनों रिकॉर्ड तोड़ भीषण गर्मी के प्रकोप से जूझ रहा है, जिसके कारण जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है और कई देशों में सैकड़ों लोगों की जान चली गई है। फ्रांस की पब्लिक हेल्थ एजेंसी ने रविवार को बताया कि पिछले सप्ताह रिकॉर्ड-तोड़ गर्मी के दौरान देश में लगभग 1,000 अतिरिक्त मौतें दर्ज की गईं। वहीं, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख ने गंभीर चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि यूरोप अब पृथ्वी पर सबसे तेज़ी से गर्म होने वाला महाद्वीप बन गया है और उसे अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल और अधिक प्रभावी कदम उठाने की जरूरत है। पिछले सप्ताह वीकेंड पर कई यूरोपीय देशों में तापमान के पुराने रिकॉर्ड टूट गए। जर्मनी में नीसेमुंडे में तापमान 41.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो लगातार तीसरे दिन एक नया रिकॉर्ड था। चेक गणराज्य में भी अब तक का सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया, जहां तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। ब्रिटेन में पूर्वी इंग्लैंड में तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस और स्विट्जरलैंड के बेसल में 38.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जिसने जून महीने के तापमान के नए रिकॉर्ड स्थापित किए। वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन नामक यूरोपीय वैज्ञानिकों के एक समूह की एक नई स्टडी में बताया गया है कि पिछले हफ्ते यूरोप में पड़ी रिकॉर्ड-तोड़ गर्मी और उमस, जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज) के बिना संभव नहीं होती।

भारतीय सेना ने मंगोलिया में ऑपरेशनल तैयारी का किया प्रदर्शन

नई दिल्ली। भारतीय सेना ने मंगोलिया की राजधानी उलानबातार में बहुराष्ट्रीय शांति स्थापना सैन्य अभ्यास 'खान क्वेस्ट' में हिस्सा लेकर अपने सामरिक कौशल एवं रणनीतिक चपलता के साथ ऑपरेशनल तैयारी का प्रदर्शन किया है। फाइव हिल्स ट्रेनिंग एरिया में हो रहे इस अभ्यास में भारतीय सेना की जाट रेजिमेंट की 40 सदस्यीय टुकड़ी हिस्सा ले रही है। यह 'खान क्वेस्ट' अभ्यास 2003 में अमेरिका और मंगोलिया के बीच एक द्विपक्षीय कार्यक्रम के रूप में शुरू हुआ था, जो 2006 से एक बहुराष्ट्रीय शांति स्थापना अभ्यास में बदल गया है। भारतीय सेना की टुकड़ी बहुपक्षीय संयुक्त सैन्य अभ्यास 'खान क्वेस्ट' में भाग लेने के लिए 18 जून को रवाना हुई थी। यह अभ्यास 20 जून से

3 जुलाई तक मंगोलिया के उलानबातार स्थित फाइव हिल्स ट्रेनिंग एरिया में हो रहा है। इस अभ्यास में दुनिया भर की सैन्य ताकतें संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अध्याय 7 के तहत शांति समर्थन अभियानों में सहयोग और अंतर-संचालनीयता बढ़ाने के लिए एकजुट हों रही हैं। इस अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र चार्टर (अध्याय 7) के तहत बहुराष्ट्रीय वातावरण में शांति सुरक्षा और शांति समर्थन अभियानों के लिए सैन्य तत्परता और अंतर-संचालन को बढ़ाना है।

पाक ने अफगानिस्तान पर कर दी 'सर्जिकल स्ट्राइक'

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान की सीमा पर बड़ा सैन्य अभियान चलाते हुए हवाई और जमीनी हमले किए हैं, जिसमें कम से कम 29 लड़ाकों के मारे जाने का दावा किया गया है। इन हमलों के बाद पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ने की आशंका है। पाकिस्तान ने यह कार्रवाई कराची में हुए हालिया आतंकी हमले के जवाब में की है, जिसकी जिम्मेदारी तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के एक उग्रवादी गुट जमात-उल-अहरार ने ली थी। 27 जून की रात कराची के गुल्स्तान-ए-जौहर स्थित सिंध रेंजर्स के परिसर में हुए इस आतंकी हमले में पाकिस्तान के चार जवान मारे गए थे। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने अफगान सीमा पर रातभर बम

पाक ने रातभर बरसाए बम 29 लोगों की मौत का दावा

बरसाए और कई ठिकानों को निशाना बनाया। पाकिस्तान के सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने सोशल मीडिया पर इस ऑपरेशन की पुष्टि करते हुए कहा कि यह देश भर में बढ़ते हमलों को देखते हुए शुरू किया गया है। उन्होंने बताया कि पाक्तिया, पाकतिका और कुनार में तीन ठिकानों को विशेष रूप से निशाना बनाया गया है। हालांकि, अफगानिस्तान की तरफ से इन हमलों पर अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। बीते कुछ सालों में पाकिस्तान में पुलिसबलों पर कई हमले हुए हैं, जिनके लिए पाकिस्तान तालिबान को जिम्मेदार ठहराया जाता है। कराची हमले के बाद पाकिस्तानी सुरक्षाबलों के ऑपरेशन में तीन हमलावर मारे गए, जबकि एक को जिंदा पकड़ा गया, जो अफगान नागरिक निकला। तरार ने जोर देकर कहा कि अफगानिस्तान की सीमा पर उन ठिकानों को निशाना बनाया गया है, जहां पाकिस्तान तालिबान के लड़ाके छिपे हुए थे। पाकिस्तान का यह भी दावा है कि 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी हमलों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इस सैन्य कार्रवाई के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में गंभीर तनाव आने की संभावना है। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने अफगान सीमा के भीतर हमले किए हों।

मंगल पर विशालकाय झील और सक्रिय नदियों का जाल मौजूद!

एजेंसी। वॉशिंगटन

मंगल ग्रह पर कभी जीवन मौजूद था या नहीं, यह सवाल दशकों से वैज्ञानिकों और अंतरिक्ष प्रेमियों को आकर्षित करता रहा है। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के परसिवरेंस रोवर ने एक ऐसी महत्वपूर्ण खोज की है, जिसने इस रहस्य को सुलझाने की दिशा में एक बड़ा और निर्णायक कदम बढ़ाया है। रोवर को मंगल के जेजेरो क्रेटर स्थित ब्राइट एंजेल फॉर्मेशन में मैक्रोमोलेक्यूलर कार्बन (एमएमसी) मिला है, जिसे जीवन के निर्माण के लिए आवश्यक प्रमुख तत्वों में से एक माना जाता है। शोधकर्ताओं ने बताया कि यह कार्बन ब्राइट एंजेल फॉर्मेशन की दो विशिष्ट चट्टानों में पाया गया, जिनमें से एक को 'चेयावा फॉल्स' नाम दिया गया है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अरबों वर्ष पहले जेजेरो क्रेटर में एक विशालकाय झील और एक सक्रिय नदी तंत्र मौजूद था। उस

मंगल पर जीवन संभव, रोवर ने खोजा ऑर्गेनिक कार्बन

समय नदी के साथ बहकर आई मिट्टी और गाद जमा होकर बाद में मडस्टोन चट्टानों में बदल गई। इन्हीं प्राचीन चट्टानों के भीतर यह बहुमूल्य ऑर्गेनिक कार्बन समय के साथ संरक्षित मिला है। इस खोज ने वैज्ञानिक जगत में एक नई उत्सुकता पैदा कर दी है, क्योंकि यह पहली बार है जब मंगल की सतह के इतने करीब ऑर्गेनिक कार्बन की मौजूदगी दर्ज की गई है। शोध पत्रिका साइंस एडवांसेज में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, मंगल का वातावरण अत्यंत कठोर माना जाता है, जहां तीव्र विकिरण और ऑक्सीडेंट रसायन जैसे कारक जैविक अणुओं को आसानी से नष्ट कर सकते हैं। इसके बावजूद अरबों वर्षों से इस कार्बन का सुरक्षित बने रहना वैज्ञानिकों के लिए बेहद रोचक और गहन शोध का विषय बन गया है। इस अभूतपूर्व खोज में परसिवरेंस रोवर पर लगे अत्याधुनिक उपकरण शेरलॉक की महत्वपूर्ण भूमिका रही। यह उपकरण लेजर तकनीक की मदद से चट्टानों के भीतर मौजूद खनिजों और कार्बनिक यौगिकों की सूक्ष्मता से पहचान करता है। विश्लेषण के दौरान वैज्ञानिकों ने यह भी पाया कि इस कार्बन के साथ सल्फेट, कार्बोनेट, आयरन-फॉस्फेट और सल्फाइड जैसे खनिज भी मौजूद हैं। ये ऐसे खनिज हैं, जो आमतौर पर पानी की मौजूदगी वाले वातावरण में ही बनते हैं, जिससे मंगल पर पानी की उपस्थिति का एक और प्रमाण मिलता है।

बाइडेन ने ट्रंप को बताया 'लूजर', लगाए घमंडी और भ्रष्टाचार के आरोप

मास्को/वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अपने उत्तराधिकारी डोनाल्ड ट्रंप पर तीखा हमला करते हुए उन्हें "लूजर" (हारा हुआ व्यक्ति) करार दिया। उन्होंने ट्रंप पर आत्ममुग्धता, घमंड और "खुलेआम भ्रष्टाचार" के आरोप भी लगाए। बाइडेन की यह टिप्पणी ट्रंप के साथ जून 2024 में हुई उस बहस की दूसरी बरसी पर आई है, जिसके बाद उन्होंने अंततः दोबारा राष्ट्रपति चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किया था। रूस के अंतरराष्ट्रीय सरकारी समाचार नेटवर्क रूस टुडे (आरटी) के अनुसार, बाइडेन ने मैरीलैंड डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से एक कैसीनो में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ट्रंप की आलोचना की। यह कार्यक्रम नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के लिए उम्मीदवारों के प्रचार अभियान के तहत आयोजित किया गया था। अपने संबोधन में बाइडेन ने ट्रंप पर नाटो को "जानबूझकर कमजोर करने और बर्बाद करने" का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने कहा कि ट्रंप का ध्यान शासन से अधिक "घमंड वाले प्रोजेक्ट्स" पर रहा। बाइडेन ने दावा किया कि ट्रंप ने बॉलरूम के लिए जगह बनाने के उद्देश्य से व्हाइट हाउस के ईस्ट विंग को तुड़वाया, कैनेडी सेंटर पर अपना नाम लिखवाया, अपने सम्मान में एक मेहराब बनाने की योजना बनाई और लिंकन मेमोरियल के रिफ्लेक्टिंग पूल की मरम्मत के लिए अपने पसंदीदा ठेकेदार को काम सौंपा।

पीएम मोदी और प्रधानमंत्री रामगुलाम ने की व्यापक वार्ता

विक्टोरिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेशेल्स की राजधानी विक्टोरिया के माहे द्वीप में मॉरीशस के प्रधानमंत्री डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम से मुलाकात की। दोनों नेताओं की यह बैठक सेशेल्स के 'गोल्डन जुबली नेशनल डे' समारोह के अवसर पर हुई। नवंबर 2024 में प्रधानमंत्री रामगुलाम के पदभार संभालने के बाद प्रधानमंत्री मोदी और उनके बीच यह चौथी मुलाकात रही, जिससे दोनों देशों के बीच लगातार मजबूत होते संबंधों का संकेत मिलता है। बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और मॉरीशस के बीच चल रहे द्विपक्षीय सहयोग की समीक्षा की तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति पर चर्चा की। विशेष रूप से भारत द्वारा मॉरीशस को प्रदान किए गए 'विशेष आर्थिक पैकेज' के क्रियान्वयन की स्थिति का भी आकलन किया गया। इस अवसर पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत मॉरीशस के विकास और प्रगति को विशेष महत्व देता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि दोनों देशों के बीच संचालित परियोजनाएं स्वास्थ्य सेवाओं, संपर्क सुविधाओं, सतत विकास और ब्लू इकोनॉमी के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

लालू परिवार घोटालों का ब्रांड एंबेसडर, किस मुंह से भ्रष्टाचार पर उपदेश दे रहे तेजस्वी : उमेश

पटना।जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश सिंह कुशवाहा ने सोमवार को बयान जारी कर लालू परिवार को घोटालों का ह्लब्रांड एंबेसडरह्व बताया और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें दूसरों को नसीहत देने और भ्रष्टाचार पर फर्जी ज्ञान बांटने से पहले अपने माता-पिता के भ्रष्टाचार और जंगलराज के काले अध्याय को पलटकर जरूर देखना चाहिए।उमेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि लालू परिवार ने सत्ता में रहते हुए सिर्फ घोटालों का अंबार खड़ा किया, प्रदेश के खजाने का बंटाधार कर अपनी तिजोरी भरने का काम किया और बिहार को बदहाली के गर्त में धकेल दिया, जिसका दीर्घकालिक दुष्परिणाम आज भी राज्य की जनता भुगत रही है। लालू परिवार के खिलाफ आधा दर्जन से अधिक घोटालों के मामले कोर्ट में हैं, जिसके नतीजा है कि आज पूरा परिवार अदालतों के चक्कर लगाने को मजबूर है। तेजस्वी यादव को स्मरण होना चाहिए कि कुछ महीने पूर्व ही लैंड फॉर जॉब मामले में कोर्ट ने भी लालू परिवार पर सख्त टिप्पणी करते हुए इन्हें अपराधिक सिंडिकेट बताया था, जबकि चारा घोटाले में राजद सुप्रीमो स्वयं सजायाफ्ता हैं। फिर किस नैतिक अधिकार के साथ तेजस्वी यादव भ्रष्टाचार पर उपदेश दे रहे हैं?पूरा बिहार इस बात का गवाह है कि जब-जब सत्ता लालू परिवार के हाथों में रही, तब-तब इन्होंने जनहित को दरकिनार कर सत्ता का इस्तेमाल सिर्फ परिवार की संपत्ति बढ़ाने और निजी हित साधने के लिए किया। श्री कुशवाहा ने कहा कि तेजस्वी यादव स्वयं भी घोटाले के आरोपों में चार्जशीटेड हैं, इसलिए उन्हें भ्रष्टाचार पर प्रवचन देने से पहले आईना देखना चाहिए।

छात्रों की गूंज कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एक्शन समिति की पहली बैठक आयोजित

पटना। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के आगामी छात्रों की गूंज कार्यक्रम के मद्देनजर एक्शन समिति की पहली बैठक गांधी संग्रहालय, पटना में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, समाजसेवियों एवं एक्शन ग्रुप के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस बैठक में विशेष रूप से बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू मौजूद थे। इस अवसर पर कुमार अनुपम ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा उपस्थित सदस्यों को उनकी जिम्मेदारियों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सभी सदस्यों को छात्रों के बीच जाकर उनसे संपर्क एवं संवाद स्थापित करना है तथा उन्हें छात्रों की गूंज कार्यक्रम के उद्देश्य और महत्व की जानकारी देनी है। उन्होंने आगे कहा कि आज भारत की प्रतियोगी परीक्षा व्यवस्था सिलेक्शन प्रक्रिया कम और रिजेक्शन प्रक्रिया अधिक बन गई है। लाखों युवा वर्षों तक मेहनत करते हैं, लेकिन सीमित अवसरों, भर्ती में देरी और परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के कारण अधिकांश छात्रों को निराशा का सामना करना पड़ता है। बैठक में कांग्रेस नेता एवं एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रभारी कन्हैया कुमार ने भी उपस्थित सदस्यों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि "छात्रों की गूंज" कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि देशभर में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे लाखों युवाओं की आवाज है। यह उन छात्रों और उनके परिवारों की पीड़ा एवं संघर्ष को सामने लाने का प्रयास है, जो वर्षों की कठिन मेहनत के बावजूद अपने परिश्रम का उचित परिणाम नहीं प्राप्त कर पाते। कन्हैया कुमार ने कहा कि यदि देश की शीर्ष पांच प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में छात्रों द्वारा खर्च की जाने वाली राशि को जोड़ दिया जाए, तो वह भारत सरकार के कई मंत्रालयों के कुल बजट से भी अधिक होगी। उन्होंने कहा कि आज आवश्यकता है कि छात्रों की समस्याओं, चुनौतियों और अपेक्षाओं को राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनाया जाए।

भाजपा सरकार अब पेपर लीक सरकार बन गई है : कुमार आशीष

पटना। कांग्रेस पार्टी के द्वारा देश भर के छात्रों की आवाज को व्यापक मंच देने, शिक्षा व्यवस्था और परीक्षा प्रणाली में सुधार की माँग को लेकर राष्ट्रव्यापी अभियान 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम को लेकर आज पटना महानगर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कुमार आशीष एवं छात्र कांग्रेस बिहार के अध्यक्ष जयशंकर प्रसाद ने प्रेस वार्ता को संबोधित किया। पटना महानगर कांग्रेस अध्यक्ष कुमार आशीष ने कहा कि भाजपा सरकार देश की शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से चौपट कर दी है ऐसा प्रतीत होता है कि देश में भाजपा की सरकार नहीं पेपर लीक की सरकार है तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं का पेपर लीक हो रहा है लेकिन कोई जवाबदेही तय नहीं हो रही है ना तो शिक्षा मंत्री का इस्तीफा लिया जा रहा है और ना ही कोई तर्कसंगत कार्रवाई की जा रही है। इस अवसर पर एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष जयशंकर प्रसाद ने कहा कि बात बिहार की करें या पूरे देश की सरकार कहीं भी बिना पेपर लीक का परीक्षा नहीं करवा पा रही, बिहार की 70 वीं बीपीएसई परीक्षा में हुई व्यापक धांधली के खिलाफ राहुल गांधी पटना के गर्दनीबाग में हो रहे छात्रों की धारणा में शामिल होकर छात्रों की न्याय की लड़ाई के लिए हर संभव संघर्ष करने का आश्वासन दिया था यह सिर्फ शिक्षा का मुद्दा नहीं है. यह नौकरी का मुद्दा है. यह युवाओं के भविष्य और उनके परिवारों की उम्मीदों का मुद्दा है। हाल ही में कोटा में राहुल गांधी ने कुछ आंकड़ों के माध्यम से साबित किया की मौजूदा शिक्षा व्यवस्था एक रिजेक्शन सिस्टम है जिसमे हर 3000 छात्रों में से केवल 1 कअर बनता है, 30 आईआईआई पहुँचते हैं और सिर्फ 180 डॉक्टर बन पाते हैं। बाकी करोड़ों युवाओं को यह व्यवस्था अवसर नहीं, सिर्फ अस्वीकृति देती है।

भ्रष्टाचार पर राजनीति नहीं, कार्रवाई हमारी पहचान : जदयू

पटना। जदयू प्रदेश प्रवक्ता डा निहोरा प्रसाद यादव ने जारी बयान में कहा कि विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव द्वारा सरकार पर लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोप पूरी तरह निराधार, मनगढ़ंत और राजनीतिक हताशा का परिचायक हैं। तथ्यों के अभाव में बार-बार एक ही आरोपों को दोहराना जनता को भ्रमित करने का असफल प्रयास है।बिहार की जनता भली-भांति जानती है कि पूर्व मुख्यमंत्री माननीय श्री नीतीश कुमार ने सत्ता संभालते ही वर्ष 2005 से 2025 तक भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। सीबीआई की तर्ज पर बने विशेष निगरानी जांच ब्यूरो के माध्यम से रिश्वतखोरी और भ्रष्टाचार में संलिप्त सैकड़ों लोकसेवकों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इस अभियान में न कभी किसी बड़े अधिकारी को बख्शा गया और न ही किसी छोटे कर्मचारी को। सरकार ने हमेशा कानून के अनुसार निष्पक्ष कार्रवाई की है। तेजस्वी यादव पर भ्रष्टाचार के मामलों में गंभीर आरोप लगने और संतोषजनक जवाब नहीं मिलने के कारण ही माननीय नीतीश कुमार ने पूर्व में आरजेडी गठबंधन से अलग होने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि उनके लिए सत्ता से अधिक महत्वपूर्ण सुशासन, पारदर्शिता और भ्रष्टाचार के विरुद्ध अडिग प्रतिबद्धता रही है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को नैतिकता का पाठ पढ़ाने से पहले अपने राजनीतिक इतिहास और अपने ऊपर लगे आरोपों पर आत्ममंथन करना चाहिए। जनता सब जानती है कि किसने भ्रष्टाचार के विरुद्ध संघर्ष को अपनी पहचान बनाया और किसके राजनीतिक जीवन पर लगातार सवाल उठते रहे हैं।

2 जुलाई को मलाहीपकड़ी तक मेट्रो विस्तार का होगा लोकार्पण

नई सोच एक्सप्रेस

» पटना मेट्रो परियोजना में तेजी लाने और समग्र ट्रैफिक प्लान बनाने का मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का निर्देश

पटना।मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में पटना मेट्रो रेल परियोजना की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्माण कार्य में तेजी लाने और सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर उच्च गुणवत्ता के साथ पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि 2 जुलाई 2026 को मलाहीपकड़ी तक मेट्रो रेल परियोजना के विस्तारीकरण का लोकार्पण किया जाएगा, जिससे राजधानीवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार तथा पटना मेट्रो रेल परियोजना से जुड़े अधिकारियों ने न्यू आईएसबीटी से आकाशवाणी तक प्रस्तावित कॉरिडोर-1 और न्यू आईएसबीटी से मीठापुर (जगनपुरा होते हुए) तक चल रहे कार्यों की प्रगति की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि पटना मेट्रो राजधानी की परिवहन व्यवस्था को आधुनिक, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने वाली महत्वपूर्ण परियोजना है। इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने प्रत्येक चरण के लिए स्पष्ट कार्ययोजना और समयसीमा तय कर समय पर कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्य के दौरान आम लोगों को कम से कम असुविधा हो, इसके लिए वैज्ञानिक एवं प्रभावी ट्रैफिक प्रबंधन सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही पूरे पटना शहर की यातायात व्यवस्था का अध्ययन कर जाम की समस्या के स्थायी समाधान के लिए समग्र ट्रैफिक मैनेजमेंट प्लान तैयार करने का निर्देश दिया। निर्माण स्थलों पर सुरक्षा मानकों का सख्ती से पालन कराने पर भी जोर दिया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि परियोजना के विभिन्न स्थलों पर एक साथ तेजी से काम किया जाए और निर्माण की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता न किया जाए। नियमित मॉनिटरिंग और सतत समीक्षा के माध्यम से समय पर परियोजना पूरी की जाए। उन्होंने कहा कि पटना मेट्रो के संचालन से राजधानीवासियों को सुरक्षित, तेज और विश्वस्तरीय सार्वजनिक परिवहन सुविधा मिलेगी। इससे सड़क यातायात का दबाव कम होगा, प्रदूषण घटेगा और लोगों का आवागमन अधिक सुगम होगा। समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने पटना के प्रस्तावित सैटेलाइट टाउनशिप का मास्टर प्लान भी निर्धारित समयसीमा में तैयार करने के निर्देश दिए। बैठक में नगर विकास एवं आवास मंत्री नीतीश मिश्रा, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार, मुख्य सचिव प्रत्यय अमृत, नगर विकास एवं आवास विभाग के प्रधान सचिव विनय कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव संजय कुमार सिंह, पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन लिमिटेड के प्रबंध निदेशक संदीप कुमार आर. पुडुकलकट्टी, भवन निर्माण विभाग के सचिव प्रणव कुमार, पटना प्रक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक जितेंद्र राणा, जिलाधिकारी कुंदन कुमार, वरीय पुलिस अधीक्षक कार्तिकेय के. शर्मा सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने की वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह से मुलाकात

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।जनता दल यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्यसभा सांसद वशिष्ठ नारायण सिंह के आवास पर पहुंचकर उनसे शिष्टाचार मुलाकात की। मुलाकात के दौरान नीतीश कुमार ने वशिष्ठ नारायण सिंह का कुशलक्षेम पूछा और उनके स्वास्थ्य के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीघार्यु जीवन की कामना की। इस शिष्टाचार मुलाकात के दौरान दोनों वरिष्ठ नेताओं के बीच काफी देर तक समसामयिक राजनीतिक एवं सामाजिक विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। साथ ही, दोनों नेताओं ने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन से जुड़ी अनेक पुरानी स्मृतियों और अनुभवों को एक-दूसरे के साथ साझा किया। इस अवसर पर विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उपनेता ललन कुमार सर्राफ भी उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता सेनानी एवं पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष स्व. मुंगेरी लाल की 25वीं पुण्यतिथि मनाई गई

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष एवं स्वतंत्रता सेनानी स्व. मुंगेरी लाल की 25 वीं पुण्यतिथि श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकतार्ओं ने स्व. मुंगेरी लाल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्व. मुंगेरी लाल ने अपना पूरा जीवन राष्ट्रसेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और कांग्रेस की विचारधारा के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित किया। उनका संघर्ष, त्याग और समर्पण आज भी कांग्रेस कार्यकतार्ओं के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री संजीव प्रसाद टोनी, असितनाथ तिवारी, वैद्यनाथ शर्मा, चन्द्रभूषण राजपूत, डा अमन कुमार, हीरा सिंह बग्गा, विन्ध्याचल आनन्द, राहुल भारद्वाज, अहमद रजा खान सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद थे।

नीतीश कुमार ने जदयू कार्यालय का किया औचक निरीक्षण, जनसुनवाई और संगठन कार्यों का लिया जायजा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को अचानक जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के प्रदेश कार्यालय पहुंचकर सबको चौंका दिया। उनके इस औचक निरीक्षण ने पार्टी के भीतर हलचल पैदा कर दी। पूर्व मुख्यमंत्री का सीधा उद्देश्य पार्टी संगठन की कार्यप्रणाली को परखना और आम जनता की समस्याओं के समाधान की प्रक्रिया को करीब से देखना था। कार्यालय पहुंचते ही नीतीश कुमार ने वहां पहले से मौजूद वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। उन्होंने सबसे पहले पार्टी कार्यालय की वर्तमान स्थिति का जायजा लिया। नीतीश कुमार ने जनसुनवाई कार्यक्रम के प्रति विशेष रुचि दिखाई। उन्होंने इस बात की गहन समीक्षा की कि कौन से मंत्री निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार जनता की समस्याओं को सुनने आ रहे हैं और कुल कितनी शिकायतों का समाधान अब तक सुनिश्चित किया गया है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में पार्टी पदाधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई महज एक औपचारिकता नहीं होनी चाहिए, बल्कि इसका परिणाम धरातल पर दिखना चाहिए। उन्होंने शिकायतों के निस्तारण की गति और गुणवत्ता पर विशेष जोर दिया। नीतीश कुमार ने नेताओं को स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी परिस्थिति में आम जनता को कार्यालय में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग अपनी उम्मीदें लेकर कार्यालय आते हैं उन्हें निराश होकर नहीं लौटना चाहिए। उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान और उचित व्यवहार ही पार्टी की पहचान है। पूर्व मुख्यमंत्री ने संगठन से जुड़े कई अन्य महत्वपूर्ण मामलों पर भी चर्चा की और पार्टी की गतिविधियों, कार्यकर्ताओं की सक्रियता और संगठन को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उनके दौरे के दौरान कार्यालय में मौजूद नेताओं और कार्यकर्ताओं के बीच भी काफी हलचल रही। लगभग एक घंटे तक कार्यालय में रुकने और पार्टी की कार्यशैली को बारीकी से समझने के बाद, नीतीश कुमार वापस अपने आधिकारिक आवास के लिए रवाना हो गए। उनके इस दौरे को आगामी राजनीतिक परिप्रेक्ष्य और संगठन को चुस्त-दुरुस्त करने के नजरिए से काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। नीतीश कुमार का यह कदम स्पष्ट संकेत है कि वे संगठन और जनता के बीच सीधा संवाद बनाए रखने के लिए किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त करने के मूड में नहीं हैं।

अडानी-अम्बानी को कौड़ी के भाव सौंपी जा रही है लाखों एकड़ भूमि : भाकपा

नई सोच एक्सप्रेस

» जनसंगठनों के आह्वान पर 15 जुलाई को आयोजित विधानसभा मार्च का समर्थन करेगी भाकपा

पटना।भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी केंद्र और राज्य सरकार की जन विरोधी नीतियों, बुलडोजर एवं एनकाउंटर राज्य के खिलाफ संघर्ष तेज करने का फैसला लिया है। भाकपा बिहार राज्य परिषद की बैठक 28 जून को पटना में हुई। बैठक में आंदोलन की रूप रेखा तैयार की गई। पार्टी पूरे राज्य में 06 से 15 अगस्त 2026 तक गांव-गांव पदयात्रा निकालेगी। इस यात्रा के माध्यम से केन्द्र सरकार एवं राज्य की डबल इंजन सरकार की नाकामियों से जनता को अवगत कराएगी। 01 सितंबर 2026 को दिल्ली में विशाल रैली आयोजित की जाएगी। पेपर लीक, महिला अत्याचार, दलित उत्पीड़न, श्रमिकों पर हमले, बुल्डोजर और एनकाउंटर राज के खिलाफ 15 जुलाई को बिहार राज्य किसान सभा, बिहार राज्य खेत मजदूर यूनियन, बिहार राज्य महिला समाज, ए.आई.वाई. एफ., ए.आई.एस.एफ, ए.आई. टी.यू.सी. प्रलेस, शांति-मैत्री एवं सांस्कृतिक संगठन आदि जन संगठनों के आह्वान पर पटना में आयोजित विधान सभा मार्च का भाकपा समर्थन करेगी। केंद्र और राज्य सरकार सभी मोर्चे पर विफल हुई है, भाजपा सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल में 31 बार पेपर लीक हुआ है, संवैधानिक संस्थाओं को बर्बाद कर दिया गया है, भारतीय सेना को भी नहीं छोड़ा है, ऑपरेशन सिंदूर में शहीद हुए जवानों के संबंध में सरकार संसद में पूरी तरह झूठ बोली थी, पूरे देश में विभिन्न पार्टियों के सांसद और विधायक की खरीद-फरोख्त की जा रही है, राममंदिर अयोध्या में ढाई साल में 700 करोड़ रुपये की चढ़ावे की चोरी हो गई, चोरी के मामले में संघ परिवार को बचाया जा रहा है, केन्द्र व राज्य की सरकार पूरी तरह झूठ और लूट की सरकार है, यह दलित, अल्पसंख्यक, महिला, किसान मजदूर, छात्र, नौजवान विरोधी है।जनादेश की अवहेलना कर बिहार में बनी भाजपा की सरकार ने जनता पर कहर ढ़ाना शुरू कर दिया है। गरीबों-भूमिहिनों-शहरी फुटपाथ दुकानदारों को जबरन उजाड़ा जा रहा है। सेटेलाइट टाऊनशीप के नाम पर बिहार के किसानों की लाखों एकड़ जमीन अडानी-अंबानी सहित अन्य कारपोरेट घरानों को दी जा रही है। महंगाई, भ्रष्टाचार, वेरोजगारी, गरीबी, पलायन एवं बढ़ते अपराध से आम लोग त्रस्त है। कहीं पुलिस द्वारा फर्जी एनकाउंटर कर आमलोगों की हत्या की जा रही है तो कहीं दलितों को मंदिर में पीट पीट कर हत्या की जा रही है।संवाददाता सम्मेलन को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर गिरीश चंद्र शर्मा, राष्ट्रीय सचिव संजय कुमार, पूर्व एम.एल.सी. ने संबोधित की। प्रेस सम्मेलन में राज्य सचिवमंडल सदस्य जानकी पासवान, प्रमोद प्रभाकर, रामलाला सिंह मौजूद थे।

खत्म हुआ बंगला विवाद: 10 सर्कुलर रोड से लालू परिवार ने अपना सामान किया शिफ्ट

नई सोच एक्सप्रेस

» फिलहाल तेजस्वी यादव को आबंटित आवास में रहने का फैसला

पटना।आखिरकार लालू परिवार ने 10 सर्कुलर रोड के सरकारी आवास से अपना सामान हटा लिया है। पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सोमवार को निर्धारित समय-सीमा के आखिरी दिन सरकारी बंगला खाली कर दिया। हालांकि आवास का औपचारिक हैंडओवर अभी बाकी है, क्योंकि परिवार ने साफ कर दिया है कि सरकारी सामान का पूरा मिलान होने के बाद ही बंगले की चाभी भवन निर्माण विभाग को सौंपी जाएगी। सोमवार सुबह लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव कुछ समय के लिए 10 सर्कुलर रोड पहुंचे। यहां अंतिम व्यवस्थाओं और शिफ्टिंग की प्रक्रिया पूरी करने के बाद वे 1 पोलो रोड स्थित सरकारी आवास के लिए रवाना हो गए। फिलहाल नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव को आवंटित यही सरकारी आवास लालू परिवार का अस्थायी ठिकाना रहेगा। वहीं कौटिल्य नगर स्थित परिवार का निजी आवास अभी निर्माणाधीन है, इसलिए वहां शिफ्टिंग फिलहाल संभव नहीं है। उधर, राबड़ी देवी को 39 हार्डिंग रोड स्थित नया सरकारी आवास आबंपटित किया गया है, लेकिन वहां मरम्मत और निर्माण कार्य अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। बताया जा रहा है कि करीब 70 प्रतिशत काम ही पूरा हुआ है। ऐसे में परिवार ने फिलहाल 1 पोलो रोड में रहने का फैसला किया है। सूत्रों के मुताबिक, राबड़ी देवी ने भवन निर्माण विभाग को स्पष्ट कर दिया है कि विभाग की ओर से उपलब्ध कराए गए फर्नीचर और अन्य सरकारी सामान का पूरा सत्यापन होने के बाद ही आवास का औपचारिक हैंडओवर किया जाएगा। जब तक सूची का मिलान पूरा नहीं हो जाता, तब तक बंगले की चाभी विभाग को नहीं सौंपी जाएगी। गौरतलब है कि भवन निर्माण विभाग ने 22 जून को अंतिम नोटिस जारी करते हुए सात दिनों के भीतर सरकारी आवास खाली करने का निर्देश दिया था। इससे पहले भी विभाग चार बार नोटिस जारी कर चुका था। विभाग ने चेतावनी दी थी कि तय समय तक बंगला खाली नहीं होने पर बिहार सरकारी परिसर अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। अब बंगला खाली होने के बाद सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि सामान का सत्यापन कब पूरा होता है और विभाग को औपचारिक रूप से चाभी कब सौंपी जाती है।

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस समारोह का आयोजन

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा प्रख्यात सांख्यिकीविद् प्रो. पीसी महालनोबिस की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस वर्ष का थीम एडमिनिस्ट्रेटिव डेटा की क्षमता को अनलॉक करना है जो भारत में आधिकारिक सांख्यिकी तंत्र के विकास और जनहित में विश्वसनीय आंकड़ों के उपयोग के प्रति जन-जागरूकता को प्रतिबिंबित करता है। कार्यक्रम की शुरूआत दीप प्रज्वलन एवं प्रो. महालनोबिस की प्रतिमा पर माल्यार्पण से हुई। कार्यक्रम का उद्घाटन उप महानिदेशक एवं क्षेत्रीय प्रमुख रोशन लाल साहू के द्वारा किया गया। उपमहानिदेशक रोशन लाल साहू ने अपने संबोधन में प्रो. पीसी महालनोबिस के योगदान को याद करते हुए कहा कि सांख्यिकी न केवल अनुसंधान का माध्यम है, बल्कि सुशासन की नींव भी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे आंकड़ों के महत्व को समझें और इस क्षेत्र में कैरियर बनाने के लिए आगे आएं। उपनिदेशक परिमल ने प्रशासनिक डाटा के विविध आयामों की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया की विभिन्न जनगणना, जन्म-मृत्यु, स्वास्थ्य, शादी संबंधित डाटा किस प्रकार देश के नीति-निर्माण एवं उसके कार्यान्वयन में योगदान करते है। इसके पश्चात विशिष्ट अतिथियों में उपनिदेशक वीरेन्द्र कुमार, बिहार सरकार, एवं पटना विश्व विद्यालय से आये विशिष्ट प्रो. प्रमित कुमार, डॉ. डौली भारती, डॉ सुरभि सुमन नेअपने सारगर्भित वक्तव्यों के माध्यम से उपस्थित जनसमूह को साँख्यिकी के मूलभूत सिद्धांतों एवं उसकी उपयोगिता से अवगत कराया।

2 जुलाई से चलेगी मलाहीपकड़ी तक मेट्रो

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना मेट्रो की सेवा मलाही पकड़ी तक 2 जुलाई को चालू हो जाएगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने आज अधिकारियों के साथ पटना मेट्रो रेल परियोजना की प्रगति की समीक्षा बैठक की।इस परियोजना के सभी चरणों के लिए स्पष्ट टाइमलाइन निर्धारित कर निर्धारित समयसीमा के भीतर काम पूरा करने के निर्देश दिए। सीएम ने कहा कि निर्माण कार्य की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।उन्होंने कहा कि मेट्रो निर्माण के दौरान आम लोगों को कम से कम परेशानी हो, इसके लिए बेहतर ट्रैफिक प्लान तैयार किया जाए।निर्माण वाले इलाकों में जाम की समस्या को देखते हुए पहले से व्यवस्था करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मेट्रो निर्माण की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सभी जगहों पर एक साथ तेजी से काम कराकर परियोजना को समय पर पूरा करने की कोशिश होनी चाहिए। इस बैठक में नगर विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों और पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने परियोजना से जुड़ी मौजूदा स्थिति की जानकारी दी। अधिकारियों ने न्यू आईएसबीटी से आकाशवाणी तक प्रस्तावित कॉरिडोर-1 और न्यू आईएसबीटी से मीठापुर होते हुए जगनपुरा तक चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति के बारे में भी बताया।

टी.पी.एस. कॉलेज में मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का 15वां दिन सम्पन्न

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।टी.पी.एस. कॉलेज, पटना के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण का आज 15वां दिन उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। 12 जून से प्रारंभ हुई इस प्रशिक्षण का सफल संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. विनय कुमार के नेतृत्व में किया जा रहा है। कार्यशाला का उद्देश्य विद्यार्थियों, शोधार्थियों एवं प्रतिभागियों को मशरूम उत्पादन की आधुनिक एवं वैज्ञानिक तकनीकों का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों को केसिंग मिश्रण बनाना एवं केसिंग परत बिछाना विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई। विशेषज्ञों ने बताया कि बीजाई के लगभग 15झ्20 दिनों बाद जब बीज का जाल पूरे भूसे में फैल जाता है, तब केसिंग परत बिछाने की प्रक्रिया की जाती है। प्रशिक्षण के दौरान केसिंग मिश्रण तैयार करने की विधि, मिट्टी एवं बालू का उचित अनुपात, चाक पाउडर, फॉर्मेलिन एवं बाविस्टीन के उपयोग, मिश्रण के उपचार, तापमान एवं नमी बनाए रखने सहित सभी तकनीकी पहलुओं का व्यावहारिक प्रदर्शन भी किया गया।महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. तपन कुमार शांडिल्य ने भी प्रशिक्षण में भाग लिया। उन्होंने प्रशिक्षण की व्यवस्थाओं एवं प्रतिभागियों द्वारा किए जा रहे कार्यों का अवलोकन करते हुए वनस्पति विज्ञान विभाग की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कौशल आधारित कार्यशालाएँ विद्यार्थियों और शोधार्थियों को स्वरोजगार एवं उद्यमिता की दिशा में प्रेरित करती हैं तथा नई शिक्षा नीति के उद्देश्यों को भी सशक्त बनाती हैं।

स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने किया 5 देशरत्न मार्ग में गृह-प्रवेश

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ज्येष्ठ पूर्णिमा का शुभ दिन अब आधिकारिक तौर पर 5 देशरत्न मार्ग में गृह प्रवेश किया है। सोमवार को पूरे परिवार के साथ नए आवास में गृह प्रवेश और पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया।इस मौके पर बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी पहुंचे और पूजा में शामिल हुए। करीब 10 मिनट तक कार्यक्रम में मौजूद रहने के बाद वह अपने सरकारी आवास 7 सर्कुलर रोड के लिए रवाना हो गए। निशांत कुमार इस आवास में नहीं रहेंगे, यहां पर सिर्फ उनके स्वास्थ्य विभाग से जुड़ा काम होगा, कार्यालय होगा। बतातें चलें कि 30 अप्रैल 2026 को बिहार सरकार ने सीएम आवास 1, अणे मार्ग का दायरा बढ़ाया। बगल वाला बंगला 5 देशरत्न मार्गह्न को भी सीएम आवास का हिस्सा बना लिया। बाद संयुक्त सचिव-सह-भू-संपदा पदाधिकारी शिव रंजन ने आदेश जारी कर कहा कि 5 देशरत्न मार्ग का पुराना आवंटन रद्द कर दिया गया है। अब यह स्वतंत्र बंगला नहीं रहेगा, बल्कि इसे 1 अणे मार्ग के ह्यविस्तारित हिस्सेह्न के रूप में जाना जाएगा।इस फैसले को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाया है। राजद की ओर से कहा गया कि सरकार राबड़ी देवी को बंगला खाली करने के लिए कह रही है। वहीं, सीएम के आवास में एक और बंगला जोड़ लिया गया है।मामले के तूल पकड़ने पर पूर्व सीएम नीतीश कुमार ने हस्तक्षेप किया है। उन्होंने भवन निर्माण मंत्री लेसी सिंह को तलब किया और पूरी जानकारी ली। अब खबर है कि इसके बाद 5 जून को 5 देश रत्न मार्ग बंगले को मुख्यमंत्री आवास से अलग कर दिया गया है।

संक्षिप्त समाचार

बीपीएससी टीचर संघ का किया गया गठन

बिहारशरीफ।शहर के साठोपुर स्थित एक निजी कोचिंग संस्थान में सोमवार को जिलेभर से आए बीपीएससी विद्यालय अध्यापकों की बैठक हुई। बैठक में बीपीएससी टीचर संघ के प्रदेश अध्यक्ष बबीता चौरसिया वर्चुअल रूप से शामिल हुई। बैठक में अध्यापकों ने पूर्ण वेतनमान व मूलभूत सुविधाएं लागू करने, स्थानांतरण, पुरानी पेंशन, आवास भत्ता, महंगाई भत्ता व शहरी परिवहन भत्ता को अपडेट करने सहित अन्य समस्याओं के समाधान का मसला उठाया। बीपीएससी अध्यापकों को एकजुट कर मजबूत व सशक्त संघ गठित करने का निर्णय लिया। सर्वसम्मति से बीपीएससी अध्यापक संघ जिला इकाई, नालंदा का गठन हुआ। इसमें सुरज विद्यार्थी को जिला अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुने गए। जबकि प्रवीण कुमार प्रधान सचिव,रौशन कुमार कोषाध्यक्ष,अभय कुमार कार्यालय सचिव,राज आर्यन जिला प्रवक्ता, प्रवीण कुमार मीडिया प्रभारी एवं अमृता प्रीतम महिला मोर्चा की अध्यक्ष पद पर चुने गए। रविकांत कुमार, विकास कुमारव प्रीतम कुमार सचिव, नवीन कुमार,गिरजानंद प्रसाद व शिव शंकर कुमार उपाध्यक्ष चुने गए। बैठक के दौरान नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष ने कहा कि जिले के प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय में नियुक्त बीपीएससी विद्यालय अध्यापक विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। बिहार लोक सेवा आयोग जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से नियुक्त होने के बाद भी विद्यालय व विभाग में बीपीएससी विद्यालय अध्यापकों के साथ भेदभाव हो रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का भार हमारे ही कंधों पर हैं, फिर भी हमारी विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इन समस्याओं के लिए हमारी एकजुटता जरूरी है। बैठक को अन्य अध्यापकों ने भी संबोधित किया।

'शूद्रों का सच' समाज में व्याप्त भ्रांतियों पर शोधपरक पुस्तक : मिथिलेश के सिंह

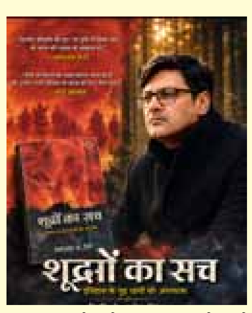

पटना। गोपाल नारायण सिंह विश्वविद्यालय के सहायक कुल सचिव एवं इतिहासकार-लेखक मिथिलेश के सिंह ने कहा कि उनकी नई पुस्तक 'शूद्रों का सच' शूद्रों से जुड़े ऐतिहासिक तथ्यों और समाज में प्रचलित भ्रांतियों पर आधारित एक शोधपरक कृति है। उन्होंने बताया कि यह पुस्तक करीब चार वर्षों के अध्ययन और शोध का परिणाम है। 'अंबेडकर, इस्लाम और वामपंथ' के लेखक मिथिलेश के सिंह ने कहा कि पुस्तक में प्राचीन, मध्यकालीन, औपनिवेशिक और समकालीन स्रोतों के आधार पर शूद्रों के इतिहास, सामाजिक स्थिति और वर्ण व्यवस्था से जुड़े विभिन्न पहलुओं का विश्लेषण किया गया है। इसमें अगस्त्य, वाल्मीकि, वेदव्यास और राजा सुदास जैसे ऐतिहासिक उदाहरणों का उल्लेख करते हुए कई प्रचलित धारणाओं की समीक्षा की गई है। लेखक के अनुसार, पुस्तक में औपनिवेशिक काल की 'फूट डालो और राज करो' नीति, जातियों के विकास, मनुस्मृति, डॉ. भीमराव अंबेडकर के विचारों तथा यूरोपीय और भारतीय इतिहासकारों के दृष्टिकोण पर भी विस्तार से चर्चा की गई है। उन्होंने कहा कि पुस्तक का उद्देश्य किसी निष्कर्ष को थोपना नहीं, बल्कि ऐतिहासिक तथ्यों के आधार पर पाठकों के सामने विभिन्न पक्ष रखना है, ताकि वे स्वयं अपने निष्कर्ष तक पहुंच सकें। यह पुस्तक भारतीय समाज, इतिहास और सांस्कृतिक विरासत में रुचि रखने वाले पाठकों के लिए उपयोगी साबित हो सकती है।

इनेरा क्रॉप साइंस और क्रॉपनेक्स्ट की साझेदारी से किसानों तक पहुंचेगी वैज्ञानिक जैविक कृषि तकनीक

पटना।इनेरा क्रॉप साइंस और क्रॉपनेक्स्ट सॉल्यूशंस ने बिहार, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड और ओडिशा में किसानों तक विज्ञान-आधारित जैविक कृषि समाधानों की पहुँच बढ़ाने के लिए बहुवर्षीय रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के माध्यम से लगभग 500 करोड़ रुपये के कारोबारी अवसर सृजित होने का अनुमान है। साथ ही 5000 से अधिक चैनल पार्टनर्स और रिटेल आउटलेट्स के नेटवर्क के जरिए 65 लाख से अधिक किसानों तक पहुँचने का लक्ष्य रखा गया है। यह पहल लगभग 20 लाख एकड़ कृषि भूमि में जैविक कृषि इनपुट्स को अपनाने को भी बढ़ावा देगी। इनेरा क्रॉप साइंस के संस्थापक अगम खरे ने कहा कि जलवायु परिवर्तन का असर आज भारतीय किसानों के खेतों में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। बढ़ती गर्मी, कीटों का दबाव और बढ़ती लागत किसानों के लिए बड़ी चुनौती बन चुकी है। हमारा विश्वास है कि विज्ञान-आधारित जैविक समाधान खेती को अधिक लाभकारी, टिकाऊ और पुनर्योजी बना सकते हैं। क्रॉपनेक्स्ट के साथ यह साझेदारी इसी सोच को बड़े स्तर पर किसानों तक पहुँचाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। क्रॉपनेक्स्ट सॉल्यूशंस के संस्थापक अजीत सिंह चहल ने कहा कि पूर्वी भारत में मजबूत कृषि मूल्य श्रृंखला विकसित करना हमारी सबसे बड़ी ताकत रही है। इस साझेदारी के माध्यम से हम अपने किसान एवं वितरण नेटवर्क तक विज्ञान-आधारित, टिकाऊ और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप जैविक कृषि उत्पाद पहुँचा सकेंगे।

बिहार आईपीएल का खिताबी मुकाबला आज

पटना।सरदार पटेल इवेंट्स कम टैलेंट सर्च के तत्वावधान में खेले जा रहे बिहार इंस्टीट्यूट प्रीमियर लीग (बिहार आईपीएल)का खिताबी मुकाबला (डे-नाइट) 30 जून 2026 को दोपहर 3 बजे से राजधानी पटना के ऊर्जा स्टेडियम राजवंशी नगर पटना में खेली जाएगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष कृष्णा पटेल ने बताया कि बिहार आईपीएल का खिताब भिड़ंत अंडर - 13 आयु वर्ग में गया टाइटंस (जीटी) और कटिहार नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच दोपहर 3:00 बजे से खेली जाएगी। जबकि अंडर -17 आयु वर्ग में गया टाइटंस (जीटी) और चंपारण सुपर किंग्स (सीएसके) के बीच सीधी भिड़ंत संध्या 6:00 बजे से होगी।इसके बाद दोनों आयु वर्ग के विजेता और उपविजेता टीम को पारितोषिक वितरण कार्यक्रम मैच समाप्त होने के उपरांत रात्रि 9 बजे से प्लेयर ऑफ द मैच, प्लेयर ऑफ द सीरीज, बेस्ट बैटर, बेस्ट बॉलर, बेस्ट फील्डर, बेस्ट विकेट कीपर, बेस्ट ऑलराउंडर,और इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द बिहार जैसे पुरस्कारों से अतिथिगणों की गरिमामय उपस्थिति में बिहार के भविष्य और प्रतिभावान खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा।

सरकारी तंत्र के मंत्र मे फँस गए भरत तिवारी : आर.के. जायसवाल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।हाल के दिनों में बिहार के भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के बिलौटी गांव में हुए भरत तिवारी एनकाउंटर का मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। उपलब्ध जानकारी एवं सोशल मीडिया पर प्रसारित पोस्टों के आधार पर यह दावा किया जा रहा है कि क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष और कथित प्रशासनिक उपेक्षा तथा प्रताड़ना के कारण भरत तिवारी ने हथियार उठाने जैसा कदम उठाया। सोशल मीडिया पर उनके नाम से प्रसारित पोस्टों से यह आभास होता है कि सरकारी तंत्र की कार्यशैली से वे गहरे आहत और निराश थे। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी शेष है तथा प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया का भी इंतजार किया जा रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि किसी भी परिस्थिति में हिंसा समस्या का समाधान नहीं हो सकती और ऐसे मामलों की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध जांच आवश्यक है। सामाजिक संगठनों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा यदि किसी प्रकार का उत्पीड़न या लापरवाही सामने आती है तो संबंधित दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई करने की मांग की है। साथ ही सभी पक्षों से कानून का पालन करते हुए अपनी बात शांतिपूर्ण एवं संवैधानिक माध्यमों से रखने की अपील की गई है। परंतु सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी नौबत आई ही क्यों? यह व्यवस्था आज की नहीं, बल्कि लंबे समय से चली आ रही है। इस तंत्र की कार्यप्रणाली को समझ पाना आम नागरिक के लिए अत्यंत कठिन है। सरकारें चाहे किसी भी राजनीतिक दल की रही हों, लेकिन प्रशासनिक व्यवस्था को संचालित करने वाला तंत्र काफी हद तक वही बना रहता है। यदि समय रहते लोगों की शिकायतों का निष्पक्ष समाधान हो, न्याय सुलभ हो और प्रशासन जनता के प्रति अधिक संवेदनशील बने, तो संभव है कि कोई भी व्यक्ति निराशा या आक्रोश में ऐसा कदम उठाने के लिए विवश न हो। फिर भी, किसी भी परिस्थिति में कानून को अपने हाथ में लेना उचित नहीं ठहराया जा सकता। दूसरी ओर, लंबे समय के बाद बिहार में जातीय तनाव अपेक्षाकृत कम होता दिखाई दे रहा था। ऐसे समय में इस घटना को कुछ लोग जातीय रंग देने का प्रयास कर रहे हैं, जिससे समाज में पुनः वैमनस्य और तनाव का वातावरण उत्पन्न होने की आशंका है। ऐसी परिस्थितियों में आवश्यक है कि सरकारी तंत्र निष्पक्षता, पारदर्शिता और संवेदनशीलता के साथ पूरे मामले की जांच कर सत्य को सामने लाए, ताकि किसी भी प्रकार की अफवाह, भ्रम या सामाजिक विभाजन की स्थिति उत्पन्न न हो और समाज में शांति एवं सौहार्द बना रहे। मामला चाहे जो भी हो अंत में यह प्रश्न ज़रूर उठता है की "आतंकवादी कसाब को वर्षों तक उसकी पसंदीदा बिरयानी खिलाई गई और फाँसी दिए जाने के बाद भी कुछ लोग आज तक उसके समर्थन में न्याय की बात करता है। ऐसे में क्या भरत तिवारी कसाब से भी ज़्यादा ख़तरनाक था ?"

भरत तिवारी की हत्या नही सहेगा हिंदुस्तान : अशोक दास

नई सोच एक्सप्रेस

खुसरूपुर।प्रेम यूथ फाउंडेशन के जांच दल अशोक दास ने नेतृत्व में भरत भुषन तिवारी के गाँव पहुँचकर पूरी घटना का जायजा लिया । प्रत्यक्षदर्शियों ने जो बताया यह बिहार पुलिस के लिए शर्मनाक है । भरत तिवारी की हत्या आत्मसमर्पण करने के बाद किया गया है जो अमानवीय कृत्य है इसके लिए कोई भी सजा कम है । पुलिसकर्मियों की वीडियो आये दिन आम जनों के साथ दुर्व्यवहार के सामने आता रहता है जबकि डीजीपी लगातार पुलिस को पब्लिक फ्रेंडली बनने की नसीहतें देते रहते है लेकिन अफसोस बिहार के थानों में आज भी मुंशी राज कायम है । अशोक दास ने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जातिवादी नेता आतंकवादी से भी खतरनाक है जिसको भरत में जाति दिखता है उसको चुल्लू भर पानी मे डूब मरना चाहिए । भरत तिवारी बंचितो के आवाज थे जिसे दबाने के लिए यह षड्यंत्र रचा गया है । भोजपुर एसपी आधी रात को घर पहुँचकर लोगो को डराने धमकाने का जो काम किया है यह लोक तंत्र और बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर के सपनो पर पानी फेरने जैसा है । रिपोर्ट में कई चौकाने बाला तथ्य सामने आया जल्द ही जाँच रिपोर्ट का खुलासा होगा ।

एआई एवं डिजिटल शिक्षा शिखर सम्मेलन में कंप्यूटर शिक्षकों ने उठाईं मांगें

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।आईएमए हॉल, पटना में बिहार कंप्यूटर साइंस टीचर वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित एआई एवं डिजिटल शिक्षा शिखर सम्मेलन में वैशाली जिले के अध्यक्ष महेश कुमार के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कंप्यूटर विज्ञान शिक्षकों ने भाग लिया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) नीरज कुमार का वैशाली के शिक्षकों ने अंगवस्त्र भेंट कर सम्मान किया। इस अवसर पर नीरज कुमार ने कंप्यूटर विज्ञान शिक्षकों के योगदान की सराहना करते हुए उनकी समस्याओं के समाधान का आश्वासन दिया। प्रदेश सचिव श्रीपत झा ने कहा कि कंप्यूटर शिक्षकों की लंबित मांगों को जल्द पूरा कराने का प्रयास किया जाएगा। वहीं, वैशाली जिला अध्यक्ष महेश कुमार ने सरकार से कंप्यूटर विज्ञान शिक्षकों को प्रधानाध्यापक भर्ती के लिए पात्र मानने तथा उन्हें गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि इससे राज्य में डिजिटल शिक्षा और एआई आधारित शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने में मदद मिलेगी। सम्मेलन में शिक्षक जितेंद्र नाथ ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण है तथा डिजिटल युग में कंप्यूटर विज्ञान शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ गई है। कार्यक्रम में जिला सचिव सत्य प्रकाश पंकज, कोषाध्यक्ष प्रत्यूष कुमार सहित अंकित कुमार गुप्ता, प्रियंकेश कुमार, रवि कुमार, कुमुद रंजन, रविशंकर यादवेश, राजीव कुमार चौधरी, सुधीर कुमार सिंह, राजा कुमार, राहुल कुमार चौधरी, शशि कुमार साह, पंकज कुमार, सतगुरु आनंद, अभिषेक कुमार, चंदन कुमार, रवि कुमार गुप्ता, रवि प्रकाश, अमित कुमार, कुमार प्रवीण, कुमार मयंक समेत अनेक शिक्षक उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय बीमा जागरूकता दिवस पर एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने वित्तीय सुरक्षा और बीमा जागरूकता बढ़ाने का किया आह्वान

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।राष्ट्रीय बीमा जागरूकता दिवस के अवसर पर एसबीआई जनरल इंश्योरेंस ने देशभर के नागरिकों से बीमा को अपनी वित्तीय योजना का अभिन्न हिस्सा बनाने की अपील की। कंपनी ने कहा कि वित्तीय रूप से सशक्त भारत के निर्माण और '2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य को हासिल करने के लिए बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे अधिक सुलभ बनाना आवश्यक है। इस अवसर पर एसबीआई जनरल इंश्योरेंस के एमडी एवं सीईओ श्री नवीन चंद्र झा ने कहा, भारत की विकास गाथा उसके लोगों की आकांक्षाओं और उनके जज़्बे से आगे बढ़ रही है। जब व्यक्ति, परिवार और व्यवसाय बेहतर भविष्य बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं, तब अनिश्चितताओं के लिए तैयार रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण हो जाता है। इस सफर में बीमा की भूमिका बेहद अहम है। यह केवल वित्तीय सुरक्षा ही नहीं देता, बल्कि लोगों को अपने सपनों और लक्ष्यों को अधिक आत्मविश्वास और मानसिक शांति के साथ पूरा करने का भरोसा भी देता है। जैसे-जैसे हम 2047 तक सभी के लिए बीमा' के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे बीमा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे अधिक सुलभ तथा लोगों की जरूरतों के अनुरूप बनाना, वित्तीय रूप से मजबूत भारत के निर्माण की कुंजी होगा। एसबीआई जनरल इंश्योरेंस में हमारा मानना है कि सुरक्षा केवल जोखिम आने पर प्रतिक्रिया देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। यह लोगों को बेहतर तैयारी करने, सोच-समझकर फैसले लेने और अपने स्वास्थ्य, संपत्ति तथा आकांक्षाओं की सुरक्षा के लिए प्रेरित भी करनी चाहिए। राष्ट्रीय बीमा जागरूकता दिवस के अवसर पर हम सभी व्यक्तियों और परिवारों से अपील करते हैं कि वे बीमा को अपनी वित्तीय योजना का अभिन्न हिस्सा बनाएं। अधिक जागरूकता, सोच-समझकर लिए गए निर्णय और समय पर प्राप्त सुरक्षा, वित्तीय मजबूती का आधार बनेंगे और अधिक से अधिक भारतीयों को देश की विकास यात्रा में पूरे आत्मविश्वास के साथ भागीदारी करने में सक्षम बनाएंगे।

ज्ञान-मार्गी महान संतकवि थे कबीर, कविता की संज्ञा थे 'नागार्जुन'

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।ज्ञान-मार्गी महान संतकवि थे कबीर। कबीर ने हमें सिखाया कि माया और मोह से ग्रस्त व्यक्ति न तो स्वयं का भला कर सकता है न समाज का। वे निर्गुण ब्रह्म के उपासक थे। अपनी रचनाओं में उन्होंने यह सीख दी कि, हम जिस व्यवहार की अपेक्षा अपने लिए करते हैं, वही व्यवहार औरों के साथ करें। वे धार्मिक आडम्बर के विरोधी और शुद्ध-चेतना के हिमायती थे। 'यात्रीजी' के नाम से चर्चित हिन्दी और मैथिली के कवि वैद्यनाथ मिश्र 'नागार्जुन' पर कबीर का गहरा प्रभाव था। कविता की संज्ञा थे 'नागार्जुन'। यह बातें सोमवार को बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, दोनों काव्य-विभूतियों की जयंती पर आयोजित कवि-गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए,सम्मेलन-अध्यक्ष डा. अनिल सुलभ ने कही। उन्होंने कहा कि,मनुष्यों ने कबीर के दोहों को रट तो लिया, उन पर व्याख्यान और उपदेश भी दिए, पर उन पर अमल नहीं किया। कबीर ने जिस वितराग और त्याग को, सार्थक जीवन का आधार और सोपान बताया, हमने उसे अपना ज्ञान प्रदर्शित करने का साधन समझा, आचरण योग्य नही माना। आज वासनाओं में डूबा संसार उसी पाखंड का परिणाम है। डा. सुलभ ने कहा था कि नागार्जुन एक जीवंत कवि थे। संतकवि कबीर की तरह अखंड और फक्कड़ थे। बेतरतीब बिखरे बाल, बढ़ी हुई दाढ़ी और उसमें भी छोटा क़द ! उन्हें एक विचित्र सा, किंतु स्तुत्य व्यक्तित्व प्रदान करता था। एक निरंतर गतिमान, महात्मा बुद्ध के उद्घोष - "बहुजन हिताए, बहुजन सुखाए, लोकानुकंपाए, चरैवेति ! चरैवेति !" के प्रत्यक्ष और जीवंत उदाहरण थे बाबा ! इसलिए कहीं एक जगह ठहरते नहीं थे। इस अवसर पर आयोजित कवि-सम्मेलन का आरंभ चंदा मिश्र ने वाणी-वंदना से किया। वरिष्ठ कवि डा रत्नेश्वर सिंह, चित्तरंजन लाल भारती, इरफ़ान अहमद बेलहरबी, आचार्य सचिन बृजनाथ, कुमार अनुपम, विभा रानी श्रीवास्तव, ई अशोक कुमार, इन्दु भूषण सहाय, कमल नयन श्रीवास्तव, डा मदन कुमार चौरसिया, अरविंद कुमार वर्मा आदि कवियों ने अपनी रचनाओं से उत्सव को मधुमय बनाया। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानन्द पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

हिन्दुस्तान जिंक ने पूरे किये 60 साल

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।विश्व की सबसे बड़ी इंटीग्रेटेड जिंक उत्पादक और वैश्विक स्तर पर शीर्ष 10 सिल्वर उत्पादकों में से एक वेदांता ग्रुप की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने अपनी 60वीं वार्षिक आम बैठक में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। संचालन के छह दशक पूरे होने पर हिंदुस्तान जिंक 2.0 विजन को और मजबूत किया, जो भविष्य के लिए तैयार मल्टी-मेटल एंटरप्राइज बनने की दिशा में एक निरंतर बदलाव की प्रक्रिया है। चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों में घरेलू क्षमताओं का विकास भारत की दीर्घकालिक विकास यात्रा का एक प्रमुख आधार होगा। इसी दिशा में हिंदुस्तान जिंक की भूमिका लगातार विकसित हो रही है। हमारा लक्ष्य एक भविष्य तैयार ऊर्जा परिवर्तन कंपनी बनना है जो अनेक धातुओं और महत्वपूर्ण खनिजों में अपनी ताकत बढ़ाते हुए भारत के औद्योगिक विकास को गति दे और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाओं को सशक्त बनाए।

पटना सिटी में डालडा के गोदाम में भीषण आग, 50 लाख से अधिक का सामान जलकर राख

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।पटना सिटी के दीदारगंज थाना क्षेत्र में महुली रोड स्थित डालडा और रिफाइंड तेल के एक गोदाम में आज सुबह भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया, जिससे पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, गोदाम में रखे 50 लाख रुपये से अधिक मूल्य का डालडा, रिफाइंड तेल और अन्य खाद्य तेल का स्टॉक जलकर पूरी तरह राख हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 8 से 9 बजे के बीच गोदाम से धुआं उठता दिखाई दिया। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। ऊंची-ऊंची लपटें और घने काले धुएं के कारण आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। आग की भयावहता को देखते हुए गोदाम में मौजूद गार्ड और कर्मचारी तत्काल बाहर निकल गए। घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की 22 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। 20 से अधिक फायर टेंडरों की मदद से दमकलकर्मी लगातार छह घंटे से अधिक समय तक आग पर काबू पाने की कोशिश करते रहे। हालांकि गोदाम में बड़ी मात्रा में तेल आधारित ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग बार-बार भड़क रही थी, जिससे राहत और बचाव कार्य में काफी कठिनाई आई। मौके पर पटना नगर निगम, बाईपास थाना पुलिस और फायर सर्विस की टीमें भी मौजूद रहीं। जिला प्रशासन ने भी स्थिति पर नजर बनाए रखा। अधिकारियों ने आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित कर लोगों को घटनास्थल से दूर रहने की सलाह दी। प्रशासन के अनुसार, आग लगने के कारणों का अभी स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। शुरुआती जांच में शॉर्ट सर्किट या किसी प्रकार की लापरवाही की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और फॉरेंसिक व तकनीकी टीमों की मदद से आग के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा रहा है। इस हादसे में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। प्रशासन का कहना है कि आग पूरी तरह बुझने के बाद नुकसान का विस्तृत आकलन किया जाएगा और जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

बाल मजदूरी अभियान बिहार का दो दिवसीय राज्य सम्मेलन प्रारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

पटना।बाल मजदूरी विरोधी अभियान का दो दिवसीय राज्य सम्मेलन पटना के ए एन सिंह इंस्टीट्यूट में नवलेश कुमार सिंह एवं प्रमोद कुमार शर्मा के संयोजन में शुरू हुआ।सम्मेलन में बिहार के 22जिलों के 72 साथियों ने भाग लेकर श्रम नहीं शिक्षा 26का समर्थन करते हुए बाल मजदूरी समाप्त करने का संकल्प लिया। सम्मेलन को संबोधित करते हुए बाल मजदूरी अभियान के राष्ट्रीय संयोजक श्री अशोक भाई ने बताया कि भारत सरकार के द्वारा पहले 2026तक बाल मजदूरी को समाप्त करने की घोषणा एस डी जी के माध्यम से किया था,अब यह यह 2030 हो गया है,उन्होंने कहा कि श्रम नहीं शिक्षा तभी हो सकता है जब न्यूनतम मजदूरी नहीं ,सम्मान पूर्वक मजदूरी तय होना चाहिए। सम्मेलन का उद्घाटन बाल श्रम आयोग के अध्यक्ष श्री अशोक कुमार,बाल संरक्षण आयोग के राकेश कुमार,यूनिसेफ के प्रतिनिधि श्री अमर जी ,बाल श्रम आयोग के पूर्व सदस्य तारकेश्वर जी ,लोकतंत्र रक्षा अभियान के अक्षय कुमार,बिहार सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष चंद्र भूषण,राजेंद्र मलिक,सत्येंद्र शांडिल्य,सांत्वना भारती सुप्रिया ,रामचंद्र भाई ,राम विनय भाई के अलावा कई साथियों ने भाग लेकर अपना विचार व्यक्त किया। सम्मेलन में व्यापक स्तर पर बाल मजदूरी का सर्वे,बाल पंचायत,महिला हितैषी पंचायत,बाल मजदूरी को समाप्त करने के लिए ग्राम कचहरी को शामिल करना,बाल मजदूरी विरोधी अभियान के 44दिन का अभियान में 4लाख व्यक्तियों के बीच बाल मजदूरी को समाप्त करने का जानकारी दिया। सम्मेलन में इस बात पर जोर दिया गया कि अगर हम सभी मिलकर गांव के सभी बच्चों को स्कूल और आंगनवाड़ी में नामांकन करा दिया जाय,तो बाल मजदूरी समाप्त हो जाएगा।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य केंद्र में एएनएम प्रशिक्षुओं की इंटर्नशिप शुरू,मरीजों की सेवा के साथ ले रहीं व्यावहारिक प्रशिक्षण

गया जी। वज़ीरगंज प्रखंड स्थित एसकेएम नर्सिंग स्कूल, बैरिया की एएनएम प्रशिक्षु छात्राओं का छह माह का इंटर्नशिप कार्यक्रम 13 जून से वज़ीरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शुरू हो गया है। इंटर्नशिप के दौरान प्रशिक्षु छात्राएं मरीजों की सेवा के साथ-साथ विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं।प्रशिक्षु छात्राओं को अनुभवी नर्सिंग स्टाफ एवं चिकित्सकों के मार्गदर्शन में मरीजों की देखभाल टीकाकरण गर्भवती महिलाओं की जांच प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात देखभाल तथा नवजात शिशुओं की देखभाल का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य छात्राओं को क्षेत्रीय स्तर पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए दक्ष बनाना है। स्वास्थ्य केंद्र में व्यावहारिक अनुभव के माध्यम से उन्हें ग्रामीण स्वास्थ्य व्यवस्था की कार्यप्रणाली से भी अवगत कराया जा रहा है स्वास्थ्य कर्मियों ने जानकारी देते हुए बताया कि छह माह का यह प्रशिक्षण पूरा होने के बाद प्रशिक्षु छात्राएं ग्रामीण क्षेत्रों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी

बहन का अपहरण कर लिए जाने की प्राथमिकी

वैशाली। राजापाकर थाना क्षेत्र के बाकरपुर वार्ड नंबर 11 निवासी विक्की कुमार ने थाने में आवेदन देकर अपनी बहन के अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई है। विक्की कुमार द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया कि मेरी 15 वर्षीय बहन बीते 27 जून को 10:00 बजे दिन में मैट्रिक का अंक पत्र लाने के लिए शिवनंदन गया उच्च विद्यालय भागलपुर गई थी। काफी देर होने के बाद जब वह वापस नहीं आई तो काफी खोजबीन किया लेकिन पता नहीं चल सका। ग्रामीण स्तर पर पता चला कि मेरी मेरे ही गांव के सचिन कुमार पिता श्रवन पासवान, श्रवन पासवान पिता सुरेश पासवान, अनीता देवी पति श्रवण पासवान, आरती कुमारी व चांदनी कुमारी दोनों पिता श्रवण पासवान, सुरेश पासवान पिता स्वर्गीय जोगिंदर पासवान सभी बाकरपुर वार्ड नंबर 11 निवासी मिलकर मेरी बहन का गलत नीयत से अपहरण कर लिया है। जब मैं अपनी बहन को खोजने उनके घर गया तो वहां पर सचिन कुमार घर पर नहीं था। तथा उसके परिजन हम लोगों को वहां से भला बुरा बोलकर भगा दिए। विक्की कुमार ने पुलिस प्रशासन से अपनी नाबालिक बहन की बारामदगी की गुहार लगाई है।

रामगढ़वा में आकाशीय बिजली का कहर

मोतिहारी।रामगढ़वा प्रखंड के अधकपरिया पंचायत स्थित मुर्गियां टोला गांव में सोमवार सुबह प्रकृति का कहर देखने को मिला, जब आकाशीय बिजली गिरने से खेत में काम कर रही तीन महिलाएं बुरी तरह झुलस गईं। घटना उस समय हुई जब गांव की बासमती देवी (पति अशोक महतो), मीरा देवी (पति प्रहलाद महतो) और रंबा देवी (पति वासदेव महतो) अपने गांव के पश्चिम दिशा में स्थित सरेह के खेतों में फसल की सोहनी (निराई) कर रही थीं। ग्रामीण सह समाजसेवी तौहीद आलम उर्फ लड्डू व पूर्व पैक्स अध्यक्ष अंजय यादव के अनुसार, सुबह करीब 9:30 बजे अचानक मौसम ने करवट ली और मूसलाधार बारिश के साथ आसमान में बिजली कड़कने लगी। देखते ही देखते खेत के ऊपर जोरदार तरीके से वज्रपात हुआ, जिसकी चपेट में आकर काम कर रही ये तीनों महिलाएं घटनास्थल पर ही अचेत होकर गिर पड़ीं। घटना के बाद खेत में काम कर रहे अन्य ग्रामीणों ने तुरंत दौड़कर पीड़ितों को संभाला और आनन-फानन में रामगढ़वा पीएचसी लाया गया जहां इलाजरत है । चिकित्सकों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, तीनों घायलों में से दो महिलाओं की स्थिति गंभीर बनी हुई है। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों को सूचित कर दिया गया है।

रामगढ़वा में पल्स पोलियो अभियान,दूसरे दिन 6500 नौनिहालों को पिलाया गया 'सुरक्षा चक्र'

मोतिहारी।प्रखंड में पल्स पोलियो उन्मूलन अभियान पूरी गति और सतर्कता के साथ जारी है। अभियान के दूसरे दिन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने युद्धस्तर पर कार्य करते हुए 6500 बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाकर उन्हें इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित किया है। अभियान की सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रखंड भर में व्यापक इंतजाम किए गए हैं, जिसमें बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, चौक-चौराहों के साथ-साथ सुदूर ग्रामीण इलाकों तक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की पहुंच सुनिश्चित की गई है। इस महत्वाकांक्षी अभियान के तहत रामगढ़वा प्रखंड में कुल 50 हजार बच्चों को पोलियो का डोज पिलाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे प्राप्त करने के लिए आंगनबाड़ी सेविकाओं और स्वास्थ्य कर्मियों की टीम घर-घर जाकर दस्तक दे रही है। इस महत्वपूर्ण जन-स्वास्थ्य कार्यक्रम की मॉनिटरिंग के लिए 23 सुपरवाइजरों को जिम्मेदारी सौंपी गई है, जो क्षेत्र में टीकाकरण की गति और गुणवत्ता की लगातार निगरानी कर रहे हैं। अभियान के दौरान रामगढ़वा पीएचसी के प्रभारी डॉ. नितेश ध्वज सिंह स्वयं पूरे कार्यक्रम की कमान संभाले हुए हैं। उनके साथ डॉ. प्रहस्त कुमार, बीएचएम अवनीश कुमार, बीसीएम आशुतोष कुमार और रितेश कुमार पूरी सक्रियता के साथ फील्ड में डटे हुए हैं। इसके अतिरिक्त, विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के मॉनिटर नुरुल हक, बैजनाथ मिश्रा, पंकज कुमार, अभय झा, गौतम मिश्रा और इस्लाम सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य पदाधिकारी और कर्मी मौजूद रहकर इस अभियान को सफल बनाने में अपना योगदान दे रहे हैं। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की टीम ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलाएं, ताकि पोलियो मुक्त भारत के सपने को साकार किया जा सके।

शराबबंदी के दावों के बीच जहानाबाद में शराबी का उत्पात

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू होने के बावजूद शराब के सेवन और उस से जुड़े विवादों की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। एक शादी समारोह के दौरान शराब के नशे में धुत एक युवक ने जमकर हंगामा किया और बीच बचाव करने पहुंचे युवक पर जानलेवा हमला कर दिया। घटना नगर क्षेत्र के दक्षिणी दौलतपुर मोहल्ले की बतायी जा रही है। जानकारी के अनुसार, दक्षिणी दौलतपुर निवासी संतोष कुमार (35 वर्ष), पिता हरि लाल के बड़े भाई से एक शराबी युवक किसी बात को लेकर उलझ गया। विवाद बढ़ता देख संतोष कुमार बीच-बचाव करने और झगड़ा शांत कराने पहुंचे। इसी दौरान नशे में धुत युवक ने संतोष कुमार के साथ मारपीट शुरू कर दी और उन पर हमला कर दिया। हमले में संतोष कुमार के सिर पर गंभीर चोट लगी, जिससे वह घायल होकर गिर पड़े। घटना के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायल संतोष कुमार को इलाज के लिए सदर अस्पताल लाया गया। सदर अस्पताल में चिकित्सकों की टीम ने घायल का प्राथमिक उपचार किया। चिकित्सक डॉ.वीरेंद्र कुमार साहनी ने बताया कि घायल के सिर में गंभीर चोट आई है। फिलहाल उनकी स्थिति खतरे से बाहर है लेकिन बेहतर उपचार के लिए उन्हें अस्पताल में भर्ती कर निगरानी में रखा गया है। घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस सक्रिय हुई। नगर थानाध्यक्ष उमेश कुमार सदर अस्पताल पहुंचे और घायल संतोष कुमार का बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आरोपी की पहचान और उसकी गिरफ्तारी के प्रयास में जुटी हुई है। यह घटना एक बार फिर बिहार में शराबबंदी की वास्तविक स्थिति पर सवाल खड़े करती है। सरकार जहां शराबबंदी को सफल बताती है, वहीं दूसरी ओर शराब के नशे में हिंसा और मारपीट की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

जनहित के मुद्दो पर कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शन, जयनगर में आक्रोश मार्च के बाद पुतला दहन

नई सोच एक्सप्रेस

» नीट विवाद, महंगाई और बेरोजगारी पर कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

मधुबनी/बिहार।जयनगर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के निर्देशानुसार सोमवार को जयनगर प्रखंड कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में जयनगर स्थित स्टेशन चौक के समीप नीट परीक्षा में कथित अनियमितता, बढ़ती बेरोजगारी और महंगाई के विरोध में आक्रोश मार्च निकालकर प्रदर्शन करते हुए पुतला दहन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व मधुबनी जिला कांग्रेस कमेटी पश्चिम की जिलाध्यक्ष मीना देवी कुशवाहा ने किया। जबकि इसकी अध्यक्षता प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार महतो ने कीया।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने पार्टी के झंडे और विभिन्न मांगों से संबंधित तख्तियां लेकर स्टेशन चौक पर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया गया। पूरे कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा।सभा को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष मीना देवी कुशवाहा ने आरोप लगाया कि नीट परीक्षा में हुई कथितअनियमितताओं से लाखो विद्यार्थियो का भविष्य प्रभावित हुआ है। उन्होने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होने यह भी कहा कि बढ़ती महंगाई के कारण आम लोगों का घरेलू बजट बिगड़ गया है, जबकि बेरोजगारी से युवा वर्ग सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। उन्होंने केंद्र सरकार से छात्रों के हितों की रक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने, महंगाई पर नियंत्रण तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की।प्रखंड कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र कुमार महतो ने कहा कि कांग्रेस हमेशा छात्रों, युवाओं, किसानों और आम जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता देती रही है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार इन जनहित के मुद्दो पर गंभीरता से कार्रवाई नही करती है तो पार्टी आंदोलन को और व्यापक रूप देगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से लोकतांत्रिक तरीके से जनसमस्याओं को उठाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के समापन पर कांग्रेस नेताओं ने केंद्र सरकार के खिलाफ अपना विरोध दर्ज कराते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों पर शीघ्र एवं ठोस कार्रवाई की मांग की। इस अवसर पर नवेंदु झा, सुजीत कुमार यादव, शिव शंकर चौधरी, अजय झा, अयोधी पासवान, मोहम्मद आरिफ, धनुष लाल महतो, प्रदीप पंजियार, संजय कुमार सिंह, सत्यनारायण यादव, संतोष कुमार यादव, कपिल देव शाह, धीरेंद्र कुमार सिंह, मुकेश सिंह कुशवाहा, राजकमल सिंह कुशवाहा समेत महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस और पार्टी के कई पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता कार्यक्रम में शामिल हुए। कांग्रेस नेताओं ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक तरीके से जनता की आवाज उठाना पार्टी की प्रतिबद्धता है और जनहित के सवालों पर संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

मूसलाधार बारिश ने खोली सुगौली नगर पंचायत की पोल, थाना परिसर बना तालाब

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली में लगातार हुई तेज बारिश के कारण जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने से बारिश का पानी सीधे थाना परिसर में भर गया। परिसर में जलजमाव के कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर पानी जमा रहने से आवागमन भी प्रभावित हुआ।नगर पंचायत के मुख्य पार्षद पति भाई अलीहसन ने बताया कि स्थिति से निपटने के लिए मोटर लगाकर थाना परिसर से पानी निकालने का काम किया जा रहा है। उन्होंने स्वीकार किया कि पानी की निकासी के लिए स्थायी व्यवस्था नहीं होने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है।उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नाला निर्माण का टेंडर पहले ही हो चुका है और जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होने की उम्मीद है। उनके अनुसार नाला बनने के बाद बारिश के दौरान जलजमाव की समस्या से स्थायी राहत मिलेगी। फिलहाल, एक बारिश ने ही नगर पंचायत की तैयारियों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि प्रस्तावित नाला निर्माण कब शुरू होता है और सुगौली को जलजमाव की समस्या से कब तक निजात मिलती है।

निर्माणाधीन सदर अस्पताल भवन से गिरकर मजदूर की मौत, डीएम ने गठित की तीन सदस्यीय जांच समिति

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। सदर अस्पताल परिसर में निर्माणाधीन आठ मंजिला भवन में एक बार फिर बड़ा हादसा सामने आया है। भवन निर्माण कार्य में लगे एक मजदूर की ऊंचाई से गिरने के कारण मौत हो गई। घटना के बाद जिला प्रशासन हरकत में आ गया और जिलाधिकारी ने मौके का निरीक्षण कर पूरे मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। जानकारी के अनुसार, समस्तीपुर जिले के निवासी जगन्नाथ कुमार निर्माणाधीन भवन की बाहरी दीवार पर प्लास्टर का कार्य कर रहे थे। रविवार की रात वह भवन की ऊपरी मंजिल से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा के लिए पीएमसीएच पटना रेफर किया गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। गौरतलब है कि इससे पहले 15 जून को भी इसी निर्माणाधीन भवन में कार्यरत दो मजदूर ऊंचाई से गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। लगातार हो रही दुर्घटनाओं के बाद निर्माण स्थल पर सुरक्षा मानकों के पालन को लेकर गंभीर सवाल खड़े होने लगे हैं। बताया जा रहा है कि मजदूरों से ऊंचाई पर बांस-बल्ले के सहारे कार्य कराया जा रहा है, जबकि पर्याप्त सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं होने की शिकायतें भी सामने आती रही हैं। अधिकांश मजदूर दूसरे जिलों से आकर यहां कार्य कर रहे हैं। घटना के बाद सोमवार को जिलाधिकारी छिरिंग वाई भूटिया ने निर्माणाधीन भवन का निरीक्षण किया। इस दौरान अनुमंडल पदाधिकारी, भवन निर्माण विभाग के अभियंता तथा श्रम विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के बाद जिलाधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार घटना कार्य अवधि समाप्त होने के बाद हुई है। मजदूर भवन की ऊपरी मंजिल पर सोने गया था, जहां से गिरने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। डीएम ने बताया कि जांच के लिए अनुमंडल पदाधिकारी, सिविल सर्जन एवं भवन निर्माण विभाग के अभियंता की तीन सदस्यीय समिति गठित की गई है। समिति को 3 जुलाई तक अपनी जांच रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि यदि जांच में किसी भी स्तर पर लापरवाही सामने आती है तो संबंधित लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सरकारी प्रावधानों के तहत मृतक मजदूर के परिजनों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाएगा।

एसपी ने व्यवस्था सुदृढ़ीकरण को लेकर नगर थाने का किया निरीक्षण

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कोटा किरण कुमार ने नगर थाना विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने थाने की कार्यप्रणाली, सुरक्षा व्यवस्था, उपलब्ध संसाधनों तथा पुलिसकर्मियों की सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने थाना परिसर के विभिन्न शाखाओं का अवलोकन किया तथा ड्यूटी पर तैनात पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों से बातचीत कर उनकी समस्याओं, आवश्यकताओं और कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने थाने में उपलब्ध सुरक्षा उपकरणों, संसाधनों एवं अन्य आवश्यक सामग्रियों की भी जांच की और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि यह एक नियमित एवं सतत अभियान है, जिसके तहत जिले के सभी थानों का क्रमवार निरीक्षण किया जायेगा। इसका उद्देश्य थानों में उपलब्ध सुविधाओं का आकलन करना, पुलिसकर्मियों की आवश्यकताओं को समझना तथा आम लोगों को बेहतर पुलिस सेवा उपलब्ध कराना है। पुलिसकर्मियों से यह भी चर्चा की गई कि मामलों का निष्पादन किस प्रकार अधिक प्रभावी एवं संवेदनशील तरीके से किया जाये ताकि पीड़ितों को समय पर न्याय मिल सके। एसपी कोटा किरण कुमार ने कहा कि आने वाले समय में जिले के सभी थानों को और अधिक विकसित एवं संसाधनयुक्त बनाने की दिशा में कार्य किया जायेगा। उन्होंने पुलिस पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि थाने में आने वाले लोगों के आवेदनों को सरलता एवं संवेदनशीलता के साथ स्वीकार किया जाए तथा उनकी समस्याओं के समाधान के लिए तत्परता से कार्रवाई की जाये। पुलिस और आमजन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना उनकी प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान नगर थानाध्यक्ष उमेश कुमार अपने दल बल के साथ उपस्थित रहे। पुलिस अधीक्षक का पुलिस परंपरा के अनुसार सलामी देकर स्वागत किया गया तथा उन्हें थाना परिसर की विभिन्न व्यवस्थाओं से अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक ने भरोसा दिलाया कि जिलेवासियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और पुलिस प्रत्येक नागरिक को न्याय दिलाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करती रहेगी।

सूरज विद्यार्थी बने बीपीएससी टीचर संघ के जिलाध्यक्ष:नालंदा में सर्वसम्मति से हुआ चुनाव, हरनौत से हैं शिक्षक

नई सोच एक्सप्रेस

हरनौत।नालंदा जिले के हरनौत के प्रखंड के बसनियावां पंचायत के निवासी सूरज विद्यार्थी बीपीएससी टीचर संघ के जिलाध्यक्ष चुने गए हैं। जिला अध्यक्ष बनने पर संघ के प्रदेश अध्यक्ष बबीता चौरसिया ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। जिला अध्यक्ष श्री विद्यार्थी ने बताया कि बिहारशरीफ शहर के साठोपुर स्थित एक निजी कोचिंग संस्थान में सोमवार को जिलेभर से आए बीपीएससी विद्यालय अध्यापकों की बैठक हुई। बैठक में बीपीएससी टीचर संघ के प्रदेश अध्यक्ष बबीता चौरसिया वर्चुअल रूप से शामिल हुई। बैठक में अध्यापकों ने पूर्ण वेतनमान व मूलभूत सुविधाएं लागू करने, स्थानांतरण, पुरानी पेंशन, आवास भत्ता, महंगाई भत्ता व शहरी परिवहन भत्ता को अपडेट करने सहित अन्य समस्याओं के समाधान का मसला उठाया गया। बीपीएससी अध्यापकों को एकजुट कर मजबूत व सशक्त संघ गठित करने का निर्णय लिया। सर्वसम्मति से बीपीएससी अध्यापक संघ जिला इकाई, नालंदा का गठन हुआ। इसमें नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड के बसनियावां पंचायत के निवासी सुरज विद्यार्थी को जिला अध्यक्ष पद के लिए निर्विरोध चुने गए। सुरज विद्यार्थी वर्तमान में एकंगरसराय प्रखंड के +2 हाई स्कूल तेल्हाडा में शिक्षक है।जबकि प्रवीण कुमार प्रधान सचिव,रौशन कुमार कोषाध्यक्ष,अभय कुमार कार्यालय सचिव,राज आर्यन जिला प्रवक्ता, प्रवीण कुमार मीडिया प्रभारी एवं अमृता प्रीतम महिला मोर्चा की अध्यक्ष पद पर चुने गए। रविकांत कुमार, विकास कुमारव प्रीतम कुमार सचिव, नवीन कुमार,गिरजानंद प्रसाद व शिव शंकर कुमार उपाध्यक्ष चुने गए। बैठक के दौरान नवनिर्वाचित जिला अध्यक्ष सुरज विद्यार्थी ने कहा कि जिले के प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय में नियुक्त बीपीएससी विद्यालय अध्यापक विभिन्न समस्याओं से जूझ रहे हैं। बिहार लोक सेवा आयोग जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से नियुक्त होने के बाद भी विद्यालय व विभाग में बीपीएससी विद्यालय अध्यापकों के साथ भेदभाव हो रहा है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का भार हमारे ही कंधों पर हैं, फिर भी हमारी विभिन्न समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। इन समस्याओं के लिए हमारी एकजुटता जरूरी है। बैठक को अन्य अध्यापकों ने भी संबोधित किया।

पुस्तक विमोचन कार्यक्रम

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली। प्रखंड के मीरपुर पताढ पंचायत स्थित गायत्री प्रज्ञा पीठ डुमरी,रानीपोखर के परिसर में पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जिसका उद्घाटन दीप जलाकर प्रोफेसर रामप्रवेश सिंह, भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत प्रमोद कुमार शर्मा ,प्रोफेसर रणबीर कुमार राजन, प्रोफेसर सुधांशु रंजन, प्रभा कुमारी ने संयुक्त रूप से किया। मौके पर दो पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। जिसमें एक बज्जिका संस्कार गीत और दूसरा है बज्जिका देवी भक्ति लोकगीत। इस पुस्तक की लेखिका प्रभा कुमारी है। जो भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्ति प्रमोद कुमार शर्मा की पत्नी हैं।इस पुस्तक में सबसे खास बात यह है कि इसकी शुभारंभ जन्म संस्कार से की गई है सोहर जैसे गीत को भी इस पुस्तक में है जो बहुत ही मनमोहक है।लेखिका प्रभा कुमारी ने उपस्थित लोगों के आग्रह पर बज्जिका देवी गीत को भी गाकर सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया इस तरह के इस पुस्तक में सैकड़ो ऐसे गीत है जो हर देवी देवता के एवं गांव ग्राम की लोक लुभावन गीत बाजिका में गाई गई है. वक्ताओं ने कहा कि इस लोकगीत को बज्जिका मे दर्शाकर एक अच्छे संस्कारों को दर्शाया गया है मौके पर अवधेश पांडे, मणि भूषण प्रसाद सिंह अकेला, ज्वाला प्रसाद, पूनम देवी, मुन्नी कुमारी ,रानी कुमारी, रश्मि कुमारी ,मृणाल कुमार, जगदीश शर्मा ,शत्रुघ्न प्रसाद सिंह, अशोक कुमार मुन्ना, प्रशांत कुमार सहित दर्जनो महिला पुरुष कार्यक्रम में शामिल हुए।

गोविंदपुर महादलित टोला में नल-जल योजना हुआ फेल, पानी पीने के लिए बूंद-बूंद को तरस रहे हैं लोग

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।वजीरगंज प्रखंड की घुरियावां ग्राम पंचायत स्थित गोविंदपुर महादलित टोला में भीषण पेयजल संकट से ग्रामीणों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सरकार की महत्वाकांक्षी नल जल योजना यहां पूरी तरह ठप पड़ी है जिससे करीब 100 मुसहर परिवारों को बूंद बूंद पानी के लिए जूझना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि टोले में पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण महिलाओं बच्चों और बुजुर्गों को दूर दराज के जलस्रोतों से पानी ढोना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में पानी की तलाश में घंटों भटकने से लोगों की दिनचर्या और मजदूरी पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है।ग्रामीणों का आरोप है कि समस्या की जानकारी कई बार मुखिया, वार्ड सदस्य तथा प्रखंड के संबंधित अधिकारियों को दी गई लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं किया गया है। उनका कहना है कि पीएचईडी की लापरवाही के कारण नल-जल योजना लंबे समय से बंद पड़ी है और खराब मोटर की मरम्मत तक नहीं कराई गई।ग्रामीणों ने प्रशासन से नल-जल योजना को अविलंब चालू कराने स्थायी पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा लापरवाह अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन का रास्ता अपनाया जाएगा। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी प्रभाकर सिंह से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि फिलहाल प्रभावित टोले में पेयजल की वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है। साथ ही खराब पड़े नल जल योजना के मोटर की मरम्मत कर जल्द चालू कराने के लिए पीएचईडी विभाग को तत्काल निर्देश दिया गया है।

फुलवरिया ने रोमांचक मुकाबले में नवका टोला को हराया

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।सुगौली प्रखंड के फुलवरिया स्थित आदर्श उच्च विद्यालय परिसर में आयोजित टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के तीसरे दिन फुलवरिया और नवका टोला के बीच रोमांचक मुकाबला खेला गया। मैच में फुलवरिया की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए नवका टोला को एक विकेट से पराजित कर जीत दर्ज की।टॉस जीतकर फुलवरिया की टीम ने पहले क्षेत्ररक्षण करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नवका टोला की टीम ने निर्धारित ओवरों में आठ विकेट के नुकसान पर 134 रन बनाए और फुलवरिया के सामने 135 रनों का लक्ष्य रखा।लक्ष्य का पीछा करने उतरी फुलवरिया की टीम ने संघर्षपूर्ण बल्लेबाजी का प्रदर्शन करते हुए नौ विकेट खोकर निर्धारित लक्ष्य हासिल कर लिया और एक विकेट से रोमांचक जीत अपने नाम की। मैच के दौरान दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया, जिससे दर्शकों का भरपूर मनोरंजन हुआ।टूर्नामेंट के आयोजकों ने बताया कि प्रतियोगिता के आगामी मुकाबले भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार खेले जाएंगे। मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी एवं स्थानीय ग्रामीण मौजूद रहे। मौके पर बीकू कुमार, विशाल कुमार, सुजल कुमार, मुन्ना कुमार आदि लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

विकास और जनकल्याण के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ा रही है एनडीए सरकार : सुनील कुमार

पटना। सोमवार को जनता दल यू प्रदेश कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्रामीण कार्य मंत्री सुनील कुमार ने प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए फरियादियों की समस्याओं को गंभीरतापूर्वक सुना तथा उनके विधिसम्मत एवं त्वरित निष्पादन के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर मीडिया से बातचीत करते हुए मंत्री सुनील कुमार ने कहा कि जनसुनवाई कार्यक्रम में विभिन्न प्रकार की समस्याओं को लेकर लोग पहुंचते हैं। प्रत्येक शिकायत पर गंभीरता से विचार करते हुए उसके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है। उन्होंने बताया कि जनता दल यू प्रदेश कार्यालय में आयोजित यह जनसुनवाई कार्यक्रम नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में संचालित एक लोककल्याणकारी पहल है, जिससे आम लोगों को उनकी समस्याओं के समाधान की दिशा में त्वरित कार्रवाई का लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार विकास और जनकल्याण के कार्यों को पूरी प्रतिबद्धता के साथ तेजी से आगे बढ़ा रही है। सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग और प्रदेश के हर क्षेत्र तक पहुँच रहा है।

देव स्नान पूर्णिमा पर भगवान जगन्नाथ का 108 घड़े जल से हुआ अभिषेक

पटना। सोमवार को देव स्नान पूर्णिमा मनाई गयी। इस अवसर पर पटना इस्कॉन मंदिर में भगवान जगन्नाथ, भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा को गंगा जल के 108 घड़ों से महास्नान कराया गया। इस दौरान भगवान का पंचगव्य- दूध, शहद, इत्र, घी और गंगाजल से महाभिषेक हुआ और महाआरती भी की गयी। साथ ही भगवान जगन्नाथ की कथा के बाद प्रसाद वितरण किया गया। सनातन संस्कृति और पुरी की परंपरा के अनुसार, इस रथयात्रा महाउत्सव की शुरूआत स्नान पूर्णिमा से होती है। इस स्नान के बाद भगवान बीमार हो जातेहैं। बीमार होने के बाद मंदिर में भगवान जगन्नाथ की स्थापित मूर्ति का पट उनके ठीक होने तक बंद किया जाएगा। इस्कॉन प्रवक्ता नंद गोपाल दास ने बताया कि इस दौरान भगवान जगन्नाथ को उबली हुई सब्जियों का भोग लगाया जाएगा। भगवान के इलाज के लिए वैद्य देखने आएंगे। 14 दिनों के लिए भगवान एकांतवास में चले जाते हैं। इस उपचार और विश्राम के बाद भगवान पूरी तरह स्वस्थ होकर 15 जुलाई को एकांतवास से बाहर आएंगे। उसी दिन भगवान का नेत्रोत्सव और नव-यौवन दर्शन होगा। फिर 16 जुलाई को रथयात्रा निकाली जाएगी। देव स्नान पूर्णिमा यानी कि ज्येष्ठ शुक्ल पूर्णिमा मूल नक्षत्र और शुक्ल योग के सुयोग में मनायी जाएगी। पौराणिक मान्यता है कि इसी दिन से वैवस्वत मन्वंतर की शुरूआत हुई थी। वैशाख पूर्णिमा से शिव मंदिरों में शिवलिंग के ऊपर लगाये गये गलंतिका को ज्येष्ठ पूर्णिमा के दिन हटा दिया जाएगा। इस दिन लक्ष्मी-नारायण की पूजा, खीर का भोग तथा कर्पूर की आरती होगी। इस दिन चंद्रमा की पूजा करने से कुंडली के चंद्र दोष दूर तथा चंद्रमा की स्थिति मजबूत होती है।

'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' के अवसर पर विश्वविद्यालय गणित विभाग द्वारा ऑनलाइन व्याख्यान आयोजित

» दिल्ली विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र-प्राध्यापक ने 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के महत्व' पर रखा विस्तृत विचार

दरभंगा। ललित नारायण मिथिला विश्वविद्यालय, दरभंगा के स्नातकोत्तर गणित विभाग के द्वारा आज 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस' के अवसर पर विज्ञान संकाय के डीन एवं रसायन विज्ञान के विभागाध्यक्ष प्रो दिलीप कुमार चौधरी के मार्गदर्शन में 'राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस का महत्व' विषय पर एक ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के कमला नेहरु महाविद्यालय में कार्यरत अर्थशास्त्र के सहायक प्रोफेसर (वरीय वेतनमान) श्री अजय कुमार यादव थे। श्री अजय कुमार ने राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस के ऊपर एक विस्तृत वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि यह दिवस प्रसिद्ध भारतीय अर्थशास्त्री प्रोफेसर पी. सी. महालनोबिस के जन्म दिवस के दिन मनाया जाता है. उन्होंने महालनोबिस के विशिष्ट योगदानों की भी विशेष रूप से चर्चा किया। उन्होंने बताया कि जिस सूत्र का प्रयोग प्रोफेसर महालनोबिस ने दिया था, आज उसका प्रयोग ए. आई. में भी हो रहा है। श्री कुमार ने शासकीय सांख्यिकी की भी संक्षिप्त जानकारी देते हुए उसके प्रयोग के बारे में विस्तार से चर्चा किया। गणित के विभागाध्यक्ष एवं सह प्रोफेसर डॉ एस. एन. रॉय ने प्रमुख प्रवक्ताओं एवं सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा धन्यवाद ज्ञापन विभाग के सह प्रोफेसर एवं पूर्व अध्यक्ष डॉ अयाज़ अहमद ने किया। ऑनलाइन लेक्चर के दौरान डॉ नेहा वर्मा, डॉ विपुल स्नेही, डॉ अभिमन्यु कुमार, डॉ कामेश्वर पासवान आदि प्रमुख व्यक्ति श्रोता के रूप में उपस्थित थे। इस ऑनलाइन लेक्चर का सञ्चालन गणित विभाग के सहायक प्रोफेसर (वरीय वेतनमान) एवं प्रोग्राम के संयोजक डॉ धर्मेन्द्र कुमार यादव ने किया।

टीम इंडिया ने ग्लोबल स्किल्स चैलेंज ऑस्ट्रेलिया 2026 में 3 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज़ मेडल जीतकर, वर्ल्डस्किल्स शंघाई की तैयारियों को दी नई मजबूती

पटना। टीम इंडिया ने ग्लोबल स्किल्स चैलेंज (जीएससी) ऑस्ट्रेलिया 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 5 मेडल जीते जिसमें 3 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल शामिल है। यह जीत इस साल के आखिर में शंघाई में होने वाली 48वीं वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता की ओर भारत के सफ़र में एक और अहम पड़ाव है। 23 से 29 जून 2026 तक चली इस अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में ऑस्ट्रेलिया, ऑस्ट्रिया, चीन, संयुक्त राज्य अमेरिका, जापान, फ्रांस, कोरिया और भारत जैसे 16 वर्ल्डस्किल्स सदस्य देशों के लगभग 600 प्रतिभागी, एक्सपर्ट, ट्रांसलेटर और अधिकारी शामिल हुए। भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) और शिक्षा राज्य मंत्री, श्री जयन्त चौधरी ने कहा, "ग्लोबल स्किल्स चैलेंज 2026 में टीम इंडिया का 3 गोल्ड, 1 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज़ मेडल जीतना देश के लिए गर्व का पल है। यह हमारे स्किल चैंपियंस, एक्सपर्ट्स, मेंटर्स और इंडस्ट्री पार्टनर्स की प्रतिभा, दृढ़ संकल्प और कड़ी मेहनत का सबूत है। इन शानदार उपलब्धियों के अलावा, इस प्रतियोगिता ने ग्लोबल स्टैंडर्ड्स के बारे में बहुमूल्य अनुभव दिया है और शंघाई में होने वाली वर्ल्डस्किल्स प्रतियोगिता के लिए हमारी तैयारियों को और मजबूत किया है। मैं टीम इंडिया के हर सदस्य को भारत की उत्कृष्टता दिखाने और कुशल युवाओं की नई पीढ़ी को प्रेरित करने के लिए बधाई देता हूँ।" भारत ने 3D डिजिटल गेम आर्ट, एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग, ऑटोमोबाइल टेक्नोलॉजी, ब्यूटी थेरेपी, ब्रिकलेइंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, फ्लोरिस्ट्री, ग्राफिक डिज़ाइन टेक्नोलॉजी, हेयरड्रेसिंग, हेल्थ और सोशल केयर, इंडस्ट्रियल मैकेनिक्स, पेंटिंग और डेकोरेटिंग, रेस्टोरेंट सर्विस, वॉल और फ्लोर टाइलिंग और वेब टेक्नोलॉजीज़ जैसी स्किल कैटेगरी में हिस्सा लिया। 'ग्लोबल स्किल्स चैलेंज 2026 ऑस्ट्रेलिया' जैसी स्किल प्रतियोगिता में जीत युवा भारतीयों के लिए स्किल्स को आकांक्षी बनाने में अहम भूमिका निभाती है। इससे पता चलता है कि ट्रेड, टेक्नोलॉजी, डिज़ाइन और सर्विस-सेक्टर स्किल्स में महारत हासिल करके राष्ट्रीय पहचान, ग्लोबल एक्सपोज़र और भविष्य के लिए तैयार करियर के रास्ते खुल सकते हैं। 'ग्लोबल स्किल्स चैलेंज' में भारत की भागीदारी, 'स्किल इंडिया मिशन' के उस बड़े विज़न का हिस्सा है जिसका मकसद भविष्य के लिए तैयार वर्कफोर्स बनाना और भारतीय युवाओं को दुनिया के सबसे कुशल प्रोफेशनल्स में शामिल करना है। ट्रेनिंग इंफ्रास्ट्रक्चर, एक्सपर्ट मेंटरशिप, इंडस्ट्री पार्टनरशिप और इंटरनेशनल एक्सपोज़र में लगातार निवेश के ज़रिए, देश ग्लोबल स्तर पर अपनी प्रतिस्पर्धा क्षमता को मज़बूत कर रहा है।

माता जानकी की नगरी जनकपुर में मना दाम्पत्य जीवन का रजत उत्सव

नई सोच एक्सप्रेस

» भारत-नेपाल के बेटी-रोटी रिश्ते की आत्मीयता बनी आयोजन की पहचान

मधुबनी/बिहार।पड़ोसी देश नेपाल स्थित माता जानकी की पावन नगरी जनकपुर में दाम्पत्य जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित रजत वैवाहिक वर्षगाठ समारोह प्रेम, विश्वास, पारिवारिक संस्कार और भारत- नेपाल की सांस्कृतिक आत्मीयता का अनुपम उदाहरण बन गया। इस अवसर पर दीपू कुमार एवं उनकी धर्मपत्नी ने अपने वैवाहिक जीवन के 25 स्वर्णिम वर्ष परिवार, रिश्तेदारो, मित्रो एवं शुभचिंतको की गरिमामयी उपस्थिति में हर्षोल्लास के साथ मनाए।समारोह की विशेषता यह रही कि नेपाल में रह रहे परिवार के सदस्यों एवं आत्मीयजनों ने भारत से पहुँचे सभी अतिथियों का पारंपरिक ढंग से आत्मीय स्वागत एवं सम्मान किया। आगंतुको को सम्मान स्वरूप पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र एवं स्मृति-चिह्न भेंट किए गए। पूरे आयोजन में अतिथि सत्कार, पारिवारिक सौहार्द और नेपाली संस्कृति की सादगी एवं आत्मीयता की सुंदर झलक देखने को मिली।भारत और नेपाल के बीच सदियो पुराना 'बेटी-रोटी' का रिश्ता आज भी उसी विश्वास और अपनत्व के साथ कायम है। जनकपुर में आयोजित यह समारोह इसी अटूट संबंध का जीवंत प्रमाण बना। नेपाल में रह रहे परिवार के लोगों ने पूरे मनोयोग से आयोजन की जिम्मेदारी संभालते हुए कार्यक्रम को भव्य, गरिमामय और यादगार स्वरूप प्रदान किया। दोनो देशो के परिजनो और शुभचिंतको की सहभागिता ने समारोह को अंतरराष्ट्रीय पारिवारिक मिलन का स्वरूप दे दिया।धार्मिक एवं सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण जनकपुर में आयोजित इस समारोह ने सभी का मन मोह लिया। माता जानकी की जन्मभूमि मानी जाने वाली इस पुण्यभूमि पर दाम्पत्य जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाना परिवार के लिए भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से अत्यंत विशेष अवसर रहा।समारोह के दौरान परिजनो, मित्रोएवं शुभचिंतको ने दंपति को पुष्पगुच्छ, उपहार और शुभकामना संदेश भेंट कर उनके सुखद, समृद्ध एवं दीर्घायु वैवाहिक जीवन की कामना की। देश और विदेश में रह रहे अनेक आत्मीय जनो ने दूरभाष तथा सोशल मीडिया के माध्यम से भी शुभकामनाए प्रेषित कर अपनी सहभागिता दर्ज कराई।उपस्थित लोगों ने कहा कि वर्तमान समय में दाम्पत्य जीवन के 25 वर्ष प्रेम, विश्वास, धैर्य और आपसी सम्मान के साथ पूर्ण करना समाज के लिए प्रेरणा दायी उदाहरण है। परिवार की मजबूती, संस्कारो की निरंतरता और रिश्तों की गरिमा ही किसी भी सफल दाम्पत्य जीवन की वास्तविक पहचान होती है।पूरे आयोजन के दौरान पारिवारिक एकता, आत्मीयता और सांस्कृतिक समन्वय का वातावरण बना रहा। भारतीय और नेपाली परंपराओं के सुंदर संगम ने समारोह को और अधिक आकर्षक एवं यादगार बना दिया। उपस्थित सभी अतिथियों ने इस आयोजन को प्रेम, सम्मान और पारिवारिक मूल्यों का जीवंत उत्सव बताते हुए इसकी सराहना की।समारोह के समापन पर सभी ने माता जानकी एवं प्रभु श्रीराम से दंपति के सुखमय, स्वस्थ, समृद्ध एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। साथ ही यह भी विश्वास व्यक्त किया कि भारत और नेपाल के बीच सदियो से चला आ रहा बेटी-रोटी का यह आत्मीय रिश्ता भविष्य में भी इसी प्रकार और अधिक सशक्त होता रहेगा। रजत वैवाहिक वर्षगाठ का यह आयोजन केवल एक पारिवारिक उत्सव नहीं, बल्कि रिश्तो की गरिमा, भारतीय संस्कृति, पारिवारिक मूल्यो और भारत-नेपाल की आत्मीय मित्रता का जीवंत संदेश बनकर लंबे समय तक लोगो की स्मृतियो में अंकित रहेगा।

जहानाबाद पुलिस का अभियान जारी, 11 गिरफ्तार, 24 वारंटियों का रिकॉल

नई सोच एक्सप्रेस

जहानाबाद (हसनैन दीवाना)। पुलिस अधीक्षक कोटा किरण कुमार के नेतृत्व में पुलिस द्वारा अपराध एवं अवैध गतिविधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत सोमवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कुल 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में शराब तस्करी, शराब सेवन, चोरी तथा वारंटी मामलों से जुड़े अभियुक्त शामिल हैं। पुलिस द्वारा जारी गिरफ्तारी सूची के अनुसार नगर थाना क्षेत्र से चोरी के मामले में सेसपुर बेलदारी निवासी सूरज कुमार को गिरफ्तार किया गया। वहीं काको थाना क्षेत्र में अवैध शराब के कारोबार के खिलाफ चलाए गए अभियान में महेंद्र मांझी एवं सर्वजीत मांझी को गिरफ्तार किया गया, जिन पर शराब के निर्माण एवं बिक्री में संलिप्त रहने का आरोप है। पाली थाना क्षेत्र से ललिता देवी को भी अवैध शराब निर्माण एवं बिक्री के मामले में गिरफ्तार किया गया है। इसके अलावा शराबबंदी कानून के उल्लंघन के आरोप में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मखदुमपुर थाना क्षेत्र से मो.शमीम अंसारी, काको थाना क्षेत्र से संजीत कुमार एवं नंदन कुमार, परस बिगहा थाना क्षेत्र से त्रिवेणी यादव और चंदन कुमार तथा कड़ौना थाना क्षेत्र से दीपक मांझी को शराब सेवन के आरोप में हिरासत में लिया गया। वहीं भेलावर थाना क्षेत्र से डोमन यादव को एनबीडब्ल्यू (गैर जमानती वारंट) के मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिले में अपराध नियंत्रण, शराबबंदी कानून के प्रभावी क्रियान्वयन तथा फरार अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक कोटा किरण कुमार ने सभी थाना प्रभारियों को नियमित रूप से विशेष अभियान चलाने एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिया है। पुलिस की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार जिले में कुल 24 वारंटियों का रिकॉल किया गया है, जबकि दो अभियुक्तों को अनुसंधानकर्ता द्वारा बीएनएसएस की धारा 35(3) के तहत बंधपत्र पर मुक्त किया गया है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जिले में अपराध, अवैध शराब के कारोबार तथा असामाजिक गतिविधियों के विरुद्ध अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा और कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

भीषण गर्मी में पेयजल संकट से राहत की मांग, मंत्री ने सर्वे कर समाधान का दिया भरोसा

नई सोच एक्सप्रेस

मोतिहारी।महाराणा प्रताप जयंती पखवाड़ा समारोह में भाग लेने पहुंचे लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण (पीएचईडी) मंत्री संजय सिंह का मोतिहारी सर्किट हाउस में राष्ट्रीय वैश्य महासभा के प्रदेश महासचिव सह प्रवक्ता संजय जायसवाल के नेतृत्व में अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महासभा के पदाधिकारियों ने मंत्री का स्वागत करते हुए क्षेत्र की जनसमस्याओं से भी अवगत कराया।सम्मान समारोह के दौरान संजय जायसवाल ने पूर्वी चंपारण जिले में भीषण गर्मी के कारण लगातार गिरते भूजल स्तर और उत्पन्न पेयजल संकट का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। संजय जायसवाल ने हमारे सहयोगी इं आरके जायसवाल से बात करते हुए बताया कि गर्मी के दिनों में जलस्तर काफी नीचे चले जाने से गरीब बस्तियों एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को पेयजल के लिए गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। इसलिए मंत्री से मांग की कि विभागीय स्तर पर गरीब बस्तियों में 220 फीट गहराई तक बोरिंग कर चापाकलों की स्थापना कराई जाए, ताकि लोगों को वर्षभर स्वच्छ एवं पर्याप्त पेयजल उपलब्ध हो सके। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण मंत्री संजय सिंह ने प्रतिनिधिमंडल की मांग को गंभीरता से सुनते हुए आश्वासन दिया कि विभाग द्वारा संबंधित क्षेत्रों का सर्वे कराया जाएगा। जहां आवश्यकता एवं तकनीकी दृष्टि से संभावना होगी, वहां विभागीय प्रक्रिया के तहत 220 फीट गहराई तक बोरिंग कराकर पेयजल समस्या के समाधान का प्रभावी प्रयास किया जाएगा। इस अवसर पर सुगौली विधायक राजेश कुमार उर्फ बबलू गुप्ता, उमाशंकर जायसवाल, दीपक सर्राफ, सुमित गुप्ता, राजन जायसवाल, सूरज सर्राफ, उद्देश्य गुप्ता, पूर्व वार्ड पार्षद प्रतिनिधि हरीश कुमार गुप्ता सहित राष्ट्रीय वैश्य महासभा के अनेक पदाधिकारी एवं स्थानीय गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। समारोह का वातावरण गर्मजोशी, सौहार्द एवं जनहित के मुद्दों पर सार्थक संवाद से परिपूर्ण रहा।

किलकारी में अभिभावक संवाद, समर कैंप की समीक्षा व नए नामांकन पर मंथन

नई सोच एक्सप्रेस

गया जी।किलकारी बिहार बाल भवन, गया में सोमवार को अभिभावक बैठक-संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समर कैंप 2026 की गतिविधियों की समीक्षा के साथ आगामी सत्र के लिए नए नामांकन की प्रक्रिया पर विस्तृत चर्चा किया गया। बड़ी संख्या में शामिल अभिभावकों ने अपने सुझाव साझा किए और किलकारी की गतिविधियों की सराहना की बैठक की शुरुआत अभिभावकों को तिलक चंदन के साथ स्वागत हुआ। उसके बाद किलकारी द्वारा निर्मित तीन लघु फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। वही सहायक कार्यक्रम पदाधिकारी आकाश कुमार ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन (पीपीटी) के माध्यम से संस्थान में संचालित शैक्षणिक सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों नामांकन प्रक्रिया संस्थान के नियमों तथा बच्चों के समग्र विकास में किलकारी की भूमिका की जानकारी दी। आकाश कुमार ने किलकारी के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बिहार बाल भवन शिक्षा विभाग बिहार सरकार की ये प्रमुख संस्था है जहां बच्चों को विभिन्न विधाओं में पूरी तरह निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। उन्होंने नामांकन प्रक्रिया की जानकारी देते बताया कि नामांकन के लिए दो रंगीन फोटो जन्म प्रमाण पत्र अथवा आधार कार्ड की छायाप्रति और मात्र 10 रुपये शुल्क देना होता है। इसके बाद पूरे वर्ष बच्चों को विभिन्न गतिविधियों का प्रशिक्षण निःशुल्क उपलब्ध कराया जाता है।अपने संबोधन में आकाश कुमार ने कहा कि प्रत्येक बच्चा विशिष्ट प्रतिभा का धनी होता है। अभिभावकों को बच्चों पर अनावश्यक दबाव बनाने के बजाय उनकी रुचि और क्षमता को पहचानने तथा विकसित करने में सहयोग करना चाहिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के लिए अभिभावकों की भूमिका एक मजबूत सहयोगी और प्रेरणास्रोत की होनी चाहिए ताकि वे आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा को निखार सकें।बैठक के दौरान अभिभावकों ने कई महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए अभिभावकों ने समर कैंप 2026 की समीक्षा करते हुए बच्चों में आए आत्मविश्वास अनुशासन और रचनात्मक अभिव्यक्ति के सकारात्मक बदलावों की सराहना की तथा अधिक से अधिक बच्चों को किलकारी से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया।

उछाल गांव चोरीकांड का पुलिस ने किया खुलासा

नई सोच एक्सप्रेस

» दो गिरफ्तार जेवर नकदी व मोबाइल बरामद

मधुबनी/बिहार।बासोपट्टी थाना क्षेत्र के उछाल गांव में गत 22 जून को दिनदहाड़े घर का ताला तोड़कर हुई चोरी की घटना का मधुबनी पुलिस ने खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वहीं एक विधि-विरुद्ध किशोर को विधिक प्रक्रिया के तहत निरुद्ध किया गया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर चोरी किए गए सोने के जेवर, नकदी, मोबाइल फोन तथा ऑनलाइन ट्रांसफर की गई राशि से संबंधित साक्ष्य भी बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, 22 जून को दोपहर करीब एक बजे से तीन बजे के बीच अज्ञात चोरो ने उछाल गांव निवासी राहुल कुमार सिंह के घर का ताला तोड़कर बक्से में रखे सोने-चांदी के कीमती आभूषण चोरी कर लिए थे। पीड़ित के आवेदन पर बासोपट्टी थाना कांड संख्या-202 /26 दर्ज कर पुलिस ने अनुसंधान शुरू किया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जयनगर के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी साक्ष्यों एवं त्वरित छापेमारी के आधार पर पुलिस ने जयनगर थाना क्षेत्र के वार्ड संख्या-10 निवासी मो. छोटू (पिता- मो. अली हसन) तथा राजेश कुमार (पिता- राजेंद्र ठाकुर) को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही एक विधि-विरुद्ध किशोर को भी निरुद्ध किया गया। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियो की निशानदेही पर लगभग 24 ग्राम सोने का हार, तीन एंड्रॉयड मोबाइल फोन, 80 हजार रुपये नकद तथा फोनपे के माध्यम से ट्रांसफर किए गए 1,13,850 रुपये से संबंधित बरामदगी की गई है।पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियो से पूछताछ के बाद उन्हे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है। मामले में अन्य संभावित संलिप्त लोगों की भूमिका की भी जांच जारी है तथा अग्रेतर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

सदगुरु कबीर दास की जयंती मनाई गई

नई सोच एक्सप्रेस

वैशाली। 629वॉ सदगुरु कबीर प्रकाट्य महोत्सव समारोह का आयोजन राजापाकर कबीर मठ के प्रांगण में सोमवार को किया गया । महंत पूज्य ज्ञान प्रकाश शास्त्री के द्वारा झंडा फहराया गया और फीता काट कर विधिवत कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। वहीं कबीर वाणी और प्रवचन से उपस्थित कबीर अनुयायी मंत्र मुक्त हो गए । तैलचित्र पर माल्यार्पण किया गया । कार्यक्रम में दिनेश्वर राय संत देवप्रसाद सिंह सामाजिक कार्यकर्ता अनिल कुमार उमेश कुमार रविंद्र प्रसाद सिंह शिवाजी राय गायक मंजे लाल सहित हजारों श्रद्धालु उपस्थित हुए । कार्यक्रम आरंभ के बाद बृहत भंडारा का भी आयोजन किया गया । संपूर्ण वातावरण कबीरमय हो चला है।

बिहटा में अनियंत्रित ट्रक के धक्के से तीन युवक बुरी तरह घायल

नई सोच एक्सप्रेस

बिहटा।राजधानी पटना के बिहटा में सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। यहाँ बालू लदे एक अनियंत्रित ट्रक ने दो मोटरसाइकिलों को जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है। यह दुर्घटना बिहटा के आईआईटी अमहारा थाना क्षेत्र स्थित मीठापुर नहर पुल के पास हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बालू लदा ट्रक काफी तेज गति में था और अनियंत्रित होकर मोटरसाइकिलों पर जा चढ़ा। घटना को अंजाम देने के बाद चालक मौके पर ही ट्रक छोड़कर फरार हो गया। हादसे में घायल हुए तीनों युवक उज्जवल कुमार (दोहड़ा, बिहटा), धर्मेंद्र कुमार (दोहड़ा, बिहटा) तथा अभिषेक कुमार (इटवा) की पहचान कर ली गई। सूचना मिलने पर आईआईटी अमहारा थाना की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और तीनों घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल ले गई। चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया है। परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। आईआईटी अमहारा थाना प्रभारी राम सहोदर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को अपने कब्जे में ले लिया है। फरार चालक की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी शुरू कर दी गई है। पुलिस ने कहा है कि मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

हरनौत के पंचशील नगर में 20 दिन से जलजमाव

नई सोच एक्सप्रेस

» संक्रामक बीमारियों का खतरा, अधिकारियों के निरीक्षण के बाद भी अनदेखी

हरनौत।नालंदा जिले के हरनौत नगर पंचायत के वार्ड संख्या 11 स्थित पंचशील नगर मुहल्ले में पिछले 20 दिनों से जलजमाव की गंभीर समस्या बनी हुई है। नाली और पक्की सड़क न होने के कारण यहां संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा बढ़ गया है। मुहल्ले में नाली और पक्की सड़क का अभाव जलजमाव का मुख्य कारण है। इससे लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। घरों के शौचालय, बाथरूम और रसोई से निकलने वाला गंदा पानी सड़कों पर जमा होकर दुर्गंध फैला रहा है। इस गंदगी और दुर्गंध के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे मलेरिया और अन्य संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत द्वारा ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव भी नहीं किया जाता है। मुहल्ले की वीणा देवी सहित अन्य निवासियों ने बताया कि वे कई वर्षों से सड़क और नाली निर्माण की मांग कर रहे हैं, लेकिन नगर पंचायत इस पर ध्यान नहीं दे रही है। उनका कहना है कि बरसात में स्थिति और भी बदतर हो जाती है। जलजमाव के कारण लोग वैकल्पिक रास्तों से आने-जाने को मजबूर हैं, और कई लोग अपने घरों में ही रहने को विवश हैं। सोमवार सुबह हुई मानसून की बारिश से जलस्तर और बढ़ गया है। इसके अलावा, मुहल्ले में स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था न होने से शाम होते ही लोगों को आवागमन में दिक्कत होती है, खासकर बुजुर्गों और बच्चों के गिरने का डर बना रहता है। वार्ड पार्षद प्रतिनिधि संजय शर्मा ने बताया कि एक सप्ताह पूर्व ईओ सहित अन्य अधिकारियों ने स्थल का निरीक्षण किया था। उन्होंने बताया कि वार्ड नंबर 11 और 17 को जोड़ने वाली 600 फीट लंबी और 40-30 फीट चौड़ी सड़क का निर्माण होना है। ईओ सौरभ सुमन ने कहा कि यह समस्या उनके संज्ञान में है और इसका जल्द ही निराकरण किया जाएगा।

हर खबर पर पैनी नजर
नई सोच एक्सप्रेस
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

अब कीमत चुकाने का वक्त

अमेरिका का मकसद एआई तकनीक में अपने करीब किसी को ना पहुंचने देना है। इस तरह वह फ्रंटियर एआई मॉडलों को राष्ट्रीय-सुरक्षा संपत्ति में बदल रहा है, जिन्हें अब तक वाणिज्यिक उत्पाद समझा जाता था। अमेरिका ने एंथ्रोपिक कंपनी के दो सबसे उन्नत एआई मॉडलों फेबल-5 और माइथोस-5 तक विदेशी नागरिकों की पहुंच रोक दी है। यह प्रतिबंध न केवल अमेरिका से बाहर मौजूद यूजर्स पर लागू हुआ है, बल्कि अमेरिका-वासी विदेशी नागरिक भी इन मॉडलों का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे, जिनमें खुद एंथ्रोपिक कंपनी के विदेशी कर्मचारी भी शामिल हैं। इसे अमेरिका सरकार की प्रतिमान बदल देने वाली कार्रवाई समझा गया है। स्पष्टतः इसे सिर्फ सेंसरशिप या साइबर सुरक्षा के जाने-पहचाने नजरिए से देखना उचित नहीं होगा। यहां अमेरिका ने प्रतिबंध सिर्फ अपने शत्रु या प्रतिद्वंद्वी देशों पर नहीं, बल्कि तमाम देशों के नागरिकों पर लगाई है, जिसमें उसके सहयोगी और दोस्त देश भी शामिल हैं। इसे रेखांकित किया जाना चाहिए कि एंथ्रोपिक कंपनी को आदेश देते वक्त डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने कारण वैश्विक एआई सुरक्षा को बढ़ावा देना, जिम्मेदार आविष्कार का समर्थन, या खुलापन वाले तकनीकी माहौल का निर्माण- नहीं बताया। बल्कि दो टूक कहा कि मकसद एआई के क्षेत्र में अमेरिका का वैश्विक प्रभुत्व बनाए रखना है। कहा कि ये कार्रवाई सुनिश्चित करेगी कि अमेरिका एआई आविष्कार में सबसे आगे बना रहे। कहा जा सकता है कि अमेरिकी सरकार की यह असामान्य रूप से ईमानदार भाषा है। यह बताती है कि उसके लिए मुद्दा सबसे नई तकनीक में अमेरिकी ताकत के करीब किसी को ना पहुंचने देना है। इस तरह अमेरिका सरकार ने अग्रणी (फ्रंटियर) एआई मॉडलों को राष्ट्रीय-सुरक्षा संपत्ति में बदलने की शुरुआत कर दी है, जिन्हें अब तक वाणिज्यिक उत्पाद समझा जाता था। भारत सहित दुनिया के बहुत से देशों की कंपनियों और संस्थाओं की समझ थी कि वे फीस चुका कर अमेरिका में विकसित हो रही नई तकनीक का फायदा उठाते रह सकेंगे। मगर अब साफ कर दिया गया है कि किस तकनीक की किस हद तक सेवा वे खरीद सकेंगे, यह अमेरिका सरकार तय करेगी। अब यह भारत जैसे देशों को सोचना है कि उनके सामने क्या विकल्प है और अमेरिकी तकनीक के भरोसे चलना कितना मुफीद है? सच यह है कि तकनीक संप्रभुता पर ध्यान देकर भारत ने अपने हितों से समझौता किया है। अब कीमत चुकाने का वक्त है।

मोहर्रम की आड़ में अराजकता नहीं, कानून का राज जरूरी

आरती कुमारी

मुहर्रम इस्लामी कैलेंडर का पहला महीना है और इसकी 10वीं तारीख 'आशूरा' इमाम हुसैन और उनके साथियों की कर्बला में हुई शहादत की याद में शोक, आत्मसंयम और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का प्रतीक मानी जाती है। इसका मूल संदेश त्याग, सत्य, न्याय और मानवता है। इसलिए यह अवसर किसी भी प्रकार के शक्ति प्रदर्शन, हिंसा, दहशत या सामाजिक तनाव का नहीं, बल्कि श्रद्धा और आत्ममंथन का है।

दुर्भाग्य से देश के कुछ हिस्सों में इस वर्ष भी मुहर्रम के जुलूसों के दौरान हिंसक झड़पों, पथराव, हथियारों के प्रदर्शन और कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली घटनाओं की खबरें सामने आईं। बिहार के समस्तीपुर, सीतामढ़ी, अररिया, मुजफ्फरपुर, कटिहार, शिवहर और दरभंगा सहित कई जिलों में तनावपूर्ण हालात बने। उत्तर प्रदेश के वाराणसी, कानपुर, प्रयागराज, रामपुर, लखीमपुर खीरी और बदायूं में भी विभिन्न कारणों से विवाद और हिंसा की घटनाएं हुईं। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले के बड़नगर में मुहर्रम जुलूस के दौरान क्रेन से एक वाहन को ऊंचाई पर लटकाकर उसमें विस्फोट जैसा प्रदर्शन किया गया, जिसकी पुलिस, एफएसएल और एटीएस द्वारा जांच की जा रही है। यदि जांच में यह पाया जाता है कि इसमें विस्फोटक पदार्थों का अवैध प्रयोग हुआ या सार्वजनिक सुरक्षा को खतरे में डाला गया, तो दोषियों के विरुद्ध कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

हालांकि यह भी उतना ही महत्वपूर्ण तथ्य है कि देशभर में हजारों मुहर्रम जुलूस शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुए। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार राज्य में लगभग 12 हजार जुलूस बिना किसी बड़े उपद्रव के निकाले गए। कुछ स्थानों पर हुई घटनाओं के आधार पर पूरे समुदाय या पूरे आयोजन को कटघरे में खड़ा करना न तो न्यायसंगत होगा और न ही सामाजिक सद्भाव के हित में। कानून का दायरा हमेशा व्यक्तिगत अपराधियों तक सीमित रहना चाहिए, किसी धर्म या समुदाय तक नहीं।

जहां कहीं भी धार्मिक आयोजनों की आड़ लेकर सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया, पुलिस पर हमला किया गया, पथराव हुआ या हथियारों का प्रदर्शन किया गया, वहां यह केवल धार्मिक आस्था का प्रश्न नहीं रह जाता, बल्कि कानून-व्यवस्था की चुनौती बन जाता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार पूर्ण नहीं होता; वह सार्वजनिक शांति, सुरक्षा और दूसरे नागरिकों के अधिकारों के साथ संतुलित रहता है। संविधान सभी धर्मों को समान रूप से अपने रीति-रिवाजों के पालन की स्वतंत्रता देता है, लेकिन यह स्वतंत्रता हिंसा या भय का वातावरण बनाने की अनुमति नहीं देती।

उज्जैन के बड़नगर की घटना विशेष रूप से गंभीर इसलिए है क्योंकि सार्वजनिक स्थान पर ऐसा प्रदर्शन बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकता था। यदि किसी आयोजन में ऐसे खतरनाक स्टंट किए जाते हैं जिनसे लोगों की जान-माल को खतरा हो, तो आयोजकों और जिम्मेदार व्यक्तियों की जवाबदेही तय होना स्वाभाविक है। जांच एजेंसियों को बिना किसी पूर्वाग्रह के तथ्यों के आधार पर निष्कर्ष तक पहुंचना चाहिए और यदि किसी प्रकार की आपराधिक साजिश या अवैध गतिविधि सामने आती है, तो कठोर कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

प्रशासन की भूमिका भी यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लगभग हर वर्ष संवेदनशील क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकें होती हैं, मार्ग निर्धारित किए जाते हैं और अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाती है। इसके बावजूद यदि बार-बार कुछ स्थानों पर तनाव उत्पन्न होता है, तो स्थानीय प्रशासन, खुफिया तंत्र और आयोजकों के बीच बेहतर समन्वय की आवश्यकता है। केवल घटना के बाद कार्रवाई पर्याप्त नहीं है; रोकथाम की व्यवस्था अधिक प्रभावी होनी चाहिए।

धार्मिक संगठनों और समाज के जिम्मेदार लोगों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। अधिकांश मुस्लिम विद्वान और संगठन स्वयं यह मानते हैं कि मुहर्रम का मूल स्वरूप मातम और आत्मानुशासन का है, न कि हथियारों या खतरनाक करतबों का प्रदर्शन। ऐसे में धार्मिक नेतृत्व को आगे आकर स्पष्ट संदेश देना चाहिए कि किसी भी प्रकार की हिंसा, उन्माद या कानून तोड़ने वाली गतिविधि का धर्म से कोई संबंध नहीं है। इसी प्रकार सभी समुदायों के नेताओं को भी संयमित भाषा का प्रयोग करना चाहिए ताकि किसी एक घटना के आधार पर सामाजिक वैमनस्य न बढ़े।

आज आवश्यकता इस बात की है कि धार्मिक आयोजनों को प्रतिस्पर्धा, प्रदर्शन और भीड़ जुटाने का माध्यम बनाने की प्रवृत्ति पर रोक लगे। सोशल मीडिया पर प्रसिद्धि पाने के लिए किए जाने वाले खतरनाक स्टंट, उत्तेजक नारे या हथियारों का प्रदर्शन किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार्य नहीं हो सकते। प्रशासन को ऐसे आयोजनों के लिए स्पष्ट दिशा-निर्देशों का कठोरता से पालन कराना चाहिए और उल्लंघन करने वालों के खिलाफ बिना किसी भेदभाव के कार्रवाई करनी चाहिए।

भारत की विविधता उसकी सबसे बड़ी ताकत है। यहां हर धर्म और समुदाय को अपने पर्व और परंपराएं मनाने का संवैधानिक अधिकार है। लेकिन इस अधिकार के साथ शांति, अनुशासन और सामाजिक उत्तरदायित्व का दायित्व भी जुड़ा हुआ है। कोई भी धार्मिक आयोजन तभी सार्थक है जब वह समाज में सद्भाव, विश्वास और भाईचारे को मजबूत करे, न कि भय, हिंसा और अविश्वास को जन्म दे।

अंततः संदेश स्पष्ट है कानून से ऊपर कोई नहीं। जो भी व्यक्ति, चाहे किसी भी धर्म या समुदाय से हो, धार्मिक आयोजन की आड़ में हिंसा, पथराव, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान, पुलिस पर हमला या लोगों में दहशत फैलाने का प्रयास करेगा, उसके विरुद्ध निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही, पूरे समाज को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि कुछ असामाजिक तत्वों की हरकतों से किसी धर्म या समुदाय की सामूहिक छवि प्रभावित न हो। शांति, कानून का सम्मान और सामाजिक सौहार्द ही किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति है।

संवाद, सहमति और जन-भागीदारी की परंपरा है - "भारतीय लोकतंत्र"

जितेन्द्र कुमार सिन्हा, पटना

भारत का लोकतंत्र केवल शासन चलाने की एक व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह करोड़ों लोगों की आकांक्षाओं, विश्वासों, विचारों और सहभागिता का जीवंत मंच है। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में भारत ने न केवल चुनावी प्रक्रिया की सफलता का उदाहरण प्रस्तुत किया है, बल्कि यह भी सिद्ध किया है कि विविधताओं से भरे समाज में लोकतांत्रिक मूल्यों के सहारे एक सशक्त और समावेशी राष्ट्र का निर्माण किया जा सकता है। भारत में लोकतंत्र की जड़ें केवल संविधान तक सीमित नहीं हैं, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक परंपराओं, सामाजिक जीवन और ऐतिहासिक अनुभवों में भी गहराई से समाहित है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ केवल मतदान करना नहीं है। यह संवाद, सहमति, सहभागिता और जन-भागीदारी की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। इसमें नागरिक केवल शासित नहीं होते, बल्कि शासन की दिशा और स्वरूप निर्धारित करने में सक्रिय भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि भारतीय लोकतंत्र को विश्व के सबसे जीवंत लोकतांत्रिक प्रयोगों में से एक माना जाता है। भारत में लोकतांत्रिक विचार कोई नई अवधारणा नहीं है। प्राचीन भारत में गणराज्यों और जनपदों की परंपरा विद्यमान थी। वैदिक काल में सभाओं और समितियों के माध्यम से सामूहिक निर्णय लेने की व्यवस्था देखने को मिलती है। बौद्ध काल में भी अनेक गणराज्य अस्तित्व में थे, जहाँ जनता की सहभागिता के आधार पर शासन संचालित होता था। स्वतंत्रता संग्राम ने भारतीय लोकतंत्र की नींव को और मजबूत किया। महात्मा गांधी, डॉ. भीमराव अंबेडकर, जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल और अन्य राष्ट्रनिर्माताओं ने ऐसे भारत की कल्पना की, जहाँ प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार और अवसर प्राप्त हों। 26 जनवरी 1950 को संविधान लागू होने के साथ भारत ने स्वयं को एक संप्रभु, समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित किया। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की सबसे बड़ी शक्ति संवाद होती है। संवाद का अर्थ केवल बोलना नहीं, बल्कि एक-दूसरे को सुनना और समझना भी है। भारतीय लोकतंत्र में संसद, विधानसभाएँ, पंचायतें, मीडिया, न्यायपालिका और नागरिक समाज संवाद के विभिन्न मंच हैं। संसद में विभिन्न राजनीतिक दल अपने विचार रखते हैं, सरकार की नीतियों पर चर्चा होती है और जनता के मुद्दों को उठाया जाता है। यही प्रक्रिया लोकतंत्र को जीवंत बनाए रखती है। यदि संवाद समाप्त हो जाए, तो लोकतंत्र केवल औपचारिकता बनकर रह जाएगा। आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और ऑनलाइन मंचों ने भी संवाद की संभावनाओं को व्यापक बनाया है। हालांकि इसके साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है कि संवाद तथ्यपरक, मर्यादित और सकारात्मक हो। असहमति लोकतंत्र का स्वाभाविक हिस्सा है, लेकिन संवाद की मर्यादा बनाए रखना लोकतांत्रिक संस्कृति की पहचान है। लोकतंत्र में हर मुद्दे पर सभी लोगों की राय एक जैसी होना संभव नहीं है। विभिन्न विचारधाराएँ, सामाजिक पृष्ठभूमियाँ और क्षेत्रीय हित स्वाभाविक रूप से अलग-अलग दृष्टिकोण पैदा करते हैं। फिर भी लोकतंत्र का उद्देश्य इन भिन्नताओं के बीच सहमति का रास्ता तलाशना होता है। भारतीय संविधान स्वयं सहमति का एक महान दस्तावेज है। संविधान सभा में विभिन्न विचारों के प्रतिनिधि मौजूद थे, लेकिन उन्होंने व्यापक चर्चा और विचार-विमर्श के बाद ऐसा संविधान तैयार किया जिसे पूरे देश ने स्वीकार किया। सहमति का अर्थ यह नहीं कि सभी लोग हर विषय पर पूरी तरह एकमत हो जाएँ। इसका अर्थ है कि मतभेदों के बावजूद राष्ट्रहित में साझा आधार खोजा जाए। यही लोकतांत्रिक परिपक्वता की पहचान है।

लोकतंत्र तभी सफल माना जाता है जब नागरिक केवल चुनावों के समय ही सक्रिय न हों, बल्कि निरंतर सार्वजनिक जीवन में भागीदारी निभाएँ। भारत में पंचायत राज व्यवस्था, स्थानीय निकाय, स्वयंसेवी संगठन और सामाजिक आंदोलन नागरिक सहभागिता के महत्वपूर्ण माध्यम हैं। 73वें और 74वें संविधान संशोधनों ने स्थानीय स्वशासन को मजबूत बनाया। इससे गाँवों और शहरों के लोगों को विकास योजनाओं और प्रशासनिक निर्णयों में प्रत्यक्ष भागीदारी का अवसर मिला। महिलाओं, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को आरक्षण देकर लोकतंत्र को और अधिक समावेशी बनाया गया। सहभागिता का एक महत्वपूर्ण पक्ष नागरिक कर्तव्यों का पालन भी है। मतदान करना, कानून का सम्मान करना, करों का भुगतान करना, पर्यावरण संरक्षण में योगदान देना और सामाजिक सद्भाव बनाए रखना लोकतांत्रिक जिम्मेदारियों का हिस्सा है। भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता इसकी व्यापक जन-भागीदारी है। दुनिया में शायद ही कोई ऐसा देश हो जहाँ इतनी बड़ी संख्या में लोग चुनाव प्रक्रिया में भाग लेते हों। प्रत्येक चुनाव लोकतंत्र के उत्सव का रूप ले लेता है। भारत के दूर-दराज क्षेत्रों, पहाड़ी इलाकों, रेगिस्तानों और द्वीपों तक मतदान केंद्र पहुँचाए जाते हैं ताकि कोई भी नागरिक अपने मताधिकार से वंचित न रहे। यह व्यवस्था लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। जन-भागीदारी केवल मतदान तक सीमित नहीं है। विभिन्न सरकारी योजनाओं में जनता की सहभागिता, जन-सुनवाई, सामाजिक अंकेक्षण, ग्राम सभाएँ और डिजिटल प्लेटफॉर्म नागरिकों को शासन प्रक्रिया से जोड़ते हैं। इससे शासन अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनता है। लोकतंत्र की शक्ति उसकी विविधता में निहित है। भारत जैसे विशाल देश में भाषा, संस्कृति, धर्म, परंपराएँ और जीवनशैली की असंख्य विविधताएँ मौजूद हैं। ऐसे समाज में मतभेद होना स्वाभाविक है। किसी नीति, कानून या राजनीतिक निर्णय पर अलग-अलग राय हो सकती है। यह लोकतंत्र की कमजोरी नहीं, बल्कि उसकी शक्ति है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब मतभेद मनभेद में बदल जाते हैं और विचारों की असहमति व्यक्तिगत या सामाजिक टकराव का रूप ले लेती है। लोकतांत्रिक संस्कृति हमें सिखाती है कि हम विरोधी विचारों का सम्मान करें। किसी व्यक्ति की राय से असहमत होना अलग बात है, लेकिन उसके अधिकारों और गरिमा का सम्मान करना लोकतंत्र की मूल भावना है। भारत की लोकतांत्रिक सफलता का एक बड़ा कारण यही है कि यहाँ विविध विचारों को अभिव्यक्ति का अवसर मिलता है।

सम्राट समुद्रगुप्त : वैश्य समाज की एकता, स्वाभिमान और राष्ट्रीय चेतना के प्रेरणा-पुरुष

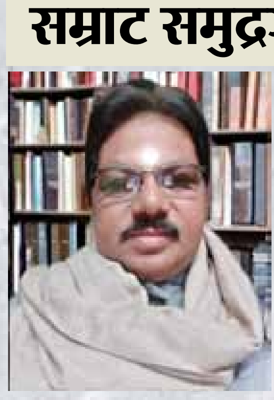

आचार्य अशोक चौधरी प्रियदर्शी

कटिहार, बिहार। भारतीय इतिहास का प्रत्येक स्वर्णिम अध्याय हमें यह संदेश देता है कि कोई भी समाज केवल आर्थिक संपन्नता से महान नहीं बनता, बल्कि उसकी वास्तविक शक्ति उसके संगठन, नेतृत्व, शिक्षा, सांस्कृतिक चेतना और राष्ट्रीय दृष्टि में निहित होती है। इतिहास यह भी बताता है कि जब समाज छोटे-छोटे समूहों में बंट जाता है, तब उसकी सामूहिक क्षमता क्षीण होने लगती है; किंतु जब वही समाज किसी साझा उद्देश्य, साझा विचार और साझा प्रेरणा के साथ आगे बढ़ता है, तब वह राष्ट्र निर्माण में निर्णायक भूमिका निभाता है। आज भारत का वैश्य समाज इसी ऐतिहासिक मोड़ पर खड़ा दिखाई देता है। व्यापार, उद्योग, कृषि, बैंकिंग, सेवा, शिक्षा, चिकित्सा, लघु उद्योग और सामाजिक सेवा जैसे अनेक क्षेत्रों में वैश्य समाज का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। देश की आर्थिक प्रगति में इस समाज की भूमिका निर्विवाद है। इसके बावजूद यह भी एक यथार्थ है कि वैश्य समाज अनेक जातियों, उपजातियों, क्षेत्रीय समूहों और सामाजिक संगठनों में विभाजित है। अग्रवाल, माहेश्वरी, ओसवाल, जायसवाल, कलवार, गुप्ता, साहू, तेली, कसेरा, रौनियार, बर्णवाल, मोदी, बनिया तथा अनेक अन्य वैश्य समुदाय अपनी-अपनी गौरवशाली परंपराओं के साथ समाज का हिस्सा हैं। प्रत्येक समुदाय की अपनी ऐतिहासिक पहचान, सामाजिक परंपरा और धार्मिक आस्था है। यह विविधता भारतीय संस्कृति की विशेषता है, कमजोरी नहीं। भारत की शक्ति ही उसकी विविधता में निहित है। प्रत्येक जाति और उपजाति अपने-अपने कुलदेवता, इष्टदेव और इष्टदेवी की आराधना करती है। कहीं भगवान श्रीकृष्ण की उपासना है, कहीं भगवान बलराम कुलदेवता हैं, कहीं माता लक्ष्मी, कहीं दुर्गा, कहीं शिव, कहीं गणेश, कहीं कुलदेवी की आराधना पीढ़ियों से चली आ रही है। इन आस्थाओं का सम्मान होना चाहिए, क्योंकि धार्मिक विश्वास व्यक्ति और समाज की सांस्कृतिक धरोहर होते हैं। किन्तु इसके साथ ही एक महत्वपूर्ण प्रश्न हमारे सामने खड़ा होता है—क्या अपनी-अपनी धार्मिक परंपराओं को अक्षुण्ण रखते हुए वैश्य समाज एक साझा सामाजिक और ऐतिहासिक पहचान विकसित नहीं कर सकता? क्या विभिन्न जातियाँ और उपजातियाँ अपने-अपने कुलदेवताओं की आराधना करते हुए भी किसी ऐसे महापुरुष को प्रेरणा-पुरुष के रूप में स्वीकार नहीं कर सकतीं, जो संगठन, सुशासन, राष्ट्रीय एकता और सांस्कृतिक गौरव का प्रतीक हो? भारतीय इतिहास में सम्राट समुद्रगुप्त का व्यक्तित्व इसी दृष्टि से अत्यंत प्रेरणादायक है। उपलब्ध ऐतिहासिक स्रोत उन्हें एक महान विजेता, कुशल प्रशासक, उदार शासक, सांस्कृतिक संरक्षक और राष्ट्र की एकता के समर्थक के रूप में प्रस्तुत करते हैं। यद्यपि गुप्त वंश की सामाजिक उत्पत्ति को लेकर इतिहासकारों में मतभेद हैं, इसलिए उन्हें किसी एक वर्ण या जाति का प्रतिनिधि घोषित करना इतिहाससम्मत नहीं होगा; किंतु यह निर्विवाद है कि वे भारत की राजनीतिक एकता, सांस्कृतिक समन्वय और सुशासन के महान प्रतीक हैं। इसलिए उन्हें किसी एक जाति के नहीं, बल्कि प्रेरणा के राष्ट्रीय पुरुष के रूप में देखा जा सकता है। समुद्रगुप्त का शासन उस ऐतिहासिक परंपरा का प्रतिनिधित्व करता है जिसकी राजधानी पाटलिपुत्र थी और जिसका राजनीतिक आधार मगध था। पाटलिपुत्र केवल एक नगर नहीं था; वह प्राचीन भारत की राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक राजधानी था। यहीं से ऐसे शासकों ने भारत को दिशा दी जिन्होंने विविध राज्यों को एक व्यापक राष्ट्रीय दृष्टि से जोड़ने का प्रयास किया। समुद्रगुप्त ने इसी परंपरा को आगे बढ़ाया। उन्होंने विजय को विनाश का माध्यम नहीं, बल्कि संगठन और स्थिरता का साधन बनाया। यही कारण है कि उनका युग भारतीय इतिहास के स्वर्णिम काल की आधारशिला माना जाता है। आज वैश्य समाज के सामने भी मूल चुनौती यही है—संगठन। आर्थिक शक्ति होने के बावजूद यदि समाज छोटे-छोटे समूहों में विभाजित रहेगा, तो उसकी सामाजिक और राजनीतिक प्रभावशीलता सीमित रहेगी। लोकतांत्रिक व्यवस्था में सम्मान केवल जनसंख्या या संपन्नता से नहीं मिलता; वह संगठन, शिक्षा, नेतृत्व और सामूहिक चेतना से प्राप्त होता है। जिस समाज के पास साझा मंच, साझा लक्ष्य और साझा नेतृत्व होता है, वही समाज नीति-निर्माण में प्रभावी भूमिका निभाता है। इसलिए समय की माँग है कि वैश्य समाज अपनी जातीय पहचान को समाप्त किए बिना अपनी सामूहिक पहचान को सुदृढ़ करे। यह किसी जाति के विलय का प्रश्न नहीं, बल्कि सामाजिक समन्वय का विषय है। जिस प्रकार भारत अनेक भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं के बावजूद एक राष्ट्र है, उसी प्रकार वैश्य समाज भी अनेक जातियों और उपजातियों के बावजूद एक व्यापक सांस्कृतिक परिवार बन सकता है। आज आवश्यकता इस बात की नहीं कि कोई समुदाय अपना कुलदेवता या अपनी धार्मिक परंपरा बदले। आवश्यकता इस बात की है कि सभी समुदाय अपनी-अपनी आस्था को बनाए रखते हुए एक साझा सामाजिक प्रेरणा स्वीकार करें। सम्राट समुद्रगुप्त ऐसे ही प्रेरणा-पुरुष हो सकते हैं, जिनका जीवन संगठन, नेतृत्व, दूरदर्शिता, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रहित का संदेश देता है। यदि वैश्य समाज की विभिन्न जातियाँ और उपजातियाँ किसी एक मंच पर एकत्र होकर यह संकल्प लें कि धार्मिक आस्थाएँ अलग-अलग रहेंगी, परंतु सामाजिक उद्देश्य एक होगा; कुलदेवता अलग-अलग होंगे, परंतु समाज का भविष्य साझा होगा; परंपराएँ भिन्न होंगी, परंतु संगठन एक होगा—तो यह केवल सामाजिक कार्यक्रम नहीं रहेगा, बल्कि एक नए वैश्य पुनर्जागरण का प्रारंभ होगा। आज यह भी आवश्यक है कि समाज पिछड़ा वर्ग, अत्यंत पिछड़ा वर्ग अथवा अन्य प्रशासनिक वर्गीकरण को लेकर अनावश्यक विवादों से बचे। संविधान और शासन ने जिन समुदायों को जिस श्रेणी में रखा है, वह प्रशासनिक व्यवस्था का विषय है। सामाजिक एकता का आधार यह नहीं होना चाहिए कि कौन किस वर्ग में है, बल्कि यह होना चाहिए कि सभी मिलकर समाज और राष्ट्र के विकास में क्या योगदान दे सकते हैं। प्रशासनिक वर्गीकरण अपनी जगह रहे, पर सामाजिक समरसता उससे ऊपर उठकर विकसित हो—यही समय की आवश्यकता है। इसी भावना के साथ यदि वैश्य समाज सम्राट समुद्रगुप्त को एक साझा ऐतिहासिक प्रेरणा-पुरुष के रूप में स्वीकार करे, तो यह किसी धार्मिक मत या जातीय वर्चस्व का नहीं, बल्कि संगठन, शिक्षा, सामाजिक चेतना और राष्ट्रीय उत्तरदायित्व का अभियान होगा। यदि इतिहास का गंभीर अध्ययन किया जाए तो स्पष्ट होता है कि किसी भी समाज की उन्नति का मूल आधार केवल उसकी आर्थिक संपन्नता नहीं होता, बल्कि उसका संगठित चरित्र होता है। विश्व के अनेक समाजों ने यह सिद्ध किया है कि जब समुदाय अपने आंतरिक मतभेदों को पीछे छोड़कर साझा उद्देश्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तब वे शिक्षा, व्यापार, उद्योग, राजनीति, प्रशासन और सामाजिक नेतृत्व के प्रत्येक क्षेत्र में प्रभावशाली भूमिका निभाते हैं। इसके विपरीत, जब समाज छोटे-छोटे समूहों में विभाजित होकर केवल अपनी-अपनी सीमाओं तक सिमट जाता है, तब उसकी सामूहिक शक्ति स्वतः कमजोर होने लगती है। आज वैश्य समाज के सामने भी यही चुनौती है। आर्थिक क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने के बावजूद समाज का एक बड़ा भाग अभी भी संगठित राष्ट्रीय नेतृत्व के अभाव का अनुभव करता है। इसका समाधान किसी नई जाति का निर्माण, किसी उपजाति का वर्चस्व अथवा किसी की पहचान को समाप्त करना नहीं है। समाधान है—समन्वय, संवाद और संगठन। समाज को यह स्वीकार करना होगा कि विभिन्न जातियाँ और उपजातियाँ उसकी शक्ति हैं, कमजोरी नहीं। प्रत्येक समुदाय की अपनी गौरवशाली परंपरा, अपने सामाजिक नायक, अपने कुलदेवता और अपनी धार्मिक मान्यताएँ हैं। इन सबका सम्मान करना ही भारतीय संस्कृति का मूल स्वभाव है। इसलिए किसी भी प्रकार का एकीकरण धार्मिक आस्थाओं में परिवर्तन के आधार पर नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना के आधार पर होना चाहिए। कोई भी समाज अपनी आस्था छोड़कर संगठित नहीं होता; वह अपनी आस्था को सुरक्षित रखते हुए साझा भविष्य का निर्माण करता है। इसी संदर्भ में सम्राट समुद्रगुप्त का व्यक्तित्व एक व्यापक प्रेरणा प्रदान करता है। उन्होंने विविध राज्यों, विभिन्न परंपराओं और अनेक सांस्कृतिक क्षेत्रों के बीच राजनीतिक समन्वय स्थापित किया। उनका शासन यह संदेश देता है कि विविधता को समाप्त किए बिना भी एकता स्थापित की जा सकती है। यही सिद्धांत आज वैश्य समाज के लिए भी प्रासंगिक है। समाज की प्रत्येक जाति, प्रत्येक उपजाति और प्रत्येक क्षेत्रीय संगठन अपनी विशिष्ट पहचान बनाए रखे, किंतु सबके बीच एक साझा सांस्कृतिक संवाद और सहयोग का सेतु निर्मित हो। यह भी स्मरणीय है कि प्राचीन पाटलिपुत्र केवल एक राजधानी नहीं था, बल्कि भारतीय एकता, सुशासन और दूरदर्शी नेतृत्व का प्रतीक था। मगध की शक्ति केवल उसकी सेना में नहीं, बल्कि उसकी संगठन क्षमता, आर्थिक समृद्धि, प्रशासनिक दक्षता और सांस्कृतिक समन्वय में निहित थी। इतिहास का यही संदेश आज भी उतना ही प्रासंगिक है—जो समाज संगठित होगा, वही नेतृत्व करेगा; जो बिखरा रहेगा, वह अपनी क्षमता के अनुरूप स्थान प्राप्त नहीं कर सकेगा।

मेष राशि : मेष राशि वालों आज का दिन आपके लिए नयी उमंग से भरा रहने वाला है। आज आपको कार्यस्थल पर किसी सहकर्मी का सहयोग मिलेगा इससे आपको काम करने में आसानी होगी। आज आप शाम किसी बर्थडे पार्टी में जा सकते हैं जहां आपकी मुलाकात किसी रिश्तेदार होगी। इस राशि के छात्र अपनी पढ़ाई को बेहतर बनाने के लिए अपनी डेली रूटीन में कुछ नए बदलाव करेंगे। शुभ अंक - 6

वृष राशिः वृष राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी काम को करने के नए तरीके पर विचार करेंगे, इससे आपका काम आसान हो जायेगा। आज आप अपने मित्रों के साथ कहीं घूमने की प्लानिंग बनायेंगे। आज आपकी रुचि अध्यात्म में रहेगी। कारोबार और परिवार में बैलेंस बना रहेगा। शुभ अंक - 9

मिथुन राशिः मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी विपरीत परिस्थिति में अपने धैर्य को बनायेंगे रखेंगे आपकी स्थितियां जल्द ही सुधरती नजर आएंगी। आपका मिलनसार व्यवहार आपको लोगों का प्रिय बना देगा। विरोधी आपके बारे में अफवाहें फैलाने का काम कर सकते हैं आप उनको नजरंदाज करें और आगे बढ़ें। शुभ अंक - 3

कर्क राशिः कर्क राशि वालों आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज ऑफिस के किसी काम के कारण आपकी अचानक यात्रा हो सकती है। आज आपकी किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी जिससे आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा। आज आपको अपने काम में सहयोगियों का सहयोग मिलेगा, जिससे काम समय से पूरा हो जायेगा। **शुभ अंक - 8**

सिंह राशिः सिंह राशि वालों आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आप कुछ समय मनोरंजन सम्बन्धी गतिविधियों में बिताएंगे। आज आपके द्वारा कुछ सराहनीय काम किये जा सकते हैं। आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी होगी। ऑफिस में आज आपको नया प्रोजेक्ट मिलेगा, जिसे पूरा करने में कलीग की सहायता भी प्राप्त होगी। संतान पक्ष से आपको सुख प्राप्त होगा। शुभ अंक - 2

कन्या राशि : कन्या राशि वालों आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज अपनी भावनाओं के साथ दूसरों के भी भावनाओं का ख्याल रखेंगे। आज परिवार के साथ घर पर मूवी देखने की प्लानिंग करेंगे। सेहत के लिहाज से आज आप खुद को तंदरुस्त महसूस करेंगे। मार्केटिंग से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। किसी मामले को शांति से सुलझाने की कोशिश करें। शुभ अंक - 7

तुला राशिः तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज कुछ महत्वपूर्ण मामलों में फैसला ले सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है। नकारात्मक गतिविधि वाले लोगों से दूर रहें। आज करीबी दोस्त या रिश्तेदार किसी काम में आपका सहयोग करेंगे। आज आप बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते हैं। शुभ अंक - 5

वृश्चिक राशिः वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने कामों में ही व्यस्त रहें और बेवजह की गतिविधियों में रुचि ना लें। परिवार के वरिष्ठ सदस्यों का अनुभव तथा सहयोग आज आपके लिए बहुत अधिक लाभदायक रहेगा। संतान पक्ष से खास खुशखबरी मिलेगी, घर में सभी लोग खुश होंगे। विरोधी पक्ष आपके सामने नतमस्तक होगा। आस पास के लोग आपके लिए मददगार साबित होंगे। शुभ अंक - 1

धनु राशिः धनु राशि वालों आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज कुछ समय अपने पारिवारिक तथा व्यक्तिगत जीवन के लिए निकालना अच्छा रहेगा। प्रोफेशनल कार्य प्रणाली में कुछ बदलाव हो सकता है। मेडिकल स्टोर वालों को आज उम्मीद से ज्यादा धन लाभ होगा। आज आपको लोगों के सामने अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। शुभ अंक - 4

मकर राशिः मकर राशि वालों आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। आज आप कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं जो आपकी आर्थिक स्थिति और घर की व्यवस्था ठीक रखने में सहायक हो सकते हैं। धर्म और सामाजिक कार्यों में आपकी रुचि हो सकती है। नकारात्मक गतिविधि वाले लोगों से दूर रहें। व्यापार को बढ़ाने के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आयेंगे। शुभ अंक - 8

कुंभ राशिः कुंभ राशि वालों आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। इस समय कई नई तरह की गतिविधियों में भी व्यस्तता रहेगी और उचित परिणाम मिलेंगे। पहले किया हुआ काम आज पूरा हो जायेगा, जिसका सकारात्मक परिणाम आपको मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाये रखें और समय के साथ चलें। अपने जज़्बात काबू में रखें फायदा होगा। शुभ अंक - 3

मीन राशि : मीन राशि वालों आज का दिन आपके लिए सामान्य रहने वाला है। व्यवसाय में अपना पूरा ध्यान मार्केटिंग और काम के प्रमोशन में लगाएं। सही रणनीति बनाकर काम करने से सफलता की संभावनाएं बढ़ेंगी। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जायेंगे, कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। किसी काम से आज आपको ठीक-ठाक फायदा होने वाला है, साथ ही अधूरा काम पूरा हो जायेगा। आज किसी काम में लोगों का सहयोग उम्मीद से अधिक मिलने वाला है। शुभ अंक - 7

संक्षिप्त समाचार

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले पर कांग्रेस का भाजपा पर हमला, निष्पक्ष जांच की मांग

रांची।राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा चढ़ाए गए चढ़ावे में कथित चोरी के मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है। प्रदेश कांग्रेस के मीडिया प्रभारी राकेश सिन्हा ने कहा कि यह मामला केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि भाजपा की रामभक्ति की राजनीति पर भी गंभीर सवाल खड़ा करता है। राकेश सिन्हा ने आरोप लगाया कि भाजपा वर्षों से भगवान श्रीराम के नाम पर राजनीति करती रही है, लेकिन जब रामलला के चरणों में चढ़ाए गए चढ़ावे की सुरक्षा की बात आती है, तो उसकी जवाबदेही नजर नहीं आती। उन्होंने कहा कि यदि भगवान के मंदिर का चढ़ावा भी सुरक्षित नहीं है, तो भाजपा को अपनी नैतिकता पर जवाब देना चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा कि राम आस्था का विषय हैं, न कि किसी राजनीतिक दल की जागीर। उन्होंने मांग की कि चढ़ावा चोरी मामले की निष्पक्ष एवं समयबद्ध जांच कर दोषियों को तत्काल गिरफ्तार किया जाए तथा यह स्पष्ट किया जाए कि कहीं आरोपियों को किसी प्रकार का राजनीतिक संरक्षण तो प्राप्त नहीं था। सिन्हा ने कहा कि जो पार्टी स्वयं को रामभक्त बताती है, उसे इस मामले पर जनता के सामने जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस मामले में दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

1000 नियुक्तियों के जश्न पर भाजपा का तंज, 50 हजार रिक्त पदों पर सरकार से जवाब मांगा

रांची। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने मुख्यमंत्री द्वारा 1000 सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए राज्य सरकार पर शिक्षा व्यवस्था की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सरकार शिक्षा को मजबूत करने के बजाय केवल प्रचार और फोटो सेशन की राजनीति कर रही है। प्रतुल शाह देव ने कहा कि राज्य सरकार जिन 1000 नियुक्तियों का उत्सव मना रही है, वह राज्य में रिक्त पड़े लगभग 50 हजार शिक्षक पदों का मात्र 2 प्रतिशत है, जबकि 98 प्रतिशत पद अब भी खाली हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को जश्न मनाने के बजाय यह स्पष्ट करना चाहिए कि लाखों बच्चों के भविष्य के साथ कब तक समझौता किया जाएगा। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि राज्य के हजारों सरकारी विद्यालय आज भी प्रभारी प्रधानाचार्यों के भरोसे संचालित हो रहे हैं, क्योंकि नियमित प्रधानाचार्यों के हजारों पद लंबे समय से रिक्त हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि शिक्षा व्यवस्था अस्थायी व्यवस्थाओं के सहारे चल रही है। उन्होंने यह भी कहा कि उपलब्ध शिक्षकों को भी अक्सर गैर-शैक्षणिक और प्रशासनिक कार्यों में लगाया जाता है, जिससे पढ़ाई प्रभावित होती है। प्रतुल शाह देव के अनुसार, जब शिक्षक चुनावी और अन्य प्रशासनिक कार्यों में व्यस्त रहेंगे तो विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित होना स्वाभाविक है। भाजपा ने राज्य में शिक्षक-छात्र अनुपात पर भी चिंता जताई। प्रतुल शाह देव ने कहा कि जहां राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी विद्यालयों में औसतन 24 विद्यार्थियों पर एक शिक्षक उपलब्ध है, वहीं झारखंड में 36 विद्यार्थियों पर एक शिक्षक है, जो शिक्षा की गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राज्य के प्रत्येक बच्चे के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के अधिकार के लिए संघर्ष करती रहेगी और झारखंड के बच्चों को प्रचार नहीं, बल्कि पर्याप्त शिक्षक, नियमित प्रधानाचार्य तथा मजबूत शिक्षा व्यवस्था की आवश्यकता है।

JMM को अपने वादों का हिसाब जनता को देना चाहिए : अमर बाउरी

रांची। भाजपा प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाउरी ने झामुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य द्वारा केंद्र सरकार के 12 वर्षों के कार्यकाल पर लगाए गए आरोपों का पलटवार करते हुए कहा कि झामुमो, कांग्रेस और राजद जैसी पार्टियों को भ्रष्टाचार और घोटालों पर दूसरों को उपदेश देने से पहले अपने राजनीतिक इतिहास पर नजर डालनी चाहिए। अमर बाउरी ने कहा कि जिन दलों का राजनीतिक इतिहास घोटालों और भ्रष्टाचार के आरोपों से भरा रहा है, उन्हें भाजपा पर टिप्पणी करने से पहले आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भाजपा को किसी "लुटेरी पार्टी" से प्रमाण पत्र लेने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि JMM का असली मतलब "जमकर मुद्रा मोचन पार्टी" है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले 12 वर्षों में विकास और सुशासन के कई स्वर्णिम अध्याय लिखे हैं, जिन्हें जनता ने लगातार तीसरी बार भाजपा को सत्ता सौंपकर स्वीकार किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि झामुमो और उसके सहयोगी दल परिवारवाद और विकास विरोधी राजनीति करते रहे हैं। बाउरी ने कहा कि झामुमो को केंद्र सरकार की चिंता छोड़ पहले अपने चुनावी वादों का जवाब जनता को देना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि हर वर्ष पांच लाख नौकरियां देने का वादा कहां गया और राज्य में लगातार हो रहे पेपर लीक मामलों पर सरकार की चुप्पी क्यों है। उन्होंने कहा कि भाजपा किसी भी गड़बड़ी के सामने आने पर त्वरित कार्रवाई करती है, जबकि झारखंड सरकार गड़बड़ियों पर पर्दा डालने का काम करती रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि झामुमो, कांग्रेस और राजद ने भ्रष्टाचार को शिष्टाचार के रूप में स्वीकार कर लिया है, इसलिए इनके मुंह से भ्रष्टाचार पर उपदेश शोभा नहीं देता।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने किया विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य का निरीक्षण

धनबाद।झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने सोमवार को धनबाद में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य एवं कार्ययोजना की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने कहा कि एक भी पात्र मतदाता का नाम मतदाता सूची से नहीं छूटेगा तथा एक भी अपात्र व्यक्ति का नाम सूची में शामिल नहीं होगा। उन्होंने बताया कि 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ घर-घर जाकर मतदाताओं को आंशिक रूप से भरे हुए इन्यूमरेशन फॉर्म उपलब्ध कराएंगे। मतदाताओं को फॉर्म की एक प्रति भरकर बीएलओ को जमा करनी होगी, जबकि दूसरी प्रति पावती के रूप में अपने पास रखनी होगी। फॉर्म जमा करने वाले मतदाताओं का नाम 5 अगस्त को प्रकाशित होने वाली प्रारूप मतदाता सूची में शामिल किया जाएगा। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि जिन मतदाताओं की पूर्व विशेष गहन पुनरीक्षण से मैपिंग हो चुकी है, उन्हें सामान्यतः कोई अतिरिक्त दस्तावेज देने की आवश्यकता नहीं होगी। जिनकी मैपिंग नहीं हो पाएगी, उन्हें ईआरओ स्तर से नोटिस जारी किया जाएगा। धनबाद भ्रमण के दौरान श्री रवि कुमार ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त आदित्य रंजन के साथ ईवीएम वेयर हाउस का निरीक्षण किया तथा भूली बस्ती स्थित मतदान केंद्र संख्या 38 एवं गुरुनानक मध्य विद्यालय स्थित मतदान केंद्र संख्या 210 में चल रहे पुनरीक्षण कार्यों का जायजा लिया। इस अवसर पर जिले के कई वरीय प्रशासनिक एवं निर्वाचन पदाधिकारी उपस्थित थे।

सिमरिया अनुमंडल में कृषक गोष्ठी सह खेत बचाओ अभियान का बैठक किया गया

सिमरिया।अनुमंडल के सबानों एवं पिरी पंचायत में आत्मा राज्य सहायय अनुदान के तहत कृषक गोष्ठी सह "खेत बचाओ अभियान" जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, आज के इस कार्यक्रम में प्रखंड तकनीकी प्रबंधक राजेश कुमार के द्वारा उपस्थित किसानों को खेती में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अत्यधिक इस्तेमाल को कम करना, प्राकृतिक खेती के महत्व, उन्नत बीज और जल संरक्षण तकनीक की जानकारी दी गई तथा फसल बीमा योजना किसान क्रेडिट कार्ड कम वर्षा की स्थिति में वैकल्पिक खेती के बारे में विस्तार से बताया गया आज के इस कार्यक्रम में संबंधित पंचायत के मुखिया जी श्री नरेश साहू एवं श्री उमेश राम,वार्ड सदस्य ,कृषक मित्र जेएसएलपीएस के महिला सदस्य एग्री क्लीनिक के अश्वनी कुमार सिंह एटीएम सुधीर कुमार बीटीएम राजेश कुमार उपस्थित थे।

1,042 नव चयनित सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र, सीपीडी प्रशिक्षण का शुभारंभ

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।टाना भगत इंडोर स्टेडियम, खेलगांव में सोमवार को आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने 1,042 नव चयनित इंटर एवं स्नातक प्रशिक्षित सहायक आचार्यों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत कक्षा 6 से 12 तक के शिक्षकों के कंटीन्यूअस प्रोफेशनल डेवलपमेंट (सीपीडी) प्रशिक्षण कार्यक्रम का ऑनलाइन शुभारंभ भी किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने नव नियुक्त शिक्षकों को केवल नौकरी नहीं, बल्कि राज्य की भावी पीढ़ी का भविष्य गढ़ने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने कहा कि झारखंड को शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में शिक्षकों की भूमिका सबसे अहम होगी। उन्होंने शिक्षकों से अपने ज्ञान, व्यवहार और कार्यशैली के माध्यम से बच्चों का उज्ज्वल भविष्य सुनिश्चित करने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक सरकार की "आंख, कान और हाथ" बनकर कार्य करें तथा दुर्गम और सुदूर क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने का दायित्व निभाएं। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विद्यालयों में बच्चों के साथ किसी भी प्रकार के दुर्व्यवहार या अमानवीय व्यवहार को सरकार कतई बर्दाश्त नहीं करेगी और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि लाखों अभ्यर्थियों में चयनित ये युवा राज्य की बौद्धिक संपदा हैं। सरकार शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए लगातार नियुक्तियां कर रही है और युवाओं को रोजगार उपलब्ध करा रही है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय योजना के कारण सरकारी स्कूलों में लोगों का भरोसा बढ़ा है। वर्तमान में जहां लगभग 9 से 10 हजार सीटें हैं, वहीं प्रवेश के लिए 40 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विज्ञान विषय के शिक्षकों की नियुक्ति से सरकारी विद्यालयों में विज्ञान शिक्षा को नई मजबूती मिलेगी। समारोह में नव नियुक्त सहायक आचार्यों सीता कुमारी, मनोज कुमार वैद्य और प्रदीप कुमार यादव ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने नियुक्ति प्रक्रिया को पारदर्शी बताते हुए मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया और पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने का संकल्प दोहराया। इस अवसर पर वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर, राज्यसभा सांसद महुआ माजी, मुख्य सचिव अविनाश कुमार, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमा शंकर सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, नव नियुक्त सहायक आचार्य एवं उनके परिजन उपस्थित थे।

» मुख्यमंत्री बोले— शिक्षकों के कंधों पर राज्य की भावी पीढ़ी का भविष्य

झारखंड ग्रामीण मजदूर सभा की बैठक में ग्राम सभा गठन का निर्णय

नई सोच एक्सप्रेस

इटखोरी।प्रखंड के उत्क्रमित मध्य विद्यालय, माथोपुर परिसर में रविवार को झारखंड ग्रामीण मजदूर सभा की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्यारी राणा ने की। बैठक में भाकपा (माले) लिबरेशन के जिला कमेटी सदस्य एवं झारखंड राज्य आंदोलनकारी विजय गिरी मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी बैठक में ग्राम सभा का गठन किया जाएगा, ताकि ग्रामीण अपने हक एवं अधिकारों की लड़ाई संगठित होकर मजबूती से लड़ सकें। वक्ताओं ने ग्रामीणों से एकजुट होकर सामाजिक एवं जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में आशा मसोमात, रीना देवी, कबूतरी मसोमात, छोटनी देवी, समीनार खातून, सुरेश यादव, पवन यादव सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

रांची में 693 छात्र-छात्राओं को मिली निःशुल्क साइकिल

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।अनुसूचित जनजाति, अनुसूचित जाति, अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत सोमवार को टीवीएस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, जगन्नाथपुर (रांची) क्लस्टर प्वाइंट पर 10 विद्यालयों के 693 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिलों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में कल्याण मंत्री चमरा लिंडा ने विद्यार्थियों को साइकिलें प्रदान कीं। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रत्येक छात्र तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विद्यार्थियों को कोटा के प्रतिष्ठित संस्थानों, जैसे मोशन एजुकेशन, से जोड़कर विशेष कोचिंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि वे अपने सपनों को साकार कर सकें। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विद्यालय की दूरी के कारण पढ़ाई में आने वाली कठिनाइयों को दूर करने तथा ड्रॉपआउट दर कम करने में यह योजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। विभाग के अनुसार, निःशुल्क साइकिल वितरण योजना के तहत सरकारी विद्यालयों में कक्षा 8 में अध्ययनरत विद्यार्थियों को साइकिलें दी जा रही हैं। रांची जिले में वर्ष 2026-27 के लिए कुल 16,780 साइकिलों के वितरण की स्वीकृति प्रदान की गई है। कार्यक्रम में समेकित जनजाति विकास अभिकरण, रांची की परियोजना निदेशक मनीषा तिर्की, जिला शिक्षा पदाधिकारी विनय कुमार, प्रखंड कल्याण पर्यवेक्षक एनुल हक, टीवीएस सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस, जगन्नाथपुर की प्राचार्य एवं प्रबंधन टीम सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

» हर छात्र तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : चमरा लिंडा

छात्रों को अविलंब स्थानीय प्रमाणपत्र देने की मांग

नई सोच एक्सप्रेस

रांची।युवा आजसू ने झारखंड संयुक्त प्रवेश प्रतियोगिता परीक्षा बोर्ड (JCECB) की चल रही नामांकन प्रक्रिया को देखते हुए छात्रों को अविलंब स्थानीय प्रमाणपत्र निर्गत करने की मांग की है। इस संबंध में युवा आजसू की रांची महानगर इकाई ने महानगर अध्यक्ष अमित यादव के नेतृत्व में सोमवार को अरगोड़ा अंचलाधिकारी सुदीप्त राज से मुलाकात कर स्थानीय प्रमाणपत्र बनाने में हो रही देरी की शिकायत की। प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि JCECB में आवेदन देने वाले कई छात्रों का स्थानीय दर्जा सत्यापित नहीं होने के कारण उन्हें नामांकन में परेशानी हो रही है। अंचलाधिकारी ने प्रमाणपत्र निर्गत करने की प्रक्रिया में तेजी लाने का आश्वासन दिया। जिप सदस्य हाकिम अंसारी ने बताया कि JCECB द्वारा प्रथम आवेदन प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 2 जुलाई निर्धारित की गई है। ऐसे में स्थानीय प्रमाणपत्र निर्गत करने में हो रही देरी से कई छात्र समय पर नामांकन नहीं करा पा रहे हैं। महानगर अध्यक्ष अमित यादव ने कहा कि राज्य के विभिन्न महाविद्यालयों में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, लेकिन स्थानीय प्रमाणपत्र नहीं बनने के कारण कई छात्र नामांकन से वंचित हो रहे हैं। इससे विद्यार्थियों में निराशा का माहौल है। केंद्रीय मीडिया संयोजक परवाज खान ने अंचल प्रशासन से सभी पात्र छात्रों का स्थानीय सत्यापन प्राथमिकता के आधार पर करने की मांग की, ताकि वे समय पर नामांकन प्रक्रिया पूरी कर सकें। प्रतिनिधिमंडल में केंद्रीय सचिव इम्तियाज अहमद नजमी, प्रताप सिंह, सौरव यादव, नीतिश राज, अमन कुमार समेत अन्य कार्यकर्ता शामिल

प्रमंडलीय आयुक्त ने न्यायालय वादों, राजस्व एवं भू-अर्जन से संबंधित मामलों की समीक्षा कर त्वरित निष्पादन के दिए निर्देश

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।उत्तरी छोटानागपुर प्रमंडल, हजारीबाग के प्रमंडलीय आयुक्त श्री विजय कुमार गुप्ता के सोमवार को चतरा आगमन पर परिसदन परिसर में जिला पुलिस बल द्वारा उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इस अवसर पर जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त श्री रवि आनंद ने पौधा भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इसके उपरांत समाहरणालय सभागार में प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में ऑनलाइन कोर्ट मॉनिटरिंग सिस्टम (OCMS) के माध्यम से न्यायालयों में लंबित एवं निष्पादित वादों, राजस्व मामलों तथा विभिन्न विकास परियोजनाओं से संबंधित भू-अर्जन एवं भू-हस्तांतरण प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपायुक्त श्री रवि आनंद सहित सभी अंचल अधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता (LRDC) अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान प्रमंडलीय आयुक्त ने न्यायालय वादों के निष्पादन की अद्यतन स्थिति की समीक्षा करते हुए सभी लंबित मामलों का समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं विधिसम्मत निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय एवं माननीय उच्च न्यायालय से संबंधित मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए पूरी संवेदनशीलता एवं गंभीरता के साथ कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक में म्यूटेशन, सक्सेशन म्यूटेशन, भूमि सीमांकन (लैंड डिमार्केशन), परिशोधन पोर्टल, कंटेंप्ट केस, सीपी ग्राम सहित विभिन्न राजस्व मामलों की अंचलवार समीक्षा की गई। प्रमंडलीय आयुक्त ने निर्देश दिया कि राजस्व संबंधी मामलों के निष्पादन में अनावश्यक विलंब नहीं होना चाहिए तथा सभी प्रकरणों का नियमित अनुश्रवण करते हुए समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने विभिन्न महत्वपूर्ण परियोजनाओं के लिए लंबित भू-अर्जन, भू-हस्तांतरण एवं लीज बंदोबस्ती से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की। इस दौरान भारतमाला परियोजना, चतरा बाईपास, सिमरिया बाईपास, टोरी–शिवपुर नई बीजी रेल लाइन परियोजना, सोपारम–बरियातू एनएच-99 चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण तथा घंघरी से कौलेश्वरी तक पथ चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण सहित अन्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। प्रमंडलीय आयुक्त ने अंचलवार जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण-पत्रों के लंबित आवेदनों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को समय पर प्रमाण-पत्र उपलब्ध कराना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इस संबंध में प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सभी लंबित आवेदनों का प्राथमिकता के आधार पर त्वरित निष्पादन सुनिश्चित किया जाए। बैठक के दौरान अधिकारियों एवं कर्मियों की ऑनलाइन उपस्थिति की भी समीक्षा की गई। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों को समय पर कार्यालय में उपस्थित होकर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। जनता दरबार एवं अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों की प्रगति की समीक्षा करते हुए प्रमंडलीय आयुक्त ने जनशिकायत कोषांग पोर्टल पर दर्ज लंबित एवं निष्पादित मामलों की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि जनशिकायतों का गंभीरतापूर्वक समयबद्ध निष्पादन किया जाए। साथ ही जनशिकायत कोषांग पोर्टल की प्रभावी कार्यप्रणाली की सराहना करते हुए इसे जनसेवा की दिशा में सराहनीय पहल बताया। बैठक के अंत में प्रमंडलीय आयुक्त ने सभी पदाधिकारियों को मुख्यालय में रहकर उत्तरदायित्वपूर्ण ढंग से कार्य करने, विभागीय समन्वय बढ़ाने तथा जनहित से जुड़े सभी मामलों के त्वरित निष्पादन को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। बैठक में उपायुक्त श्री रवि आनंद, अपर समाहर्ता श्री अरविंद कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी चतरा, अनुमंडल पदाधिकारी सिमरिया, जिला परिवहन पदाधिकारी, सभी अंचल अधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

मॉडल कॉलेज, चतरा में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।विनोबा भावे विश्वविद्यालय हजारीबाग के निर्देशानुसार दिनांक 29.06.2026 को 11:30 बजे पूर्वाहन से मॉडल कॉलेज, चतरा में Awareness Against Drug Abuse विषय पर एकदिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम का प्रमुख उद्देश्य नशीले पदार्थों के दुरूपयोग के विरूद्ध जागरूकता फैलाना एवं युवाओ को नशे की लत से बचाने के साथ स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था। इस कार्यक्रम में 50 से अधिक छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं/छात्र-छात्राओं को तबांकु एवं नशा के कुप्रभावों की जानकारी विस्तार से दी गई। प्राचार्य डॉ० मनीष दयाल ने बताया कि आज के युवा कल के भविष्य होते हैं तथा इन पर घर, समाज एवं राष्ट्र की जिम्मेवारी होती है परंतु आज यही युवा तंबाकु एवं नशे की चपेट में आते जा रहे है जिसे छुड़ाना अति आवश्यक हैं। समाज में नशा एक विकृति का रूप धारण करती जा रही है जो युवाओं को बर्बादी की राह पे ले जा रही हैं इसे रोकना हम सबों का नैतिक / सामाजिक जिम्मेवारी है। इस जागरूकता कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के द्वारा अनुभव भी साक्षा किया गया साथ ही प्रश्नोत्तरी भी किया गया जिसमें छात्र-छात्राओं के समस्या का निवारण किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में छात्र-छात्राओं एवं महाविद्यालय कर्मचारियों शशि मित्तल, अंकज सिन्हा, राकेश कुमार इत्यादि ने अहम भुमिका निभाई।

चतरा पुलिस ने सेलवार गांव में हुई देवचरण यादव ब्लाइंड मर्डर केस का किया खुलासा

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा/हंटरगंज।चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के सेलवार गांव में 28 जून को हुई देवचरण यादव की हत्या की गुत्थी चतरा पुलिस ने महज दो दिनों के भीतर सुलझा ली है। पुलिस ने इस ब्लाइंड मर्डर केस का खुलासा करते हुए मृतक के ही भाई, भाभी, भतीजे और भतीजी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार भूमि विवाद और प्रेम प्रसंग इस हत्याकांड की मुख्य वजह बने। सोमवार को एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने अपने कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में बताया कि 28 जून को सेलवार गांव निवासी देवचरण यादव का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद हुआ था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष जांच टीम का गठन किया। घटनास्थल से मिले साक्ष्यों, तकनीकी अनुसंधान तथा संदिग्धों से पूछताछ के आधार पर पूरे मामले का खुलासा किया गया। जांच में सामने आया कि देवचरण यादव की हत्या गला दबाकर की गई थी। पुलिस ने इस मामले में मृतक के भाई कामदेव यादव, भाभी बिंदु देवी, भतीजे विकास यादव तथा भतीजी प्रियंका देवी को गिरफ्तार किया है। एसडीपीओ ने बताया कि प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया है कि परिवार के बीच लंबे समय से भूमि को लेकर विवाद चल रहा था। इसके साथ ही प्रेम प्रसंग को लेकर भी परिवार में तनाव था। इन्हीं कारणों से साजिश रचकर देवचरण यादव की गला दबाकर हत्या कर दी गई। एसडीपीओ ने बताया कि गिरफ्तार सभी आरोपियों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। मामले में अन्य पहलुओं की भी जांच जारी है, ताकि यदि किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता सामने आती है तो उसके विरुद्ध भी विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान, तकनीकी साक्ष्य और पुलिस टीम की सतर्कता के कारण इस ब्लाइंड मर्डर केस का शीघ्र खुलासा संभव हो सका। उन्होंने कहा कि जिले में गंभीर अपराधों पर त्वरित कार्रवाई जारी रहेगी और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

संक्षिप्त समाचार

शिवपुरी कठौतिया रेल परियोजना में अवैध मिट्टी खनन को लेकर सीबीआई जांच की मांग तेज

चतरा।टंडवा सिमरिया क्षेत्रों में शिवपुरी-कठौतिया रेलवे निर्माण परियोजना में कथित अवैध मिट्टी खनन और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। मामले में जुड़े विभिन्न पक्षों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है, जबकि स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कराने तथा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच की मांग उठाई है। आरोप है कि रेलवे निर्माण कार्य के दौरान बड़े पैमाने पर अवैध मिट्टी खनन किया गया और इससे जुड़े आर्थिक लेन-देन को लेकर संबंधित कंपनियों एवं ठेकेदारों के बीच विवाद सामने आया है। दावा किया जा रहा है कि मामले की निष्पक्ष जांच होने पर कई महत्वपूर्ण तथ्य उजागर हो सकते हैं। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, पहले इस परियोजना में राजा कंस्ट्रक्शन की भूमिका को लेकर विवाद सामने आया था। बाद में उसके विरुद्ध मामला दर्ज होने के बाद कार्य को अन्य कंपनियों के माध्यम से आगे बढ़ाया गया। आरोप है कि इसके बावजूद अवैध खनन की गतिविधियां जारी रहीं, जिसके कारण संबंधित कंपनियों के विरुद्ध पुनः कार्रवाई की नौबत आई। इस बीच चतरा डीएमओ की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। कुछ लोगों का आरोप है कि पुराने मामलों का हवाला देकर वर्तमान आरोपों से ध्यान भटकाने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं, प्रशासनिक अधिकारियों पर भी लंबे समय तक मामले में प्रभावी कार्रवाई नहीं करने के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है और न ही संबंधित कंपनियों अथवा अधिकारियों की ओर से इस संबंध में कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने आई है। मामले को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि केंद्रीय एजेंसियों, विशेषकर ईडी, द्वारा दर्ज मामलों को आधार बनाकर व्यापक जांच की जाती है तो कथित अवैध खनन और वित्तीय अनियमितताओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण पहलू सामने आ सकते हैं। लोगों ने सरकार से पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। अब देखना यह होगा कि प्रशासन और सरकार इस मामले में आगे क्या कदम उठाते हैं तथा जांच एजेंसियां इन आरोपों की कितनी गहराई से पड़ताल करती हैं।

शादी की खुशियां मातम में बदलीं, डीजे वाहन हादसे में दूल्हे के चचेरे भाई की मौत

हंटरगंज (चतरा)। चतरा जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र में एक शादी समारोह की खुशियां उस समय मातम में बदल गईं, जब डीजे वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में दूल्हे के चचेरे भाई की मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना हंटरगंज–प्रतापपुर मुख्य पथ पर पांडेपुरा करानी मोड़ के समीप हुईप्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, डीजे वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक पेड़ से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वाहन पलट गया और मौके पर चीख-पुकार मच गई। आसपास के ग्रामीण और राहगीर तुरंत मौके पर पहुंचे तथा पुलिस को सूचना दी।सूचना मिलते ही पिकेट प्रभारी सुनील दुबे पुलिस बल के साथ घटनास्थल पहुंचे और दोनों घायलों को हंटरगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। वहां चिकित्सकों ने अभिषेक कुमार (20) को मृत घोषित कर दिया, जबकि गंभीर रूप से घायल हेमंत कुमार (18) को प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए गया स्थित मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया।मृतक की पहचान प्रतापपुर थाना क्षेत्र के घोड़दौर गांव निवासी प्रमोद राम के 20 वर्षीय पुत्र अभिषेक कुमार के रूप में हुई है। वहीं घायल युवक की पहचान हंटरगंज थाना क्षेत्र के सोनपुरबीघा गांव निवासी नरेश पासवान के 18 वर्षीय पुत्र हेमंत कुमार के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोनपुरबीघा से डीजे वाहन घोड़दौर गांव में आयोजित शादी समारोह के लिए जा रहा था। इसी दौरान पांडेपुरा करानी मोड़ के समीप वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया।पुलिस के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि डीजे वाहन का चालक वाहन चला रहे दूसरे युवक को ड्राइविंग सौंप दिया था। इसी दौरान वाहन अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गया। पुलिस इस पूरे मामले की जांच कर रही है।बताया जाता है कि मृतक अभिषेक कुमार दूल्हे का चचेरा भाई था। जिस घर से कुछ ही घंटों बाद बारात निकलनी थी, वहां अचानक मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्थानीय लोगों के अनुसार, अभिषेक परिवार का एकमात्र कमाऊ सदस्य था, जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल चतरा भेज दिया है। वहीं डीजे वाहन को पांडेपुरा पिकेट के आई है,दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

जेल में बंद भाजपा मीडिया प्रभारी काली यादव से मिले भाजपा जिलाध्यक्ष, निष्पक्ष जांच व रिहाई की मांग

चतरा।भारतीय जनता पार्टी चतरा जिला अध्यक्ष रामदेव सिंह भोक्ता ने पार्टी के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ चतरा जिला कारागार पहुंचकर भाजपा जिला मीडिया प्रभारी काली यादव से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने उनका कुशलक्षेम जाना। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल ने काली यादव के आवास पहुंचकर उनके परिजनों से भी मुलाकात की और उनका हालचाल जाना। भाजपा जिलाध्यक्ष ने कहा कि काली यादव के खिलाफ दर्ज मामला राजनीतिक दुर्भावना से प्रेरित है और उन्हें झूठे मुकदमे में फंसाकर जेल भेजा गया है। उन्होंने इस कार्रवाई की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से की गई कार्रवाई स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने प्रशासन से निष्पक्ष जांच कर काली यादव को अविलंब रिहा करने की मांग की। साथ ही चेतावनी दी कि यदि शीघ्र न्याय नहीं मिला, तो भारतीय जनता पार्टी जनहित एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए चरणबद्ध एवं उग्र आंदोलन करेगी।

अधूरे आंगनबाड़ी केंद्रों का निर्माण जल्द कराएं अधिकारीः डीसी

खूंटी। समाहरणालय सभागार में सोमवार को डीसी मो जावेद हुसैन ने समाज कल्याण विभाग व जिला बाल संरक्षण इकाई की समीक्षा बैठक की। बैठक में आंगनबाड़ी केंद्रों की आधारभूत संरचना, पोषण योजनाओं के क्रियान्वयन, कल्याणकारी कार्यक्रमों की प्रगति व बाल संरक्षण से जुड़े विभिन्न विषयों की विस्तार से समीक्षा की गई। डीसी ने निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों व सरकारी भवनों में संचालित नहीं हो रहे केंद्रों की स्थिति की समीक्षा करते हुए नए भवनों के निर्माण के लिए भूमि चिहिनत करने की प्रक्रिया तेज करने का निर्देश दिया। उन्होंने रिक्त सेविका पदों पर लंबित चयन प्रक्रिया शीघ्र पूरी कर केंद्रों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने को कहा। पोषण ट्रैकर की समीक्षा के दौरान सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में शत-प्रतिशत एफआरएस लागू करने, गर्भवती महिलाओं व बच्चों का समय पर ई-केवाईसी कराने व लंबित मामलों का जल्द निष्पादन सुनिश्चित करने के निर्देश दिया। बैठक में टेक होम राशन वितरण, वीएचएसएनडी, सीबीई, 03 से 06 वर्ष के बच्चों के अपार आईडी निर्माण व एबीएचए सत्यापित लाभुकों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। डीसी ने एमटीसी केंद्र में गंभीर कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें उपचार से जोड़ने व शत-प्रतिशत बेड ऑक्यूपेंसी सुनिश्चित करने पर बल दिया। साथ ही प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, वन स्टॉप सेंटर व ओल्ड एज होम के प्रभावी संचालन करने का निर्देश दिया। बाल संरक्षण योजनाओं की समीक्षा करते हुए डीसी ने देखरेख व संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों को समय पर सीडब्ल्यूसी के समक्ष प्रस्तुत करने व अधिक से अधिक बच्चों को स्पॉन्सरशिप योजना से जोड़ने का निर्देश दिया।

पोलियो अभियान को सफल बनाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है : सरिता देवी

नई सोच एक्सप्रेस

» जिप सदस्य सरिता देवी ने किया पल्स पोलियो का उद्घाटन

इटखोरी।समुदायिक स्वस्थ्य केन्द्र में तीन दिवसीय पल्स पोलियो अभियान का उद्घाटन मुख्य अतिथि के रूप में जिप सदस्या सरिता देवी तथा चिकित्सा प्रभारी सुमित कुमार जयसवाल टोनाटांड पंचायत के मुखिया बद्री यादव बीपीएम मारूफ खान डॉ संजीव रंजन ने बच्चों को पोलियो की दवा पिलाकर कर किया। इस मौके पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए जिप सदस्य सरिता देवी ने कहा कि पोलियो रोग को पूरे देश से भगाना है तो सभी लोग अपने-अपने पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की दवा दो बूंद अवश्य पिलायें। अभियान को सफल बनाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। इसके लिए समाज के सभी वर्ग के लोग आगे आकर पल्स पोलियो अभियान को सफल बनाने में स्वास्थ्य विभाग को सहयोग करना चाहिए। पोलियो एक ऐसा रोग है, जो मनुष्य को अपंग बना देता है। दो बूंद जिंदगी के लिए जरूरी है आइए हम अब मिलकर इसे सफल बनाए । इस मौके पर चिकित्सा प्रभारी सुमित कुमार जयसवाल ने कहा कि पल्स पोलियो अभियान के तहत सी एच सी इटखोरी के अंतर्गत चार प्रखंड इटखोरी, मयूरहंड, गिद्धौर, पत्थलगड्डा में एकतालिस हजार बच्चों को पोलियो की दवा पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए 162 बूथ बनाया गया है। पल्स पोलियो अभियान में बुथ कर्मी ठीक से कार्य कर कर रहे हैं या नही इस पर नजर रखने के लिए सुपरवाईजर को लगाया गया है। अभियान के प्रथम दिन पोलियो कर्मी अपने-अपने बूथों पर जीरो से पांच वर्ष तक के बच्चों को पोलिया की दवा पिलाया। दूसरे दिन सोमवार को बूथ पर दवा पीने से वंचित रह गये बच्चो को डोर टू डोर जा कर दवा पिलाया जायेगा। दूसरे दिन दवा पीने से वंचित रह गये बच्चों को तीसरे दिन भी डोर टू डोर जाकर दवा पिलाया जायेगा। मौके पर मुखिया बद्री यादव ने कहा कि दो बूंद जिंदगी की जरूरी है ताकि कोई बच्चा बीमारी का शिकार नहीं बने । इस मौके पर एएनएम नीता सुशीला, शिला, समीना, मनीला, रूबी सहिया नेहा,नीतू समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

चतरा में पुलिस की बड़ी कार्रवाई 4 लाख की ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, लग्जरी कार भी जब्त

नई सोच एक्सप्रेस

चतरा।जिले में युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वाले नशा माफियाओं के खिलाफ सदर पुलिस को एक और बड़ी कामयाबी मिली है। गुप्त सूचना के आधार पर भेड़ीफॉर्म स्थित लक्षणपुर डैम रोड पर घेराबंदी कर 21.10 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ दो शातिर तस्करों को रंगे हाथ दबोच लिया। बरामद ड्रग्स की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब चार लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने मौके से तस्करी में इस्तेमाल हो रही एक चमचमाती ब्रेजा कार (JH 02 BZ 8840) और दो एंड्रॉयड मोबाइल फोन भी जब्त किए हैं। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अनिमेष नैथानी को लक्षणपुर डैम के पास नशीले पदार्थों की बड़ी डील होने की पुख्ता जानकारी मिली थी। एसपी के निर्देश पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने जैसे ही मौके पर दबिश दी, वहां हड़कंप मच गया और पुलिस ने घेराबंदी कर इटखोरी थाना क्षेत्र के पितीज गांव निवासी विकास कुमार पिता बेचन दांगी व रवि कुमार पिता इंद्रदेव सिंह को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया गया है। यह कार्रवाई इस बात का बड़ा सबूत है कि इटखोरी का पितीज गांव इन दिनों ब्राउन शुगर तस्करी का मुख्य केंद्र बनता जा रहा है। यहां के तस्कर न सिर्फ चतरा बल्कि आसपास के जिलों और पड़ोसी राज्यों तक अपना जाल फैला चुके हैं। एक तरफ जहां इस काली कमाई से तस्कर रातों-रात मालामाल हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ युवा पीढ़ी नशे के इस दलदल में फंसकर बर्बाद हो रही है।सूत्रों के मुताबिक, पकड़े गए तस्करों के पास से मिले मोबाइल फोन से पुलिस को कई चौंकाने वाले सुराग हाथ लगे हैं। पुलिस अब कॉल डिटेल्स और व्हाट्सएप चैट के जरिए इस पूरे सिंडिकेट के मुख्य सरगना तक पहुंचने का प्रयास कर रही है। उम्मीद जताई जा रही है कि जल्द ही इस रैकेट से जुड़े कई अन्य बड़े चेहरों और सफेदपोशों का भी पर्दाफाश होगा। इस सफल छापामारी टीम में एनडीपीएस थाना प्रभारी शमी अंसारी, पुलिस अवर निरीक्षक कासिम अंसारी, एएसआई प्रवीण कुमार और जवान शामिल थे।

मधुबन में भाकपा माले का 14वां जिला सम्मेलन, सांसद सुदामा प्रसाद बोले- जिले को मिलेगी नई दिशा और दशा

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह । गिरिडीह के मधुबन में भाकपा माले के 14वें जिला सम्मेलन के दूसरे दिन कार्यकर्ताओं का शक्ति प्रदर्शन देखने को मिला। फुटबॉल मैदान से निकली विशाल रैली मधुबन बाजार होते हुए मध्यलोक भवन पहुंची, जहां शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। सम्मेलन में करीब चार हजार कार्यकर्ता, समर्थक और शुभचिंतक शामिल हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए आरा के सांसद सुदामा प्रसाद ने कहा कि गिरिडीह लाल झंडे का मजबूत गढ़ रहा है और इसे और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि गरीब, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समाज को एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करनी होगी। उन्होंने भाजपा पर पूंजीपतियों के हित में काम करने का आरोप भी लगाया।निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने कहा कि लाल झंडे को दबाने के प्रयास लगातार हुए, लेकिन आंदोलन और मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि मासस के भाकपा माले में विलय के बाद संगठन को नई दिशा मिली है और जिले में असंगठित मजदूरों के बीच पार्टी का जनाधार बढ़ रहा है। सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो ने मजदूर, किसान, छात्र और नौजवानों से एकजुट होकर अपने अधिकारों की लड़ाई तेज करने का आह्वान किया। वहीं महिला नेत्री जयंती चौधरी ने महिलाओं के संगठन एप्वा को पूरे झारखंड में और मजबूत करने पर जोर दिया। पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो ने कहा कि किसान, मजदूर और वंचित वर्ग को संगठित होकर संघर्ष तेज करना होगा। पूर्व विधायक राजकुमार यादव ने जिले में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ भाकपा माले की आवाज को मजबूत बताया, जबकि पूर्व विधायक विनोद सिंह ने कहा कि भाजपा की नीतियों के खिलाफ जनता की लड़ाई को और तेज करने की जरूरत है। कार्यक्रम में पोलित ब्यूरो सदस्य जनार्दन प्रसाद, राज्य कमेटी सदस्य मनोज भक्त, इंकलाबी नौजवान सभा के महासचिव नीरज सिंह सहित पार्टी के राज्य, जिला एवं प्रखंड स्तर के अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता अजीत राय ने की, जबकि मंच संचालन अशोक पासवान ने किया। इस अवसर पर परमेश्वर महतो, सीताराम सिंह, पूनम महतो, शेखर सुमन, उस्मान अंसारी, कन्हाई पांडेय, रामू बैठा, राजेश सिन्हा, मुन्ना राणा, सोनू पांडेय, रामलाल मुर्मू, पूरन महतो, पवन महतो, कौशल्या दास, मीना दास, भोला मंडल, नागेश्वर महतो, मुस्तकीम अंसारी, लालमणि यादव, रामेश्वर चौधरी, धानेश्वर पासवान सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बराहमोरिया गांव में 4000 किलोग्राम जावा महुआ एवं 300 लीटर अवैध शराब जब्त

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह । उपायुक्त रामनिवास यादव के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब निर्माण एवं कारोबार के विरुद्ध लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में उत्पाद अधीक्षक शिव कुमार साहू के नेतृत्व में उत्पाद विभाग एवं मुफ्फसिल थाना की संयुक्त टीम द्वारा सोमवार को मुफ्फसिल थाना क्षेत्र अंतर्गत बराहमोरिया गांव में अवैध महुआ चुलाई शराब के विरुद्ध व्यापक छापामारी अभियान चलाया गया। ज्ञात हो कि उक्त क्षेत्र में इससे पूर्व 24 जून 2026 को भी छापामारी की गई थी। उसी अभियान की अनुवर्ती कार्रवाई के तहत पुनः सघन तलाशी अभियान चलाते हुए अवैध शराब कारोबारियों के घरों एवं संदिग्ध स्थलों की जांच की गई। छापामारी के दौरान बड़ी मात्रा में शराब निर्माण के लिए संग्रहित लगभग 4000 किलोग्राम जावा महुआ बरामद किया गया, जिसे मौके पर ही विनष्ट कर दिया गया। वहीं, आपूर्ति (सप्लाई) के लिए तैयार लगभग 300 लीटर अवैध महुआ चुलाई शराब भी बरामद कर जब्त की गई। संयुक्त छापामारी दल के पहुंचने की सूचना मिलते ही अवैध शराब कारोबार से जुड़े लोग मौके से फरार हो गए। फरार आरोपियों के विरुद्ध झारखंड उत्पाद अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत अभियोग दर्ज कर अग्रेतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि गिरिडीह जिले में अवैध शराब निर्माण, भंडारण एवं तस्करी के विरुद्ध यह अभियान लगातार जारी रहेगा। ऐसे असामाजिक तत्वों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करते हुए अवैध शराब के कारोबार को पूर्णतः समाप्त करने के लिए नियमित रूप से छापामारी अभियान संचालित किया जाएगा।इस संयुक्त छापामारी अभियान का नेतृत्व उत्पाद अवर निरीक्षक, महेंद्र देवगम एवं पुलिस अवर निरीक्षक गौतम कुमार ने किया। अभियान में प्रतिनियुक्त पुलिस सहायक अवर निरीक्षक लक्ष्मण महतो, पुलिस सहायक अवर निरीक्षक राधेश्याम झा, पुलिस बल के जवान तथा गृह रक्षक बल के जवान सक्रिय रूप से शामिल रहे।

डिजिटल पहचान से बढ़ाया गिरिडीह का मान, राज्य स्तरीय समारोह में सम्मानित हुए सोशल मीडिया क्रिएटर निशांत गुप्ता

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह । सोशल मीडिया के माध्यम से गिरिडीह और झारखंड की सकारात्मक पहचान को देश-दुनिया तक पहुंचाने वाले युवा कंटेंट क्रिएटर निशांत गुप्ता ने एक और उपलब्धि अपने नाम की है। उन्हें रांची में आयोजित राज्य स्तरीय डिजिटल क्रिएटर्स मीट–2026 के दौरान मतदाता जागरूकता अभियान में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में निशांत गुप्ता को स्वीप (व्यवस्थित मतदाता शिक्षा एवं चुनावी भागीदारी) अभियान के तहत विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 को लेकर डिजिटल माध्यम से जनजागरूकता फैलाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में लोगों की भागीदारी बढ़ाने के लिए प्रशंसा प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। इस राज्य स्तरीय कार्यक्रम में झारखंड के विभिन्न जिलों से करीब 80 डिजिटल क्रिएटर्स और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के दौरान जिम्मेदार डिजिटल कंटेंट, फेक न्यूज़ से बचाव, मतदाता जागरूकता और लोकतंत्र को मजबूत बनाने में सोशल मीडिया की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। सम्मान प्राप्त करने के बाद निशांत गुप्ता ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए गर्व का विषय होने के साथ-साथ समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी को और बढ़ाने वाला है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, झारखंड एवं स्वीप टीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे आगे भी जनहित, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक जागरूकता से जुड़े संदेशों को डिजिटल माध्यम से लोगों तक पूरी जिम्मेदारी के साथ पहुंचाते रहेंगे। गौरतलब है कि निशांत गुप्ता "गिरिडीह अपडेट्स" नाम से इंस्टाग्राम पेज संचालित करते हैं, जिसके तीन लाख से अधिक फॉलोअर्स हैं। अपने वीडियो और रील्स के माध्यम से वे गिरिडीह सहित पूरे झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक स्थलों, धार्मिक पर्यटन और स्थानीय संस्कृति को लगातार राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिला रहे हैं। इसी उत्कृष्ट कार्य के लिए उन्हें पूर्व में भी कई मंचों पर सम्मानित किया जा चुका है।

चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल 2026 में अमरेश कुमार बने फिल्म रिव्यू कमेटी के सदस्य

नई सोच एक्सप्रेस

कोडरमा । चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल 2026 का समापन समारोह 28 जून को पुरस्कार वितरण समारोह के साथ सरला-बिरला विश्वविद्यालय रांची में संपन्न हुआ। पिछले तीन दिनों से चल रहे इस महोत्सव में झारखंड राज्य के अलग-अलग जिलों से चयनित कूल 84 फिल्मों का प्रदर्शन किया गया। फिल्म रिव्यू कमेटी के कुल पांच सदस्यों में से एक सदस्य की जिम्मेदारी निभाई झुमरी तिलैया निवासी फिल्म कलाकार, लेखक-निर्देशक अमरेश कुमार ने। नंदकुमार सिंह की देखरेख में आयोजित चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल इस वर्ष लगातार तीसरी बार सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में बतौर विशिष्ट अतिथि बाबूलाल मरांडी पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड और बतौर मुख्य अतिथि अर्जुन मुंडा पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड व पूर्व केंद्रीय मंत्री मौजूद रहे। चित्रपट झारखंड फिल्म फेस्टिवल के सभी विजेताओं को सर्टिफिकेट, ट्रॉफी के साथ-साथ नकद पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

आपका मोबाइल फिर से आपके पास' अभियानः गिरिडीह पुलिस ने 211 लोगों को लौटाए गुम व चोरी हुए मोबाइल

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह । जिले की पुलिस की पहल "आपका मोबाइल फिर से आपके पास" के तहत सोमवार को न्यू पुलिस लाइन स्थित बहुउद्देशीय भवन में आयोजित कार्यक्रम में 211 लोगों को उनके गुम या चोरी हुए मोबाइल फोन वापस सौंपे गए। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ. विमल कुमार मुख्य रूप से मौजूद रहे। मोबाइल लौटाते हुए एसपी डॉ. विमल कुमार ने कहा कि आज के डिजिटल दौर में मोबाइल केवल बातचीत का माध्यम नहीं, बल्कि पहचान, बैंकिंग, पढ़ाई, सुरक्षा और रोजमर्रा के कई जरूरी कार्यों का अहम हिस्सा बन चुका है। ऐसे में मोबाइल का गुम होना या चोरी हो जाना लोगों के लिए बड़ी परेशानी बन जाता है।उन्होंने बताया कि गिरिडीह पुलिस शिकायत मिलने के बाद आधुनिक तकनीक और उपलब्ध संसाधनों की मदद से मोबाइल का पता लगाकर उसे उसके वास्तविक मालिक तक पहुंचाने का लगातार प्रयास करती है। एसपी ने जानकारी दी कि इससे पहले आयोजित ऐसे कार्यक्रमों में भी कुल 426 लोगों को उनके मोबाइल वापस किए जा चुके हैं। कार्यक्रम में जिले के विभिन्न प्रखंडों से पहुंचे मोबाइल उपभोक्ताओं के चेहरों पर खुशी साफ झलक रही थी। कई लोगों ने बताया कि आर्थिक तंगी के कारण वे नया मोबाइल खरीदने में सक्षम नहीं थे, ऐसे में अपना पुराना मोबाइल वापस मिलना उनके लिए किसी राहत से कम नहीं है। लोगों ने गिरिडीह पुलिस और एसपी के प्रति आभार भी व्यक्त किया। इस अवसर पर सदर एसडीपीओ जितवाहन उरांव, डुमरी एसडीपीओ आबिद खान, सरिया एसडीपीओ धनंजय राम, खोरीमहुआ एसडीपीओ अमरेंद्र कुमार, नगर थाना प्रभारी रतन कुमार सिंह, मुफस्सिल थाना प्रभारी श्याम किशोर महतो सहित जिले के कई पुलिस पदाधिकारी और थाना प्रभारी उपस्थित रहे।

आज से घर-घर पहुंचेंगे बीएलओ, मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान शुरू : उपायुक्त

नई सोच एक्सप्रेस

गिरिडीह । भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम निर्धारित समय-सीमा के अनुसार संचालित किया जा रहा है। इस क्रम में प्रशिक्षण एवं मुद्रण का कार्य 20 जून से 29 जून तक सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है। कार्यक्रम के तहत 30 जून से 29 जुलाई तक बीएलओ द्वारा घर-घर जाकर मतदाताओं का सत्यापन किया जाएगा। इस दौरान मतदाताओं के विवरण का भौतिक सत्यापन करते हुए आवश्यक जानकारी एकत्र की जाएगी, ताकि मतदाता सूची को अधिक सटीक, अद्यतन एवं त्रुटिरहित बनाया जा सके। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 29 जुलाई तक मतदान केंद्रों का रेशनलाइजेशन पूर्ण किया जाएगा। इसके उपरांत 5 अगस्त को प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। प्रारूप सूची के प्रकाशन के बाद 5 अगस्त से 4 सितंबर तक दावा एवं आपत्ति प्राप्त किए जाएंगे। वहीं प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का निष्पादन 5 अगस्त से 3 अक्टूबर तक किया जाएगा। सभी दावों एवं आपत्तियों के निष्पादन के पश्चात 7 अक्टूबर 2026 को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी। जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त रामनिवास यादव ने सभी मतदाताओं से अपील की है कि बीएलओ के घर-घर भ्रमण के दौरान आवश्यक सहयोग प्रदान करें तथा अपने मतदाता संबंधी विवरणों का सत्यापन अवश्य कराएं। यदि किसी प्रकार का संशोधन, नाम जोड़ना, हटाना अथवा अन्य सुधार आवश्यक हो तो निर्धारित अवधि के भीतर दावा एवं आपत्ति प्रस्तुत करें, ताकि प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में सही रूप से दर्ज हो सके। लोकतंत्र की मजबूती सशक्त एवं शुद्ध मतदाता सूची से ही संभव है। इसलिए सभी नागरिक एसआईआर अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी बनाने में अपना योगदान दें।

संक्षिप्त समाचार

स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ एमपी-एमएलए कोर्ट में परिवाद दर्ज, कोर्ट ने लिया संज्ञान

पीलीभीत। पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं पूर्व विधायक स्वामी प्रसाद मौर्य के खिलाफ सोमवार को पीलीभीत की एमपी-एमएलए कोर्ट में परिवाद दर्ज कराया गया। यह परिवाद माँ ज्वालामुखी चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं अधिवक्ता नीलेश चतुर्वेदी की ओर से दायर किया गया। सुनवाई के बाद पीठासीन अधिकारी सतीश कुमार ने मामले का संज्ञान लेते हुए परिवाद दर्ज कर लिया। परिवाद में आरोप लगाया गया है कि 23 जून को गाजीपुर में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान स्वामी प्रसाद मौर्य ने सार्वजनिक मंच से भगवान श्रीराम, राम मंदिर और भगवान हनुमान के संबंध में आपत्तिजनक एवं अमर्यादित टिप्पणियां कीं। शिकायत के अनुसार, उनके बयान सोशल मीडिया और विभिन्न टीवी चैनलों पर प्रसारित हुए, जिससे धार्मिक भावनाएं आहत हुईं। नीलेश चतुर्वेदी ने बताया कि इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 299, 196(1), 197(1), 353(2) तथा आईटी एक्ट की धारा 67 के तहत परिवाद दायर किया गया है। मामले में अखिल भारत हिन्दू महासभा के अध्यक्ष पंकज शर्मा, राष्ट्रीय हनुमान दल के अध्यक्ष अमित गुप्ता तथा युवा जागृति परिषद के अध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने साक्षी के रूप में सहयोग करने की घोषणा की है। मामले की अगली सुनवाई न्यायालय द्वारा निर्धारित तिथि पर होगी।

होम्बले फिल्म्स की नई फिल्म में पहली बार साथ आएंगे सूर्या और टी. जे. ज्ञानवेल

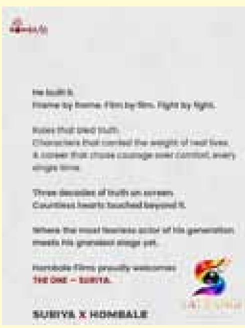

मुंबई। 'केजीएफ', 'कांतारा' और 'सालार' जैसी ब्लॉकबस्टर फिल्में देने वाले होम्बले फिल्म्स ने अपने नए महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की आधिकारिक घोषणा कर दी है। इस फिल्म में पहली बार अभिनेता सूर्या और निर्देशक टी. जे. ज्ञानवेल साथ काम करेंगे। फिल्म में अभिनेत्री कायाडु लोहार भी अहम भूमिका निभाएंगी। होम्बले फिल्म्स के संस्थापक एवं निर्माता विजय किरागंदूर ने कहा कि सूर्या और टी. जे. ज्ञानवेल के साथ मिलकर वे ऐसी दमदार और भावनात्मक कहानी दर्शकों के सामने लाएंगे, जो दुनियाभर के लोगों को पसंद आएगी। 'जय भीम' जैसी चर्चित फिल्म का निर्देशन कर चुके टी. जे. ज्ञानवेल अपनी सामाजिक सरोकारों वाली फिल्मों के लिए जाने जाते हैं, जबकि दो राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और सात फिल्मफेयर साउथ पुरस्कार जीत चुके सूर्या भारतीय सिनेमा के प्रमुख अभिनेताओं में गिने जाते हैं। फिल्म के संगीत की जिम्मेदारी साई अभ्यंकर, सिनेमैटोग्राफी एस. आर. काथिर, प्रोडक्शन डिजाइन के. काथिर और एडिटिंग फिलोमिन राज संभालेंगे। फिल्म की औपचारिक शुरुआत रविवार को चेन्नई के पार्क हयात होटल में आयोजित भव्य मुहूर्त पूजा के साथ हुई, जिसमें कलाकारों, तकनीकी टीम और फिल्म जगत की कई हस्तियां मौजूद रहीं।

कुरुक्षेत्र में 2 जुलाई को सामाजिक समरसता सम्मेलन का आयोजन

कुरुक्षेत्र। सतगुरु श्री कबीर साहेब जी के 629वें राज्य स्तरीय पावन प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में 2 जुलाई 2026 को कुरुक्षेत्र में सामाजिक समरसता सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम सायं 3 बजे गीता ज्ञान संस्थान, कुरुक्षेत्र के सभागार में आयोजित होगा। कार्यक्रम के संबंध में जानकारी देते हुए जय नारायण खटक प्रधान ने बताया कि सम्मेलन का उद्देश्य समाज में भाईचारे, समानता और समरसता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक एवं प्रबुद्ध वर्गों के लोग भाग लेंगे और संत कबीर साहेब के विचारों पर चर्चा की जाएगी। आयोजकों ने सभी समाजों, संस्थाओं एवं नागरिकों से सम्मेलन में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील की है। कार्यक्रम के आयोजन में जय नारायण खटक प्रधान श्री कबीर धाणक धापक समाज धर्मशाला सभा (रजि.) एवं विभिन्न धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं का सहयोग रहेगा।

पलामू में रहस्यमयी बीमारी से 10 दिनों में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत, स्वास्थ्य विभाग की जांच तेज

पलामू। झारखंड के पलामू जिला के पड़वा प्रखंड स्थित सिक्का गांव में रहस्यमयी बीमारी से मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार तड़के रांची के रिम्स अस्पताल में इलाज के दौरान नकुल महतो की मौत हो गई। इसके साथ ही पिछले 10 दिनों में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की जान जा चुकी है। परिवार के अन्य सदस्य अब भी रिम्स में भर्ती हैं व उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों में सबसे पहले 19 जून को कुलदीप महतो की मौत हुई थी। इसके बाद 20 जून को उनकी बेटी बबीता कुमारी, 26 जून को दूसरी बेटी इंदु कुमारी, 28 जून को बहू श्वेता कुमारी व 29 जून को बेटे नकुल महतो की मौत हो गई। श्वेता व नकुल ने रिम्स में इलाज के दौरान दम तोड़ा, जबकि कुलदीप महतो की पत्नी लाखो देवी, एक बेटा व एक पोता अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं। स्वास्थ्य विभाग की प्रारंभिक जांच में कई अहम तथ्य सामने आए हैं। अधिकारियों के अनुसार, बीमार होने के बाद परिवार ने चिकित्सकीय उपचार के बजाय लंबे समय तक झाड़-फूंक का सहारा लिया। कुलदीप महतो व उनकी बेटी की मौत के बाद भी परिवार इलाज कराने के बजाय लेस्लीगंज के पूर्णाडीह क्षेत्र में झाड़-फूंक करवाता रहा। जांच में यह भी सामने आया है कि परिवार के सदस्य लंबे समय से किसी प्रकार की राख का सेवन कर रहे थे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सिक्का गांव व पूर्णाडीह पहुंचकर उस राख के नमूने एकत्र किए हैं, जिसका सेवन परिवार कर रहा था। साथ ही परिवार के खान-पान व अन्य संभावित कारणों की भी विस्तृत जांच की जा रही है। जिले के सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग ने परिवार को चार बार इलाज के लिए रेस्क्यू किया था, लेकिन वे बार-बार झाड़-फूंक का सहारा लेते रहे। उन्होंने कहा कि राख के नमूने एकत्र किए जा रहे हैं व पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तैयार की जा रही है। पाटन के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार ने बताया कि रिम्स में पांचवीं मौत के बाद जांच और तेज कर दी गई है। विशेषज्ञों की टीम गांव पहुंचकर लोगों के खान-पान, रहन-सहन व अन्य संभावित कारणों की जानकारी जुटा रही है। इस बीच मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के डॉ. आरके रंजन ने बताया कि मृतकों के पोस्टमार्टम के दौरान विसरा सुरक्षित रख लिया गया है, जिसे पुलिस फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) जांच के लिए भेजेगी। उन्होंने आशंका जताई कि मामला ड्रॉप्सी बीमारी से भी जुड़ा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि परिवार के इस्तेमाल किए जा रहे सरसो के तेल की जांच कराना आवश्यक है, क्योंकि दूषित तेल भी इस तरह के लक्षणों का कारण बन सकता है। फिलहाल स्वास्थ्य विभाग, पुलिस व चिकित्सा विशेषज्ञों की संयुक्त टीम मौतों के वास्तविक कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि इन मौतों के पीछे बीमारी, जहरीला पदार्थ, दूषित खाद्य सामग्री या कोई अन्य कारण जिम्मेदार है।

प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव पर बनने वाली भव्य फिल्म की पटकथा पर हुई चर्चा

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। पटना से तीर्थंकर फिल्म के निर्माणकर्तागण जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन, दर्शन एवं मानव सभ्यता को दिए गए उनके अमूल्य योगदान पर आधारित निमार्णाधीन भव्य फिल्म की पटकथा (स्क्रिप्ट) को लेकर अयोध्या में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर फिल्म के निमार्ता एवं निर्देशक आर. जैन, पटना निवासी एसोसिएट प्रोड्यूसर एम. पी. जैन तथा डॉ. गीता जैन ने गणिनी प्रमुख आर्यिका रत्न ज्ञानमती माताजी, आर्यिका रत्न चंदनामती माताजी एवं स्वामी कर्मयोगी पीठाधीश रविन्द्रकीर्ति जी महाराज के सान्निध्य में फिल्म की कथा, ऐतिहासिक तथ्यों तथा जैन आगमों के अनुरूप प्रस्तुति पर विस्तृत चर्चा की। बैठक के दौरान सभी ने विशेषता गणिनी प्रमुख आर्यिका रत्न ज्ञानमती माताजी के द्वारा अनेक तीर्थों के फिल्मांकन हेतु चर्चा हुई। यह निश्चित किया गया कि फिल्म को पूर्णतः जैन सिद्धांतों, शास्त्रीय प्रमाणों तथा ऐतिहासिक प्रामाणिकता के आधार पर प्रस्तुत करने के संबंध में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन प्रदान किया। फिल्म का उद्देश्य भगवान ऋषभदेव के आदर्श जीवन, अहिंसा, संयम, संस्कृति एवं भारतीय सभ्यता में उनके अद्वितीय योगदान को विश्वभर के दर्शकों तक प्रभावी ढंग से पहुँचाना है। इस अवसर पर अयोध्या दिगम्बर जैन तीर्थ क्षेत्र के प्रबंधक-निदेशक जीवनलाल ने जानकारी दी कि तीर्थ क्षेत्र में शीघ्र ही एक आधुनिक थिएटर हॉल का निर्माण किया जा रहा है। इस थिएटर में आने वाले श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों को प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव के जीवन चरित्र, पंचकल्याणकों तथा गणिनी प्रमुख आर्यिका रत्न ज्ञानमती माताजी के अतुलनीय धार्मिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदान पर आधारित वृत्तचित्र एवं वीडियो फिल्में प्रदर्शित की जाएँगी। इससे देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को जैन धर्म एवं उसके गौरवशाली इतिहास की प्रमाणिक जानकारी प्राप्त होगी। अयोध्या दिगम्बर जैन समाज के लिए अत्यंत पवित्र एवं शाश्वत तीर्थ है। जैन परंपरा के अनुसार यह भूमि प्रथम तीर्थंकर भगवान ऋषभदेव (आदिनाथ) सहित पाँच तीर्थंकरों—अजितनाथ, अभिनन्दननाथ, सुमतिनाथ तथा अनंतनाथ—की जन्मभूमि होने के कारण अत्यंत महिमामयी मानी जाती है। यह तीर्थ जैन श्रद्धालुओं की आस्था, साधना एवं आध्यात्मिक प्रेरणा का प्रमुख केंद्र है। बैठक के अंत में उपस्थित सभी संतों एवं पदाधिकारियों ने विश्वास व्यक्त किया कि यह फिल्म जैन संस्कृति, दर्शन एवं भगवान ऋषभदेव के दिव्य संदेश को आधुनिक तकनीक एवं भव्य सिनेमाई प्रस्तुति के माध्यम से नई पीढ़ी तथा वैश्विक समाज तक पहुँचाने में एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी भूमिका निभाएगी।

एनसीडब्ल्यूए-12 लागू करने की मांग को लेकर 1 जुलाई के प्रदर्शन की बनी रणनीति

नई सोच एक्सप्रेस

झरिया। कोयला इस्पात मजदूर पंचायत (एचएमएस) के पंचायत कार्यालय, झरिया में केंद्रीय सचिव बिहारीलाल चौहान की अध्यक्षता में रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक का संचालन अवधेश सिंह ने किया। बैठक में हिन्द मजदूर सभा (एचएमएस) के आह्वान पर राष्ट्रीय कोयला वेतन समझौता-12 (एनसीडब्ल्यूए-12) को शीघ्र लागू करने, चारों श्रम संहिताओं (लेबर कोड) को वापस लेने तथा श्रमिकों की अन्य लंबित समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही 1 जुलाई 2026 को प्रस्तावित विशाल प्रदर्शन को सफल बनाने के लिए रणनीति तैयार की गई। सभी पदाधिकारियों और सदस्यों ने बड़ी संख्या में प्रदर्शन में भाग लेकर इसे सफल बनाने का संकल्प लिया। बैठक में केंद्रीय सचिव एस.एस. दे, अवधेश सिंह, पार्षद मुनीलाल राम, संजय चौबे, गोपाल गोप, मिथलेश पासवान, मेवालाल चौधरी, रामसेवक पासवान, दीनानाथ केवट सहित कई पदाधिकारियों ने अपने विचार रखे और संगठन की एकजुटता पर जोर दिया। महामंत्री अर्जुन सिंह ने एनसीडब्ल्यूए-12, श्रमिक हितों और प्रस्तावित आंदोलन की रूपरेखा पर विस्तार से जानकारी देते हुए सभी सदस्यों से संगठन को मजबूत बनाए रखने और आंदोलन को सफल बनाने का आह्वान किया। अंत में अध्यक्ष बिहारीलाल चौहान ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की एकता बनाए रखने पर बल दिया और धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक समाप्त हुई।

पूर्व सांसद डॉ. सुनील बालिराम गायकवाड को 'संत गाडगे बाबा प्रेरणा पुरस्कार' से सम्मानित

नई सोच एक्सप्रेस

महाराष्ट्र। लातूर लोकसभा क्षेत्र के पूर्व लोकप्रिय संसद रत्न सांसद, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के अधिवक्ता तथा उच्च शिक्षित व्यक्तित्व प्रो. डॉ. एडवोकेट सुनील बालिराम गायकवाड को उनके*उल्लेखनीय सामाजिक, शैक्षणिक और जनसेवा कार्यों के लिए प्रतिष्ठित 'संत गाडगे बाबा प्रेरणा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया। संत गाडगे बाबा शतकोत्तर स्वर्ण महोत्सवी जयंती वर्ष समारोह समिति महाराष्ट्र और संत चोखामेला अध्यासन केंद्र, पुणे के संयुक्त तत्वावधान में नांदेड में आयोजित तीसरी संत गाडगे बाबा प्रबोधन परिषद में यह सम्मान प्रदान किया गया। प्रसिद्ध साहित्यकार प्रा. इंद्रजीत भालेराव और सुप्रसिद्ध अभिनेता अनिल मोरे के हाथों डॉ. गायकवाड को पुरस्कार देकर गौरवान्वित किया गया। सांसद के रूप में कार्य करते हुए डॉ. सुनील बालिराम गायकवाड द्वारा लातूर और नांदेड क्षेत्र के विकास के लिए किए गए महत्वपूर्ण कार्यों तथा समाज के वंचित वर्गों के लिए किए गए सामाजिक प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें यह सम्मान दिया गया। इस अवसर पर उपस्थित मान्यवरों ने कहा कि डॉ. गायकवाड का कार्य संत गाडगे बाबा के विचारों — शिक्षा, स्वच्छता, सामाजिक समानता और मानव सेवा — को आगे बढ़ाने वाला प्रेरणादायी कार्य है। कार्यक्रम में संयोजक सचिन पाटील, स्वागत अध्यक्ष विठ्ठल पावडे, श्रीकांत देशमुख, ज्ञानेश्वर बंडगर महाराज, प्रा. डॉ. विठ्ठल जायभाये, प्राचार्य डॉ. दिलीप गरुड, बालाजी इबीतवार, रामेश्वर वाघमारे सहित साहित्य, सामाजिक और शैक्षणिक क्षेत्र के

» संत गाडगे बाबा द्वारा सामाजिक,शैक्षणिक विकासात्मक कार्यों का से शुरुआत की

अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। सम्मान स्वीकार करते हुए डॉ. सुनील बालिराम गायकवाड ने संत गाडगे बाबा के समाज सुधार के विचारों को नमन किया और कहा कि यह सम्मान समाज सेवा के लिए नई प्रेरणा देने वाला है। संत विचारों को आत्मसात कर जनकल्याण के लिए कार्य करने वाले व्यक्तित्व का यह सम्मान समाज के सभी वर्गों में सराहना का विषय बना हुआ है।

इंडियन आइडल में विशाल ददलानी का जन्मदिन बना यादगार, श्रेया घोषाल और बादशाह ने दी भावुक शुभकामनाएं

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। लोकप्रिय सिंगिंग रियलिटी शो 'इंडियन आइडल' के आगामी एपिसोड में संगीतकार और जज विशाल ददलानी का जन्मदिन बेहद खास अंदाज में मनाया जाएगा। इस अवसर पर शो की जज श्रेया घोषाल, बादशाह और होस्ट आदित्य नारायण ने विशाल के लिए भावनात्मक संदेश साझा किए और उनके साथ बिताए यादगार पलों को याद किया। श्रेया घोषाल ने विशाल ददलानी के साथ अपनी वर्षों पुरानी दोस्ती को याद करते हुए कहा कि उनके साथ काम करने का सफर बेहद खास रहा है। उन्होंने बताया कि शुरुआत में वह विशाल से काफी प्रभावित और थोड़ा संकोच महसूस करती थीं, लेकिन समय के साथ दोनों के बीच गहरी दोस्ती हो गई। श्रेया ने कहा कि विशाल दिल से बेहद नेक इंसान हैं और उनकी ईमानदारी, स्पष्टवादिता और सादगी उन्हें सबसे अलग बनाती है। उन्होंने जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि विशाल दुनिया को बेहतर और खुशहाल बनाने वाले लोगों में से एक हैं। वहीं, रैपर और संगीतकार बादशाह ने भी विशाल ददलानी के साथ अपनी दोस्ती को याद करते हुए कहा कि उनकी जिंदगी की सबसे गहरी दोस्तियों में विशाल का नाम शामिल है। उन्होंने बताया कि जब वह पहली बार इंडियन आइडल के मंच पर परफॉर्म करने आए थे, तब विशाल ने उनका खुले दिल से स्वागत किया और उन्हें आत्मविश्वास दिया। बादशाह ने कहा कि विशाल जैसे दोस्त पर उन्हें गर्व है। इस विशेष एपिसोड में होस्ट आदित्य नारायण भी विशाल ददलानी के जन्मदिन को यादगार बनाने में शामिल नजर आएंगे। पूरा मंच संगीत, भावनाओं और दोस्ती के रंग में रंगा दिखाई देगा। विशाल ददलानी लंबे समय से इंडियन आइडल के लोकप्रिय जज रहे हैं। अपनी बेबाक राय, संगीत की गहरी समझ और प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के अंदाज के कारण उन्होंने दर्शकों और प्रतियोगियों के बीच एक खास पहचान बनाई है। जन्मदिन पर उनके सहयोगियों द्वारा व्यक्त किए गए भावनात्मक संदेश इस बात का प्रमाण हैं कि वह केवल एक सफल संगीतकार ही नहीं, बल्कि एक अच्छे दोस्त और मार्गदर्शक भी हैं।

संघर्ष, सत्य और सेवा की जीत आदिवासी छात्रावास के वार्डन से वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी तकः उदय महाजन की प्रेरणादायी यात्रा

नई सोच एक्सप्रेस

पुणे। यह कहावत कि "सत्य और संघर्ष अंततः विजय दिलाते हैं" का सजीव उदाहरण हैं उदय श्रीरंग महाजन। पुणे के कोरेगांव पार्क स्थित शासकीय आदिवासी बालक छात्रावास में वार्डन के रूप में कार्यरत रहे उदय महाजन का चयन महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग (MPSC) द्वारा आदिवासी विकास विभाग में वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी (वर्ग-1) पद पर हुआ है। यह नियुक्ति एक लंबे कानूनी संघर्ष के बाद महाराष्ट्र प्रशासनिक न्यायाधिकरण (MAT) के निर्देशों के फलस्वरूप संभव हुई, जिसने यह सिद्ध कर दिया कि सत्य और न्याय की अंततः विजय होती है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के उपलक्ष्य में छात्रावास के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों द्वारा महाजन का भावपूर्ण विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में भगवान वैराट, वृषाली घैसास, सुनील पवार, अर्चना पवार, सुनील वाघमारे तथा फिरोज शेख मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में अतिथियों ने महाजन द्वारा आदिवासी विद्यार्थियों के शैक्षणिक, व्यक्तिगत एवं सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। उन्होंने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं के मार्गदर्शन, उच्च शिक्षा के प्रति प्रेरणा, व्यक्तित्व विकास, अनुशासित कार्यशैली तथा विभिन्न शैक्षणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों के सफल आयोजन को विशेष रूप से रेखांकित किया। अपने विदाई भाषण में उदय महाजन ने अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों, पूर्व विद्यार्थियों तथा सभी सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नए पद पर भी वे आदिवासी समाज और विद्यार्थियों के कल्याण के लिए पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते रहेंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, पूर्व विद्यार्थी तथा वर्तमान विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति-चिन्ह भेंट कर उनका सम्मान किया। इस अवसर पर एकात्मिक आदिवासी विकास परियोजना, घोडेगांव के परियोजना अधिकारी श्री प्रदीप देसाई ने महाजन को शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ईमानदारी, संघर्ष और निरंतर परिश्रम से प्राप्त सफलता समाज के लिए प्रेरणास्रोत होती है। उन्होंने कहा कि छात्रावास के वार्डन के रूप में महाजन ने आदिवासी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है तथा वरिष्ठ अनुसंधान अधिकारी के रूप में उनका चयन आदिवासी विकास विभाग के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि महाजन का शोध एवं प्रशासनिक अनुभव भविष्य में आदिवासी समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उदय महाजन की यह यात्रा केवल पदोन्नति की कहानी नहीं, बल्कि संघर्ष, न्याय, सेवा और समर्पण की प्रेरणादायी मिसाल है, जो युवाओं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

35 साल पुराने सरला भट्ट हत्याकांड में जांच तेज, पांच आरोपियों पर चार्जशीट की तैयारी

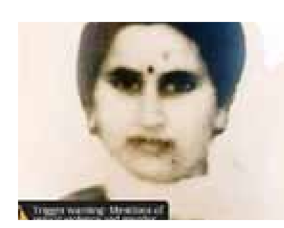

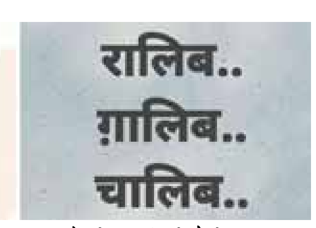

नई सोच एक्सप्रेस

नई दिल्ली/श्रीनगर। कश्मीर में वर्ष 1990 के चर्चित कश्मीरी पंडित नर्स सरला भट्ट हत्याकांड में करीब 35 वर्षों बाद जांच ने महत्वपूर्ण मोड़ लिया है। राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) द्वारा मामले की दोबारा जांच के बाद पांच आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दायर किए जाने की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार, 14 अप्रैल 1990 को श्रीनगर स्थित शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एसकेआईएमएस) में कार्यरत 25 वर्षीय नर्स सरला भट्ट का कथित तौर पर आतंकवादियों ने अपहरण कर लिया था। चार दिन बाद 18 अप्रैल को उनका शव बरामद हुआ। यह मामला उस दौर में कश्मीर में फैले आतंकवाद और कश्मीरी पंडितों के पलायन से जुड़े सबसे चर्चित मामलों में शामिल रहा है। एसआईए ने 12 अगस्त 2025 को मामले की पुनः जांच शुरू की थी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, जांच में पांच आरोपियों की भूमिका सामने आई है, जिनमें जेल में बंद जेकेएलएफ प्रमुख यासीन मलिक का नाम भी शामिल बताया जा रहा है। इनमें तीन आरोपियों की मृत्यु हो चुकी है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार बताया गया है। जांच एजेंसियां यह भी पता लगा रही हैं कि क्या यह हत्या किसी बड़े आतंकी षड्यंत्र का हिस्सा थी। लंबे समय बाद जांच में आई प्रगति से पीड़ित परिवार और अन्य प्रभावित लोगों में न्याय की नई उम्मीद जगी है।

'तहरीक-ए-अदब कश्मीर' ने हायर सेकेंडरी स्कूल लंगेट में एक 'हुसैनी महफ़िल' का आयोजन किया

नई सोच एक्सप्रेस

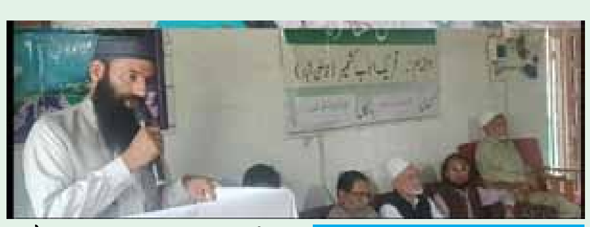

लंगेट। 'अदबी मरकज़ कामराज़' के संरक्षण में, 'तहरीक-ए-अदब कश्मीर' ने बॉयज़ हायर सेकेंडरी स्कूल लंगेट में एक प्रतिष्ठित 'हुसैनी महफ़िल' का आयोजन किया। इस हुसैनी मजलिस में दो सत्र (सेशन) थे - पहले सत्र में डॉ. फ़ैज़ काज़ियाबादी और गुलाम मुहम्मद डार सब्ज़ार ने अपने लेख प्रस्तुत किए। जबकि दूसरे सत्र में एक 'हुसैनी मुशायरा' आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता में श्री गुलाम रसूल बंदे, श्री अयूब दिलबर, डॉ. रियाज़ तौहीदी, जामिया लंगेट के इमाम पीर गुलाम कादिर, अदबी मरकज़ कामराज़ के प्रतिनिधि श्री ज़हूर हैगामी और तहरीक-ए-अदब कश्मीर के अध्यक्ष श्री नज़ीर तबस्सुम भी मौजूद थे। कार्यक्रम की शुरुआत पीर गुलाम कादिर द्वारा पवित्र कुरान के पाठ से हुई और पैगंबर (सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम) की 'नात' पेश करने का सम्मान श्री नज़ीर तालिब को मिला। शुरुआती बातें तहरीक-ए-अदब कश्मीर के अध्यक्ष श्री नज़ीर तबस्सुम ने रखीं। सत्र का संचालन डॉ. फ़ैज़ काज़ियाबादी ने किया। दूसरे सत्र में शायरों ने अपनी कविताएँ पेश कीं और खूब सराहना पाई। इनमें घाटी के मशहूर शायर श्री बशीर मंगल पुरी, श्री हसन आज़मी, श्री मकबूल फ़ाइक़, श्री अरशद मोहिउद्दीन, श्री राशिद रोशन, श्री मजरूह कश्मीरी, श्री राशिद जौहर, श्री नज़ीर तालिब और श्री ए.टी. शामिल थे। लोलाबी, श्री ज़हूर हैगामी, डॉ. फ़ैज़ काज़ियाबादी, श्री नज़ीर इब्न शाहबाज़, श्री डार सब्ज़ार, श्री सैयद मेराजुद्दीन गिलानी, श्री तुफ़ैल अली तुफ़ैल, श्री आदिल कश्मीरी, श्री अशरफ़ उक़ाब, श्री नज़ीर तबस्सुम और श्री इरफ़ान गनी भट ने अपने भाषण दिए और इस सेशन की अध्यक्षता श्री सैयद राशिद जौहर ने अनोखे अंदाज़ में की। इस शानदार कार्यक्रम के आखिर में, संरक्षक श्री बशीर मंगलपुरी ने धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया।

» इस महफ़िल में घाटी के जाने-माने शायर, लेखक, बुद्धिजीवी और सम्मानित नागरिक शामिल हुए

नंदी पर सवार हो कर शंकर चले पार्वती को बिहाने राजेंदर पराशर

नई सोच एक्सप्रेस

कुरुक्षेत्र। श्री स्थाणु सेवा मंडल के सहयोग से महंत प्रभात पुरी कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मे आयोजित कथा आज सातवे दिन बड़ी संख्या मे पहुंच कर कथा सुनी व्यास पीठ से कथा वाचक पंडित राजेंदर पराशर ने आज के प्रसंग मे बताया हिमाचल पुत्री के कठिन यज्ञ को देख कर शंकर भोले माँ पार्वती की परीक्षा लेने एक वृद्ध ब्राह्मण का रूप बना कर वहां पहुंचे जँहा पार्वती कठिन तप कर रही थी! शंकर ने पूछा हे देवी तुम कौन हो और तुम्हारा मनोरथ क्या है तब पार्वती ने बताया मै हिमाचल पुत्री हूँ पहले मै सती नाम से दक्ष के घर उत्पन्न हुई थी परन्तु मेरे पिता ने मेरे पति शिव की निंदा की थी ईस लिए मैंने अग्नि मै प्रवेश कर शरीर त्याग दिया था! ईस जन्म मे मै शिव को पा लेती परन्तु कामदेव के कारण शिव कठिन तप करने कैलाश पर चले गये है और वें कब लौटेंने पता नहीं! ईस लिए मे आज अपना शरीर त्याग रही हूँ कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप मे एडवोकेट यशपाल गुप्ता, डाक्टर सुरेंदर मेहता, रेनू खुंगर, डॉ ममता सूद, रविंदर सांगवान, चरणजीत गाबा,उपस्थित रहे व्यास पीठ ने सभी अतिथियों का पटका पहना कर सम्मान किया! कथा के उपरांत सोहन लाल सैनी के परिवार की तरफ से श्रद्धांलुओं को प्रशाद वितरित किया गया! ईस अवसर पर सतीश शर्मा, दर्शन पाहवा, सुनील सचदेवा, गोपाल कृष्ण शर्मा, दलीप सिंह, अशोक आश्री, नारायण, सोहन लाल सैनी, सुरेंदर हमबीरिया, दीवान अरोड़ा, रमेश सचदेवा, नानक चंद गल्होत्रा, कर्म चंद, प्रवीण गुप्ता उपस्थित रहे!

सीलन या नमी से इन्वर्टर की बैटरी खराब न हो जाए

मानसून एक ऐसा मौसम है जिसकी वजह से कई चीजें ख़राब होने लगती हैं। जैसे सीलन या नमी की वजह से किचन का सामान या फिर नमी की वजह से कपड़े आदि चीजों में फफूंदी के दाग लग जाते हैं। ऐसे में कई लोग इन चीजों को सुरक्षित रखने के लिए नियमित सफ़ाई करते रहते हैं या उनका ध्यान रखते हैं। लेकिन इन्वर्टर की बैटरी का कोई भी ध्यान नहीं रखता है। जब तेज बारिश या अंधी में बिजली चली जाती है और इन्वर्टर भी ख़राब हो तो परेशानी और भी अधिक बढ़ जाती है। ऐसे में अगर आप नहीं चाहते हैं कि सीलन या नमी की वजह से इन्वर्टर की बैटरी ख़राब हो तो फिर आपको मानसून के मौसम में उसका ध्यान ज़रूर रखना चाहिए। आइए जानते हैं।

दीवार से रखें दूर

मानसून के मौसम में सबसे अधिक सीलन और नमी दीवार में होती है। ऐसे में अगर आप इन्वर्टर की बैटरी को दीवार के पास रखा है तो फिर बैटरी कभी भी ख़राब हो सकती है। खासकर मानसून के टाइम इन्वर्टर की बैटरी को दीवार से अलग ही रखें। इसके अलावा बैटरी को किसी लकड़ी या प्लास्टिक के ऊपर ही रखें, क्योंकि जमीन पर रखने की वजह से भी बैटरी ख़राब हो सकती है।

टर्मिनल की सफाई का रखें ध्यान

बैटरी में जिस जगह से बिजली की तार को जोड़ा जाता है उसे कई लोग टर्मिनल कहते हैं। लेकिन बारिश के मौसम में कई बार टर्मिनल के आसपास सफ़ेद रंग की एक परत जम जाती है जिसकी वजह से बैटरी कभी भी ख़राब हो सकती है। ऐसे में अगर आप नहीं चाहते कि मानसून में टर्मिनल ख़राब हो तो फिर आपको उसकी सफाई करते रहना चाहिए। सफाई के दौरान हाथों में ग्लव्स ज़रूर पहने।

एसिड लेवल ज़रूर चेक करें

मौसम कोई भी हो बैटरी का एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत ज़रूरी है। अगर बैटरी में सामान स्तर से कम एडिस हो तो बैटरी कभी भी ख़राब हो सकती है। ऐसे में अगर आप नहीं चाहते कि तेज बारिश या अंधी में इन्वर्टर ख़राब हो तो समय-समय पर बैटरी में एसिड डालते रहे। आपको बता दें कि कई लोग नॉर्मल पानी को गुनगुना करके बैटरी में डाल देते हैं। ऐसे में आप ये गलती न करें।

इन बातों का भी रखें ध्यान

बैटरी की सफाई करने से पहले लाइट को ऑफ़ ज़रूर रखें।
अगर आपको बैटरी की सफाई करने या एसिड डालने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद से ले सकते हैं।

पैरेंट्स और फैमिली के लिए परेशानी बन सकते हैं डिमांडिंग बच्चे

कुछ बच्चे बहुत ज्यादा डिमांडिंग और बॉसी होते हैं। ये कहना गलत नहीं होगा कि ये बच्चे अपने पैरेंट्स और फैमिली ही नहीं बल्कि अपने दोस्तों के लिए भी परेशानी बन सकते हैं। यदि आपको अपने बच्चे में यहां बताए गए संकेत दिख रहे हैं तो समझ जाएं कि आपका बच्चा बड़ा होकर नहीं बल्कि अभी से ही हिटलर बन सकता है।

बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए अपने पैरेंट्स से इस तरह की डिमांड करते हैं। मुझे ये चीज नहीं दिलवाई तो मैं स्कूल नहीं जाऊंगा या मेरे लिए ये काम नहीं किया तो मैं खाना नहीं खाऊंगा। अमूमन हर बच्चा बचपन में अपनी बात मनवाने के लिए इस तरह की बातें बोलता है लेकिन कुछ बच्चे अपनी मर्जी को लेकर अड़े रहते हैं और मां-बाप के लाख समझाने पर भी उन्हें बात समझ नहीं आती है। अगर आपका बच्चा भी अपनी बात पर अड़ा रहता है तो हो सकता है कि वो बॉसी और डिमांडिंग हो। यदि आपका बच्चा भी बॉसी है तो आप यहां जान सकते हैं कि उस बॉसी, डिमांडिंग और गुस्सैल व्यवहार को आप किस तरह शांत कर सकते हैं। कुछ पैरेंट्स को लगता है कि बच्चों की ग्रोथ में बॉसी होना एक नॉर्मल फेज है जो कि कुछ हद तक ठीक है। तीन या चार साल की उम्र में बच्चे अपने आसपास के माहौल को भांपना शुरू कर देते हैं। उन्हें समझ आने लगता है कि उन्हें क्या पसंद और नापसंद आ रहा है। इस उम्र के बच्चों के बॉसी नेचर को आप कॉन्फिडेंस और मुखरता के गुण में बदल सकते हैं।

हिटलर बनता है

चीजें फेंकता है, उल्टा बोलता है, चिल्लाता है और आपकी बात मानने से इनकार कर देता है और अपनी जिद पर अड़ा रहता है तो आपके बच्चे के हिटलर बनने के चांसेस हैं। ये बच्चे दूसरों को भी बुली कर सकते हैं। अगर आप भी ऐसे बच्चों के साथ हिटलर की तरह ही पेश आएंगे तो बात नहीं बन पाएगी। आपको इनके सामने अच्छा बनकर पेश आना होगा ताकि वो आपसे सीखें। जब ये बच्चे कुछ अच्छा करते हैं तो उनकी तारीफ जरूर करें।

दोस्त नहीं बन पाते

जब बच्चा बड़ा होगा तो उसे पता चलेगा कि उसे बॉसी होने की वजह से दूसरे बच्चे उसका दोस्त नहीं बनना चाहेगा। वहीं ऐसे बच्चे दूसरों को बुली करने वाले भी बन सकते हैं। इस वजह से आपका बच्चा अकेला रह सकता है। अपने बच्चे से कहें कि अगर वो किसी से प्यार से बात करता है तो बाकी बच्चे उसकी बात सुनेंगे और उसके दोस्त बनेंगे।

बढ़ावा ना दें

अगर आपका बच्चा बॉसी है और कोई गलत हरकत करता है तो ऐसी कोई बात ना कहें जिससे उसे बढ़ावा मिले। उस पर हंसे नहीं और ना ही उसका मजाक उड़ाएं या उसे डांटे नहीं। शांत रहें और उसे कहें कि वो अपनी बात शांत रहकर भी रख सकता है।

हुक्म ना मानें

अगर आपका बच्चा हुक्म के तौर पर आपको कोई ऑर्डर देता है तो इसे बिल्कुल ना मानें। उसे समझाएं कि वो आपका बॉस नहीं है। अगर आप उसे अभी नहीं रोकेंगे तो उसे लगेगा कि वो आपका ही नहीं बल्कि सबका बॉस है।

सांत्वना दें

अगर आपका बच्चा दूसरे बच्चों से दूर या अलग-थलग रहने पर अकेला महसूस कर रहा है तो उस पर तरस ना खाएं या उसे दोष ना दें। उसकी मदद करें कि वो किस तरह अच्छा बिहेवियर अपनाकर अपनी इस समस्या को हल कर सकता है।

मानसून में अपने गार्डन में लगाएं ये सब्जियां

मानसून का मौसम आते ही हर तरफ हरियाली ही हरियाली दिखाई देती है। इस मौसम में लगभग सभी पेड़ में नए-नए पत्ते और हरी सब्जियों में फल निकलते रहते हैं। इस मौसम में पौधे में अधिक पानी भी डालने की ज़रूरत नहीं होती है और तेज धूप नहीं होने की वजह से पौधे भी हरे-भरे रहते हैं।

ऐसे में अगर आप मानसून के अनुसार अपने गार्डन में नए पौधों का बीज लगाना चाहते हैं और फ्रेश सब्जियां खाना चाहते हैं तो फिर आपको इस लेख को ज़रूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि इस लेख में हम आपको कुछ सब्जियों के बीज को लगाने के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप आसानी से मानसून में लगाकर ताजी सब्जियां प्राप्त कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

खीरा का पौधा

खीरा एक ऐसी सब्जी है जिसका इस्तेमाल सलाद में भी किया जाता है और अन्य डिश बनाने में भी किया जाता है। हालांकि, कई लोगों को लगता है कि खीरा को उगाना बहुत मुश्किल है, लेकिन ऐसा नहीं है। गार्डन में खीरा का पौधा लगाना बहुत आसान है। इसे आप गमले में या फिर अन्य जगह भी लगा सकते हैं। एक पौधे में कम से कम दर्जन से अधिक फल हो सकते हैं।

टमाटर का पौधा

आज के समय टमाटर एक ऐसी चीज है जिसका इस्तेमाल लगभग हर भारतीय घरों में होता है। कई लोग इसे सलाद बनाने, चटनी बनाने या अन्य सब्जी में डालने के लिए इस्तेमाल करते हैं। ऐसे में अगर गार्डन में फ्रेश टमाटर उगाना चाहते हैं तो मानसून के समय आसानी से टमाटर का पौधा लगा सकते हैं। मानसून के समय में पौधे में आपको अधिक पानी भी डालने की जगह नहीं है। इसके लिए उचित मात्र में खाद और सही किस्म का बीज लगाने की ज़रूरत है।

भिंडी का पौधा

मुझे तो भिंडी की भुजिया बेहद पसंद है। शायद आपको भिंडी की भुजिया ज़रूर पसंद होगा। खैर, अगर आप गार्डन में सब्जी को उगाना चाहते हैं तो भिंडी को भी उगा सकते हैं। मानसून के मौसम में भिंडी का पौधा काफी तेजी से बढ़ता है और आपको अधिक मेहनत भी करने की ज़रूत नहीं है। अगर आप चार से पांच पौधे ही लगा लेते हैं कई किलो भिंडी प्राप्त कर सकते हैं।

पौधा लगाने के लिए सामग्री

- मिट्टी
- गमला
- बीज
- खाद
- पानी

पौधे लगाने का तरीका

- पौधा लगाने के लिए सबसे पहले आप मिट्टी में खाद को अच्छे से मिक्स कर लें।
- आप इसमें मिट्टी में आप 50ग्र कोको-पीट और 50ग्र वर्मीकम्पोस्ट (केंचुआ खाद या गोबर) को भी अच्छे से मिक्स कर सकते हैं।
- अब खाद युक्त मिट्टी को गमले में डालकर अच्छे से बराबर कर लें।
- इसके बाद मिट्टी में लगभग 2 इंच बीज को बदकर मिट्टी को बराबर कर लें और ऊपर से पानी डाल दें।
- इसके बाद समय-समय पर खाद, पानी और कीटनाशक स्प्रे का छिड़काव करते रहें।

कलरफुल पुराने कपड़ों की मदद से अपने घर को दें नया लुक

घर की सजावट भला किसे अच्छी नहीं लगती है। हम सभी इसके लिए कई तरीके आजमाते हैं और अपने आशियाने को बेहतर बनाते हैं। हम आपको बताने जा रहे हैं कि कैसे आप पुराने कपड़ों की मदद से घर को नया लुक दे सकती हैं। अगर आपके घर में भी कलरफुल पुराने कपड़े मौजूद हैं तो आपको इसका दोबारा इस्तेमाल करके अपने घर को सजाना चाहिए। हम सभी के घर में कुछ कपड़े ऐसे होते हैं जिनका इस्तेमाल हम नहीं करते हैं। अगर आपके घर में भी ऐसे कपड़े मौजूद हैं तो आपको इन कपड़ों की मदद से अपने घर सजाना चाहिए। आज के इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आप कैसे अपने घर को पुराने कपड़ों की मदद से सजा सकती हैं।

डोर को सजाएं

पुराने कपड़ों की मदद से आप अपने घर के डोर को सजा सकती हैं। सबसे पहले आपको अपने डोर पर इन कपड़ों को लटकाना है फिर फेरी लाइट को दरवाजों पर लटका देना है। ध्यान रखें कि अलग- अलग कपड़ों का इस्तेमाल करें। इससे लुक काफी खास आएगा।

वॉल डेकोरेशन में करें इस्तेमाल

वॉल डेकोरेशन में भी आप इन पुराने कलरफुल कपड़ों का इस्तेमाल कर सकती हैं। अलग- अलग कपड़ों को आप दीवारों पर लटका दें। फिर फेरी लाइट्स की मदद से पूरे दीवार को सजाएं।
इस तरीके से आप अपने घर को त्योहार या किसी फंक्शन के समय सजा सकती हैं। ऐसे में आपके घर की खूबसूरती बढ़ जाएगी और पुराने कपड़ों का भी इस्तेमाल हो जाएगा।

कलरफुल पुराने कपड़ों का कवर

आप इन कपड़ों की मदद से तकिया के लिए कवर भी बना सकती हैं। यह देखने में काफी ज्यादा खूबसूरत लगता है। ऐसे में आपको अपने पुराने कपड़ों को तकिए के साइज में काटना चाहिए और तकिए के हिसाब से कवर तैयार करना चाहिए। इससे तकिए का कवर तैयार हो जाएगा।

ब्लैक कलर के किसी भी आउटफिट पर खूब जचेंगे ये फुटवियर, देंगे एलिगेंट टच

अपने लुक को भीड़ से हटकर और खूबसूरत बनाने के लिए महिलाएं कई प्रयास करती है। वे आउटफिट से लेकर फुटवियर तक हर एक चीज परफेक्ट मैच कर पहनना प्रिफर करती है। ऐसे में अगर आप भी अपने लुक को लेकर हमेशा परेशान रहती हैं और सभी के बीच अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरना चाहती हैं, तो आप ब्लैक कलर के किसी भी आउटफिट के साथ इन स्टाइलिश फुटवियर को ट्राई कर सकती हैं।

टो स्लिम हील्स फुटवियर

ब्लैक कलर के आउटफिट किसे पसंद नहीं होते हैं। खासकर बात करें महिलाओं की, तो उन्हें ब्लैक कलर केकपड़े बहुत पसंद आते हैं। ऐसे में अगर आप भी ब्लैक कलर का कोई भी आउटफिट ट्राई करने वाली है, तो उस आउटफिट के साथ आप इस खूबसूरत ओपन टो स्लिम हील्स फुटवियर को शामिल कर सकती हैं। यह आपके लुक को गॉर्जियस बनाने में मदद करेगी।

स्लिम हील्स पंप फुटवियर

अगर आप किसी खास पार्टी को अटेंड करने वाली है और वहां अपनी खूबसूरती का जलवा बिखेरना चाहती है, तो अब आप अपने किसी भी ब्लैक कलर के आउटफिट के साथ इस स्टाइलिश स्लिम हील्स पंप फुटवियर को शामिल कर सकती हैं। इस तरह के फुटवियर आपको ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह आसानी से मिल जाएंगे।

स्लिम हील्स सैंडल फुटवियर

ब्लैक कलर के आउटफिट किसे पसंद नहीं होते हैं। ऐसे में अगर बात करें कॉलेज या ऑफिस जाने वाली महिलाओं कि, तो वह आए दिन अपने ऑफिस और कॉलेज में ब्लैक कलर के आउटफिट पहन कर जाती है।आप भी अपने ब्लैक कलर के आउटफिट के साथ इस खूबसूरत स्लिम हील्स सैंडल फुटवियर को शामिल कर सकती हैं।

स्ट्रैपी हिल्स सैंडल

अगर आप भी ब्लैक कलर के आउटफिट के साथ पहनने के लिए फुटवियर तलाश रही है, तो आप इस खूबसूरत स्ट्रैपी हिल्स सैंडल फुटवियर को ट्राई कर सकती है। यह आपके लुक को क्लासी और मॉर्डन टच देने में मदद करेगी। इसे आप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों जगह से खरीद सकती है। यह फुटवियर न सिर्फ आपको स्टाइलिश लुक देगा, बल्कि आपके पैरों की खूबसूरती को भी बढ़ा देगा।

नई सोच एक्सप्रेस
हर खबर पर पैनी नजर
(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

उर्मिला मातोंडकर को नहीं करना था छम्मा छम्मा, बोलीं- आइटम नंबर के बिल्कुल खिलाफ थी मैं

अ अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने फिल्म चाइना गेट के अपने ब्लॉकबस्टर गाने छम्मा छम्मा को लेकर सालों बाद एक खुलासा किया है। इस सुपरहिट गाने पर चुप्पी तोड़ते हुए उर्मिला ने बताया कि वो शुरुआत में इस गाने को करने के बिल्कुल खिलाफ थीं, क्योंकि वो करियर के उस दौर में कोई आइटम नंबर नहीं करना चाहती थीं। आइए जानते हैं कि आखिर फिर ऐसा क्या हुआ कि उन्होंने इस गाने के लिए हामी भर दी। उर्मिला हाल ही में डांस रियलिटी शो इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 के एक एपिसोड में बतौर स्पेशल गेस्ट शामिल हुईं, उन्होंने फिल्म चाइना गेट के इस लोकप्रिय गाने पर बात की। उन्होंने कहा, मुझसे कहा गया कि फिल्म चाइना गेट के महान निर्देशक राजकुमार संतोषी जी चाहते हैं कि आप इस फिल्म में एक आइटम सॉन्ग करें तो मैं इसके बिल्कुल पक्ष में नहीं थी, क्योंकि उस दौर में आइटम गानों को बहुत गलत तरीके से देखा जाता था। उर्मिला ने बताया, संतोषी ने मुझसे एक बात कही कि उर्मिला, बरसों पहले एक गाना आया था और आज भी जब लोग डांस या कोरियोग्राफी की बात करते हैं तो वही एक गाना इंसान की आंखों के सामने आता है। मुझे उस गाने से भी बेहतर गाना बनाना है। मैंने गणेश आचार्य से पूछा कि गाने की शूटिंग कितने दिन चलेगी? उन्होंने कहा कि प्लान 12 दिन का था, लेकिन हमने वो गाना सिर्फ 3 दिन में पूरा कर दिया। करिश्मा कपूर इंडियाज बेस्ट डांसर सीजन 5 में बतौर जज नजर आ रही हैं। उन्होंने गाना रिलीज होने के समय के इसके प्रभाव को याद किया। वो बालीं, उस दौर में हम सब इस गाने और उर्मिला के डांस के दीवाने हो गए थे। मुझे याद है कि जब ये गाना रिलीज हुआ था तो मैंने गणेश की तारीफ की थी और उनसे कहा था कि क्या गाना है, कमाल है और उर्मिला ने इसमें बेहद शानदार काम किया है। साल 1998 में आई फिल्म चाइना गेट बॉक्स ऑफिस पर भले ही उम्मीद के मुताबिक कमाल न कर पाई हो, लेकिन इस फिल्म का एक गाना छम्मा छम्मा आज भी बॉलीवुड के सबसे कालजयी गानों में गिना जाता है। छम्मा छम्मा की लोकप्रियंता सिर्फ भारत तक सीमित नहीं रही। यह बॉलीवुड के उन चुनिंदा गानों में शामिल है, जिन्हें दुनियाभर में पहचान मिली। साल 2001 में आई हॉलीवुड फिल्म मौलिन रूज में भी इस गाने का इस्तेमाल किया गया था।

राख ने दिखाया दम, 8 एपिसोड वाली क्राइम थ्रिलर ने हिलाया दुनियाभर में इंटरनेट, बनी नंबर 1 नॉन-इंग्लिश सीरीज

प्री प्रीमियर के बाद से राख ने जबरदस्त सफलता हासिल की है. यह पिछले दो साल में प्राइम वीडियो इंडिया की सबसे बड़ी ओरिजिनल सीरीज डेब्यू बनकर उभरी है. इसके साथ ही यह 23 देशों में नंबर 1 पर ट्रेंड कर चुकी है और 60 देशों की टॉप 10 लिस्ट में भी अपनी जगह बना चुकी है. प्राइम वीडियो पर ग्लोबल प्रीमियर के कुछ ही दिनों में राख सबसे ज्यादा पसंद की जाने वाली और चर्चा में रहने वाली प्राइम ओरिजिनल सीरीज बन गई है. 12 जून को दुनियाभर में रिलीज हुई यह 8 एपिसोड की फिक्शनल क्राइम ड्रामा सीरीज नैतिकता, अपराध और न्याय के बीच के जटिल रिश्तों के साथ-साथ अपनों को खोने के दर्द को बेहद संवेदनशील तरीके से दिखाती है. एंडेमोल शाइन इंडिया ने भाडीपा के साथ मिलकर इस सीरीज का निर्माण किया है. राख को दुनिया भर के दर्शकों का शानदार रिस्पॉन्स मिला है और यह प्राइम वीडियो की दुनिया की नंबर 1 गैर-अंग्रेजी सीरीज बन गई है. यह 23 देशों में नंबर 1 पर ट्रेंड कर रही है, जबकि 60 देशों की टॉप 10 लिस्ट में भी अपनी जगह बना चुकी है. रिलीज के सिर्फ दो हफ्तों के भीतर राख पिछले दो साल में प्राइम वीडियो इंडिया पर सबसे बड़ी भारतीय ओरिजिनल डेब्यू सीरीज भी बन गई है. राख को क्रिटिक्स, दर्शकों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों ने जमकर सराहा है. इस सीरीज को एक ऐसी दमदार और लंबे समय तक याद रहने वाली कहानी बताया जा रहा है, जिसने क्राइम थ्रिलर के लिए एक नया बेंचमार्क सेट किया है. सीरीज में कलाकारों की परफॉर्मेंस की भी खूब तारीफ हो रही है. अली फजल के शानदार और करियर की सबसे बेहतरीन मानी जा रही परफॉर्मेंस से लेकर सोनाली बेंद्रे के एक दुखी मां के किरदार, आमिर बशीर के टूटे हुए पिता के इमोशनल रोल और आकाश मखीजा व रामदीप यादव द्वारा बाबू और रज्जो के किरदारों को बेहद खौफनाक अंदाज़ में निभाने तक, हर कलाकार ने दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी है. पूरी स्टारकास्ट ने मिलकर इस कहानी को इतनी गहराई और असरदार तरीके से पेश किया है कि क्रेडिट्स खत्म होने के बाद भी इसकी चर्चा लगातार जारी है. सीरीज के क्रिएटर्स, राइटर्स और को-डायरेक्टर्स अनुशा नंदकुमार और संदीप साकेत ने कहा, राख का हर सीन इस सोच के साथ बनाया गया कि हर छोटी से छोटी डिटेल बिल्कुल सही हो और हम पूरी ईमानदारी के साथ वही कहानी कहें, जिस पर हमें पूरा भरोसा था. प्रोसित रॉय के निर्देशन में बनी राख का निर्माण एंडेमोल शाइन इंडिया ने भाडीपा के सहयोग से किया है. इसके प्रोड्यूसर्स दीपक धर, ऋषि नेगी, मृणालिनी जैन और श्याम राठी हैं. सीरीज को अनुशा नंदकुमार और संदीप साकेत ने क्रिएट, लिखा और को-डायरेक्ट किया है, जबकि इसके डायलॉग्स आयुष त्रिवेदी ने लिखे हैं. सीरीज में सोनाली बेंद्रे, अली फजल और आमिर बशीर मुख्य भूमिकाओं में हैं. इनके साथ आकाश मखीजा, रामदीप यादव, दिव्या शर्मा, विवान शर्मा, अंशुल चौहान, राकेश बेदी और दिव्येंदु भट्टाचार्य भी अहम किरदारों में नजर आ रहे हैं. राख फिलहाल भारत समेत दुनिया के 240 से ज़्यादा देशों और क्षेत्रों में प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो रही है.

अक्षय कुमार की फिल्म ने भूत बंगला को चटाई धूल, ओपनिंग डे पर छापे इतने नोट, वर्ल्डवाइड की रिकॉर्ड तोड़ कमाई

अ अक्षय कुमार की फिल्म वेलकम टू द जंगल के पहले दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार आगाज करते हुए डबल डिजिट में अपना खाता खोला है। वेलकम टू द जंगल ने अक्षय की ही पिछली रिलीज भूत बंगला के पहले दिन की कमाई के रिकॉर्ड को धूल चटा दी है। हालांकि, ये फिल्म अक्षय की ही सुपरहिट फ्रैंचाइजी हाउसफुल की 5वीं किस्त हाउसफुल 5 का रिकॉर्ड तोड़ने में नाकाम रही। अक्षय की एक्शन-कॉमेडी फिल्म वेलकम टू द जंगल को समीक्षकों और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली। बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने अपने प्रदर्शन के पहले दिन भारत में 15 करोड़ रुपये का कारोबार किया, वहीं अगर गुरुवार को हुए पेड प्रिव्यूज की कमाई 3.75 करोड़ को भी जोड़ दिया जाए तो भारत में फिल्म की कुल कमाई 18.75 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। ऑफिशियल आंकड़ों के अनुसार, फिल्म ने दुनियाभर में पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर 27.60 करोड़ का बिजनेस किया है. उधर हाउसफुल 5 ने पहले दिन 24 करोड़ रुपये कमाए थे। वेलकम टू द जंगल ने पहले दिन 18 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ भूत बंगला को पीछे छोड़ दिया, जिसने पेड प्रिव्यूज समेत 16 करोड़ का कारोबार किया था। इसके साथ ही फिल्म ने वेलकम फ्रेंचाइजी की अब तक की सबसे बड़ी ओपनिंग भी दर्ज की। साल 2007 में रिलीज हुई वेलकम ने पहले दिन 3.35 करोड़, जबकि 2015 में आई वेलकम बैक ने 14.4 करोड़ की ओपनिंग ली थी। वेलकम टू द जंगल, वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त है, जिसका निर्देशन अहमद खान ने किया है। कहानी दिवंगत नीरज वोरा की है, जबकि निर्माण फिरोज नाडियाडवाला ने किया है। फिल्म में अक्षय कुमार डबल रोल में नजर आए हैं। उनके साथ सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, रवीना टंडन, लारा दत्ता, अरशद वारसी और परेश रावल समेत कई सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म पूरी तरह से अक्षय कुमार के कंधों पर टिकी है। खासकर, अक्षय की अपनी पुरानी हेरा फेरी की टीम यानी परेश रावल, सुनील शेट्टी और राजपाल यादव के साथ जो कमाल की ट्यूनिंग और सहज केमिस्ट्री है, वो इस फिल्म की सबसे बड़ी जान है। इन कलाकारों की पुरानी और जादुई जुगलबंदी दर्शकों को हंसने पर मजबूर कर देती है। भले ही फिल्म को मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली हो, लेकिन अभिनय के मोर्चे पर ये काफी मजबूत नजर आती है।

हैवान की रिलीज तारीख आई, सिनेमाघरों के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर दस्तक देगी फिल्म

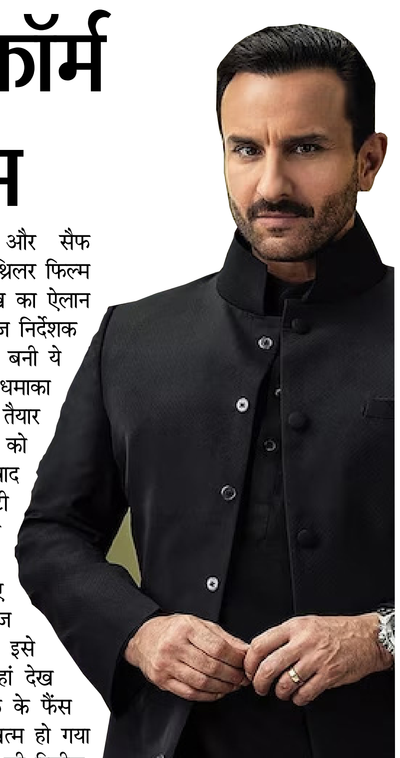

अ अक्षय कुमार और सैफ अली खान की थ्रिलर फिल्म हैवान की रिलीज तारीख का ऐलान कर दिया गया है। दिग्गज निर्देशक प्रियदर्शन के निर्देशन में बनी ये फिल्म सिनेमाघरों में धमाका करने के लिए पूरी तरह तैयार है। बड़े पर्दे पर दर्शकों को रोमांचित करने के बाद यह फिल्म किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम की जाएगी, इसका खुलासा भी हो गया है। आइए जानते हैवान कब रिलीज हो रही है और आप इसे सिनेमाघररों के बाद कहां देख पाएंगे। अक्षय और सैफ के फैंस के लिए अब इंतजार खत्म हो गया है। उनकी फिल्म हैवान की रिलीज तारीख का आधिकारिक ऐलान हो गया है। ये फिल्म 11 सितंबर, 2026 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसे साल 2026 की बॉलीवुड की सबसे बड़ी और धमाकेदार रिलीज में से एक माना जा रहा है। दिग्गज फिल्म निर्देशक प्रियदर्शन के निर्देशन में बन रही हैवान ने रिलीज से पहले ही दर्शकों के बीच जबरदस्त माहौल बना दिया है। फिल्म हैवान को लेकर दर्शकों के बीच भारी उत्सुकता है, क्योंकि अक्षय और सैफ की जोड़ी करीब 20 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी कर रही है। मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी और टशन जैसी फिल्मों में अपनी बेहतरीन ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री के लिए मशहूर ये जोड़ी इस साइकोलॉजिकल थ्रिलर में एक बेहद गंभीर और कड़क अंदाज में आमने-सामने होगी। इस फिल्म में जहां सैफ मुख्य नायक की भूमिका में तो अक्षय विलेन की भूमिका में दिखाई देंगे। सिनेमाघरों में रिलीज की तारीख तय करने के अलावा निर्माताओं ने फिल्म के स्ट्रीमिंग पार्टनर को भी फाइनल कर लिया है। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया ने इस फिल्म के डिजिटल राइट्स खरीद लिए हैं, जिसका मतलब है कि सिनेमाघरों में अपना सफर पूरा करने के बाद ये फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीम की जाएगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोनी नेटवर्क संग हुई इस बड़ी डील में फिल्म के डिजिटल राइट्स के साथ-साथ सैटेलाइट और म्यूजिक राइट्स भी शामिल हैं। हैवान साल 2026 की सबसे बहुप्रतीक्षित थ्रिलर फिल्मों में से एक है। इस फिल्म में अक्षय और सैफ के साथ सैयामी खेर और श्रिया पिलगांवकर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगी। एक और खास बात ये है कि यह अक्षय कुमार और प्रियदर्शन की एक साथ 8वीं फिल्म है। इससे पहले ये सुपरहिट जोड़ी हेरा फेरी , गरम मसाला , भागम भाग, भूल भुलैया, दे दना दन, खट्टा मीठा और भूत बंगला जैसी 7 यादगार फिल्में दे चुकी है।

मुंहासे हैं तो हो जाएं सावधान ! इन 5 संकेतों से समझें कि त्वचा को चाहिए इलाज

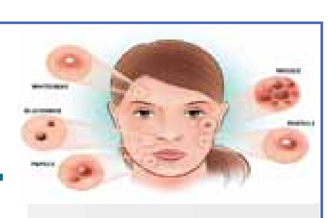

मुं मुंहासों की समस्या आजकल हर उम्र के लोगों में देखने को मिल रही है। गलत खान-पान, हार्मोनल असंतुलन, तनाव और प्रदूषण जैसे कई कारणों से मुंहासे हो सकते हैं। हालांकि, क्या आपको पता है कि मुंहासे भी एक संकेत हो सकते हैं कि आपकी त्वचा को डॉक्टर की जरूरत है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे संकेतों के बारे में बताते हैं, जो यह बताते हैं कि आपको अपने मुंहासों का इलाज डॉक्टर से करवाना चाहिए।

अगर मुंहासों में दर्द हो तो डॉक्टर से संपर्क करें: अगर आपके मुंहासों में दर्द हो रहा है तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। आमतौर पर मुंहासे हल्के होते हैं और इनमें दर्द नहीं होता। अगर मुंहासे दर्द करने लगें तो यह संकेत हो सकता है कि वे गहरे स्तर पर संक्रमित हो गए हैं या इनमें मवाद भर गया है। ऐसे में घरेलू नुस्खे आजमाने की बजाय डॉक्टर से संपर्क करें ताकि सही समय पर सही इलाज मिल सके और समस्या का समाधान हो सके।

मुंहासों का बढ़ना: अगर आपके मुंहासे बढ़ रहे हैं या बार-बार नए मुंहासे हो रहे हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। घरेलू उपायों से कभी-कभी कुछ समय के लिए राहत मिल सकती है, लेकिन अगर समस्या बढ़ रही है तो डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। डॉक्टर सही सलाह देकर आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं और आपको सही उपचार मिल सकता है।

मुंहासों का ठीक न होना : अगर आप कुछ हफ्तों से घरेलू उपाय अपना रहे हैं, फिर भी आपके मुंहासे ठीक नहीं हो रहे हैं तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। घरेलू उपाय कभी-कभी असरदार होते हैं, लेकिन हमेशा नहीं। अगर आपकी समस्या बनी रहती है या बढ़ती जा रही है तो डॉक्टर से सलाह लेना बेहतर होगा। इससे आपको सही उपचार मिल सकता है और समस्या का समाधान हो सकता है। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

दाग-धब्बों का बनना: अगर आपके मुंहासों के निशान या दाग-धब्बे बन रहे हैं तो भी डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है। इन दाग-धब्बों को ठीक करने के लिए विशेषज्ञ की मदद लेना बेहतर होता है। इससे आपकी त्वचा को सही उपचार मिल सकता है और दाग-धब्बे कम हो सकते हैं। डॉक्टर सही सलाह देकर आपकी समस्या का समाधान कर सकते हैं और आपको सही उपचार मिल सकता है। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते हैं।

गर्भवती महिलाओं के लिए जरूरी है सावधानी बरतना : गर्भवती महिलाएं खासतौर पर सावधानी बरतें क्योंकि गर्भावस्था के दौरान हार्मोनल बदलाव होते रहते हैं, जिससे मुंहासों की समस्या बढ़ सकती है। इस स्थिति में घरेलू उपायों पर निर्भर रहना सही नहीं होगा। डॉक्टर से संपर्क करके ही सही इलाज करवाना चाहिए ताकि मां और बच्चे दोनों स्वस्थ रहें। इस तरह आप अपनी त्वचा को स्वस्थ रख सकते और किसी भी समस्या का सही समाधान पा सकते।

एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर बार्सिलोना जाना चाहते हैं जूलियन अल्वारेज़

एजेंसी, न्यूजर्सी

अर्जेंटीना के स्टार स्ट्राइकर जूलियन अल्वारेज़ अब एटलेटिको मैड्रिड छोड़कर शीर्ष स्पेनिश क्लब बार्सिलोना जाना चाहते हैं। अर्जेंटीना की फीफा विश्व कप में ऑस्ट्रिया पर जीत के बाद अल्वारेज़ ने भी माना है कि वह अब एटलेटिको मैड्रिड से आगे बढ़ना चाहते हैं वहं दूसरी ओर एटलेटिको मैड्रिड इसके लिए तैयार नजर नहीं आता

।अल्वारेज़ के अनुसार भविष्य के लिए ट्रांसफर सबसे बेहतर विकल्प है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इस मामले में क्लब के अधिकारियों के साथ बात कर रहे हैं। उन्होंने किसी क्लब का नाम नहीं लिया, लेकिन मौजूद जानकारी के अनुसार स्पेनिश दिग्गज बार्सिलोना में खेलने की उनकी इच्छा किसी से छिपी नहीं है। पिछले कुछ सप्ताह से बार्सिलोना, पेरिस सेंट जर्मेन (PSG) और आर्सेनल जैसे बड़े

क्लबों का नाम जूलियन अल्वारेज़ के साथ जोड़ा जा रहा था। वहीं, स्पेन की मीडिया में लगातार यह दावा किया जा रहा है कि खिलाड़ी और बार्सिलोना के बीच व्यक्तिगत शर्तों पर सहमति भी बन चुकी है। रिपोर्टों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच पांच साल के अनुबंध को लेकर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ी है। हालांकि, एटलेटिको मैड्रिड ने इस मामले में अभी कुछ नहीं कहा है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए साफ कहा है कि जूलियन अल्वारेज़ बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं हैं। क्लब के अनुसार, यदि कोई टीम खिलाड़ी को अपने साथ जोड़ना चाहती है तो उसे 500 मिलियन यूरो की रिलीज़ क्लॉज राशि का भुगतान करना होगा। इसके अलावा, किसी भी प्रकार की बातचीत या समझौते की संभावना नहीं है। बार्सिलोना पहले ही एटलेटिको मैड्रिड को एक बड़ी राशि का प्रस्ताव भेज चुका था, लेकिन उसे तुरंत खारिज कर दिया गया। इतना ही नहीं, क्लबों के बीच सोशल मीडिया पर भी अप्रत्यक्ष बयानबाजी देखने को मिली है। दूसरी ओर, रियल मैड्रिड की ओर से भी कथित रूप से भारी भरकम प्रस्ताव भेजे जाने की खबरें सामने आई थीं, जिन्हें स्वीकार नहीं किया गया। अल्वारेज़ का करियर पिछले कुछ वर्षों में बेहद तेजी से आगे बढ़ा है। वर्ष 2022 में इंग्लैंड के मैनचेस्टर सिटी ने उन्हें अर्जेंटीना के रिवर प्लेट क्लब से अपेक्षाकृत कम कीमत पर अपने साथ जोड़ा था।

ईशान में एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने की भी सभी योग्यताएं: श्रीकांत

एजेंसी, चेन्नई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व भारतीय कप्तान कृष्णमाचारी श्रीकांत ने कहा है कि आक्रामक सलामी बल्लेबाज ईशान किशन एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बन सकते हैं पर उन्हें अवसर नहीं मिल रहा। श्रीकांत के अनुसार एक अच्छे टेस्ट बल्लेबाज बनने के लिए जिस प्रकार का कौशल चाहिये वह इस बल्लेबाज में है पर फिर भी उसे अवसर नहीं मिल रहा। साथ ही कहा कि ये निराशाजन बात है कि एक काबिल खिलाड़ी टीम में जगह हासिल नहीं कर पा रहा। ये एक प्रकार से उसकी प्रतिभा के साथ अन्याय है। गौरतलब है कि करीब दो साल तक राष्ट्रीय टीम से बाहर रहने के

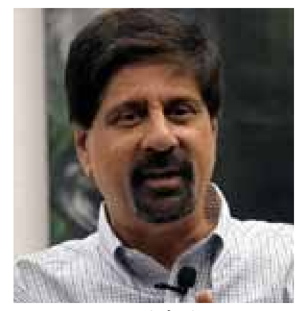

बाद, किशन हाल ही में टी20 विश्वकप से टीम में वापसी करने में सफल रहे हैं। अफगानिस्तान के खिलाफ 50-ओवर के प्रारुप में भी उन्होंने एक अच्छा शतक लगाया है। श्रीकांत के अनुसार उन्हें ईशान के खेलने का अंदाज अच्छा लगता है। इसी को देखते हुए इस पूर्व कप्तान का मानना है कि कि साल 2023 में कुछ टेस्ट मैच खेल चुके किशन टेस्ट में अवसर मिलने पर भी प्रभावित ही करेंगे। उन्होंने इस बल्लेबाज के खेल की सराहना करते हुए कहा, मैं ईशान किशन का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। उन्होंने अचानक वापसी की है और बहुत बढ़िया खेल रहे हैं। मुझे उनका खेल पसंद है। उनके स्ट्रोक खेलने का तरीका, टाइमिंग, पावर और आसानी से खेलने की क्षमता सब लाजवाब है। वह सभी प्रारुपों में बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं पर उन्हें एक प्रारुप तक ही सीमित कर दिया गया है जो भारतीय क्रिकेट के लिए नुकसान देह रहेगा। गौरतलब है कि साल 2024 में ईशान को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के केंद्रीय अनुबंध से हटा दिया गया था। तब इसका कारण जानबूझकर घरेलू क्रिकेट नहीं खेलना बताया गया। इसके बाद ईशान ने घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन कर अपने को साबित करते हुए मैदान पर वापसी की। श्रीकांत ने भारतीय क्रिकेट टीम की मौजूदा चयन समिति पर भी अपनी राय रखी। उनका मानना है कि समिति घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने वाले कुछ खिलाड़ियों को राष्ट्रीय टीम में मौके देने के मामले में हमेशा अच्छा काम नहीं कर पाई है। उन्होंने यशस्वी जायसवाल का उदाहरण देते हुए कहा कि उन्हें शीर्ष क्रम में बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धा होने के कारण सीमित ओवरों के क्रिकेट में कभी-कभी ही मौके मिलते हैं, जो उनके लिए दुर्भाग्यपूर्ण है।

एलियट को मैनचेस्टर सिटी ने रिकार्ड कीमत पर अपने साथ जोड़ा

एजेंसी, लंदन

ब्रिटेन में मिडफील्डर एलियट एंडरसन प्रीमियर लीग में सबसे महंगे फुटबॉलर बने हैं। मैनचेस्टर सिटी ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के एलियट को 116 मिलियन पाउंड की रिकॉर्ड कीमत में खरीदा है। ये किसी भी ब्रिटिश खिलाड़ी को मिलनी वाली सबसे महंगी ट्रांसफर फीस है। 23 वर्षीय एलियट ने इसी के साथ ही ही वेस्ट हैम यूनाइटेड से आर्सेनल में 105 मिलियन पाउंड में शामिल हुए फुटबॉलर डेक्लन राइस का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे साफ है कि प्रीमियर लीग में स्टार खिलाड़ियों को

मोटी रकम देने में क्लब पीछे नहीं है। विशेष रुप से स्टार खिलाड़ियों को। दोनों क्लबों के बीच अंतिम सहमति बन चुकी है और एलियट ने भी नॉटिंघम फॉरेस्ट को क्लब छोड़ने की सहमति दे दी है। अब मेडिकल जांच के बाद इस रिकॉर्ड सौदे की आधिकारिक घोषणा होगी। यह भी कहा जा रहा है कि मैनचेस्टर सिटी ने शुरुआत में एंडरसन के लिए 80 मिलियन पाउंड का प्रस्ताव दिया था पर नॉटिंघम फॉरेस्ट ने उसे अस्वीकार कर दिया था।

वहीं पिछले प्रीमियर लीग सत्र में एलियट एंडरसन ने नॉटिंघम फॉरेस्ट के लिए असाधारण प्रदर्शन करते हुए अपनी पहचान बनाई। उन्होंने सभी 38 लीग मुकाबले खेले और केवल एक बार ही शुरुआती एकादश से बाहर रहे।

वैभव की फिटनेस का ध्यान रखे जाने की जरुरत कलिनन

एजेंसी, जोहांसबर्ग : दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेरिल कलिनन ने कहा है कि भारतीय टीम में शामिल 15 साल के उभरते बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लेकर सतर्कता बरती जानी चाहिये। कलिनन के अनुसार इस युवा बल्लेबाज के लंबे करियर में फिटनेस बाधा बन सकती है, इसलिए उसका ध्यान रखे जाने की जरुरत है। कलिनन ने कहा कि वैभव पावर हिटिंग पर जोर देते हैं। जिसके लिए उन्हें हर शॉट पर ज़बरदस्त बैट स्पीड और ताकत की ज़रूरत होती है। टाइमिंग और तकनीक भी उतनी ही महत्वपूर्ण है, पर इस बल्लेबाज के ताकतवर स्ट्रोक प्ले पर अधिक अनिर्भरता ही चिन्ता का कारण है। उनका मानना है कि आने वाले सालों में निर्भरता ही उनके शरीर पर भारी पड़ सकती है और वह बार-बार चोटों का कारण बन सकते हैं। वैभव ने श्रीलंका ए के खिलाफ केवल 29 गेंदों पर 94 रनों की आतिशी पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने 11 गेंदों में अर्धशतक जड़कर लिस्ट-ए क्रिकेट का नया रिकॉर्ड भी बनाया। उनकी इस विस्फोटक पारी से कलिनन भी बेहद हैरान हैं। उन्होंने कहा, मैं इस युवा से बेहद प्रभावित हूं पर जो बात मुझे परेशान कर रही है और जिस पर कोई बात नहीं कर रहा, वह है चोटें? 15 साल की उम्र में बड़ा बल्ला घुमाना, इतना अधिक क्रिकेट खेलना उसके शरीर और जोड़ों पर जोर डाल सकता है।

महिला क्रिकेट टीम के प्रति भेदभाव का रवैया अब तक नहीं बदला : सना मीर

एजेंसी, लाहौर

पाकिस्तान की महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान मीर ने कहा है कि खराब प्रदर्शन के बाद जिस प्रकार से महिला क्रिकेटरों को निशाना बनाया जाता है, उससे साफ है कि अभी भी उनके खिलाफ भेदभाग बरता जा रहा है। सना के अनुसार क्रिकेट के प्रति दीवानगी के बाद भी प्रशंसकों और आलोचकों द्वारा पुरुष और महिला टीम को लेकर दोहरा रवैय अपनाया जा रहा है। टी20 विश्वकप में पाक के खराब प्रदर्शन से भी प्रशंसक भड़के थे। पाक टीम ने विश्व कप में लगातार चार हार के बाद नीदरलैंड्स पर एकमात्र जीत की है। इस निराशाजनक प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए,

सना ने सवाल किया कि जब पुरुष टीम खराब प्रदर्शन करती है, तो क्या कोई उनसे घर पर ही रहकर काम करने को कहता है। ? इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा कि दोहरा रवैया नहीं चलेगा। खासकर जब पुरुष और महिला टीमों के प्रदर्शन पर चर्चा की जाती है। उन्होंने कहा, मैं आलोचना के इस लहजे से सहमत नहीं हूं। हां, टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी पर केवल इसलिए कि यह महिला टीम है तो उससे भेदभाव क्यों किया जाये ? उन्होंने दुख जताया कि इतने सालों बाद भी महिला टीम को वह सम्मान नहीं मिल रहा है, जिसकी वे अधिकारी हैं। उन्होंने ने प्रशंसकों और आलोचकों से कहा कि पेशेसर क्रिकेट अपनाने वाली लड़कियों को जिन चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, उन पर भी ध्यान देने को कहा है। उन्होंने कहा कि लड़कियों की क्षमता साबित करने में कई साल लग गए, और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उनके प्रदर्शन को अभी भी उनके लिंग के आधार पर आंका जा रहा है, न कि क्रिकेट कौशल के आधार पर।

बिजनेस

अनुभव प्लास्ट के शेयरों ने निवेशकों को दिया झटका, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लगा लोअर सर्किट

एजेंसी, नई दिल्ली

ईआरडब्ल्यू स्टील पाइप और ट्यूब का उत्पादन करने वाली कंपनी अनुभव प्लास्ट के शेयरों ने सोमवार को स्टॉक मार्केट ने फ्लैट एंट्री करने के बाद कमजोर प्रदर्शन कर अपने आईपीओ निवेशकों को करारा झटका दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 80 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग बिना किसी उतार चढ़ाव के 80 रुपये के भाव पर ही हुई। लिस्टिंग के बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर थोड़ी देर में ही 76 रुपये लोअर सर्किट लेवल तक पहुंच गए। इस तरह पहले दिन के कारोबार में ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर चार रुपये यानी पांच प्रतिशत का नुकसान हो गया। अनुभव प्लास्ट लिमिटेड का 24 करोड़ रुपये का आईपीओ 19 से 23 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से एवरेज रिस्पॉन्स मिला था,

जिसके कारण ये ओवरऑल 2.18 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.23 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 2.49 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 2.60 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 30 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिये जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी सेटअप करने, सोलर पैनल स्ट्रक्चर्स बनाने, वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी।

कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 74 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 2.08 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर छह करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 5.30 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 87.21 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 87.41 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में 98.31 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 80.60 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था। इस अवधि में कंपनी के कर्ज में लगातार वृद्धि हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में कंपनी पर 27.80 करोड़ रुपये का कर्ज था, जो वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़ कर 28.99 करोड़ रुपये और 2024-25 में 32.64 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी पर लदे कर्ज का बोझ बढ़ कर 34.81 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया था।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट, सोना और चांदी की फीकी पड़ी चमक

एजेंसी, नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान सांकेतिक कमजोरी नजर आ रही है। भाव में आई गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,45,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,33,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में भी मामूली गिरावट होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,39,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,44,090 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,32,090 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,43,940 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,31,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

स्टॉक मार्केट में टर्टलमिंट की कमजोर शुरुआत, घाटे में आईपीओ निवेशक

एजेंसी, नई दिल्ली

टेक्नोलॉजी-बेस्ड इंश्योरेंस डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म चलाने वाली कंपनी टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में गिरावट के साथ एंट्री करके अपने आईपीओ निवेशकों को निराश कर दिया। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 152 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई में इसकी लिस्टिंग 10.39 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 136.20 रुपये के स्तर पर और एनएसई में 11.25 प्रतिशत डिस्काउंट के साथ 134.90 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद लिवाली का सपोर्ट मिलने से ये शेयर उछल कर 144.95 रुपये तक गया।बिकवाली का दबाव बनने पर ये शेयर टूट कर 132 रुपये के स्तर तक गिर भी गया। दोपहर 2:30 बजे तक का कारोबार होने के बाद ये शेयर 135.67 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इस तरह अभी तक के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 16.33 रुपये यानी 10.74 प्रतिशत का नुकसान हो चुका था। टर्टलमिंट फिनटेक सॉल्यूशंस का 882.67 करोड़ रुपये का आईपीओ

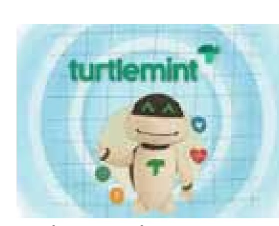

19 से 23 जून के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से फीका रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 1.24 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 1.63 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में सिर्फ 0.55 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसी तरह रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 1.11 गुना सब्सक्राइब हो सका था। इस आईपीओ के तहत एक रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 660.72 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। इसके अलावा 1.46 करोड़ शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिये बेचे गए हैं। आईपीओ में नए शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी क्लाउड और सर्वर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार करने, लीज पेमेंट करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। कंपनी की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत में उतार चढ़ाव होता रहा है। वित्त वर्ष 2022-23 में कंपनी को 288.18 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 193.35 करोड़ रुपये और वित्त वर्ष 2024-25 में 194.11 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 187.39 करोड़ रुपये का शुद्ध नुकसान हो चुका था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी उतार चढ़ाव होता रहा। वित्त वर्ष 2022-23 में इसे 460.11 करोड़ का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2023-24 में घट कर 119.12 करोड़ और वित्त वर्ष 2024-25 में उछल कर 693.21 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से 31 दिसंबर 2025 तक कंपनी को 748.91 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हो चुका था।

केंद्र ने कारोबार करने में आसानी को बढ़ावा देने के लिए सुधार सूचना तंत्र शुरू किया

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने व्यापार करने में आसानी (ईओडीबी) को बढ़ावा देने के लिए 'सुधार सूचना तंत्र' की शुरुआत की है। इसे जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम के जरिए लागू किया गया है, जो व्यवसायों को बिना दंड के प्रक्रियात्मक कमियों को सुधारने का मौका देता है। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के मुताबिक इस नई व्यवस्था के तहत अगर कोई कारोबार पहली बार प्रक्रिया

या नियमों का पालन करने में कोई तय चूक करता है, तो उसे दंडात्मक कार्रवाई शुरू होने से पहले उस कमी को ठीक करने का मौका दिया जाएगा। इस सुधार का मकसद 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' (ईओडीबी) को बढ़ावा देना है। यह सुधार ईओडीबी को बढ़ावा देता है। यह स्वेच्छा से नियमों का पालन करने के लिए प्रोत्साहित करता है, अनावश्यक कानूनी विवादों को कम करता है और भरोसे पर आधारित रेगुलेटरी सिस्टम को सपोर्ट करता है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं की मज़बूत सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है। मंत्रालय ने कहा कि इसे जन विश्वास (प्रावधानों का संशोधन) अधिनियम के माध्यम से लागू किया गया है, जो व्यवसायों को बिना दंड के प्रक्रियात्मक कमियों को सुधारने का मौका देता है।

सेबी ने कार्यकारी निदेशक पद के लिए भर्ती शुरू की, 25 जुलाई तक मांगे आवेदन

एजेंसी, नई दिल्ली । पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कार्यकारी निदेशक के पद के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। सेबी ने कार्यकारी निदेशक पद के लिए 25 जुलाई तक आवेदन आमंत्रित किए हैं। कार्यकारी निदेशक की नियुक्ति तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रतिनियुक्ति या संविदा के आधार पर की जाएगी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड की सूचना के मुताबिक संविदा के आधार पर आवेदन करने वाले उम्मीदवारों के पास एमबीए, सीए, सीएस, एलएलबी या अर्थशास्त्र, वित्त अथवा सेबी द्वारा प्रासंगिक माने जाने वाले किसी अन्य विषय में स्नातकोत्तर डिग्री होनी चाहिए। उम्मीदवार के पास प्रतिभूति बाजार से जुड़े मामलों में कम से कम 20 वर्ष का अनुभव या कानून, जांच, वित्त, अर्थशास्त्र और लेखांकन आदि क्षेत्रों में विशेष ज्ञान या अनुभव होना आवश्यक है। सेबी के मुताबिक सरकारी संगठनों, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों के पात्र कर्मचारी अपने नियोक्ता के जरिए आवेदन भेजकर प्रतिनियुक्ति के आधार पर आवेदन कर सकते हैं।

आरईसी के पीएफसी में विलय की योजना को दोनों कंपनियों के निदेशक मंडल की मंजूरी

एजेंसी, नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएफसी) और रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन (आरईसी) लिमिटेड के निदेशक मंडलों ने आरईसी के पीएफसी में विलय की योजना को मंजूरी दे दी है। आरईसी का पीएफसी में विलय होने से एक ऐसी वित्तीय कंपनी बनेगी, जिसका कुल कर्ज खाता 11 लाख करोड़ रुपये से अधिक का होगा। शेयर बाजार को देर रात दोनों

कंपनियों ने इस विलय की जानकारी दी।

सोमवार को कारोबार के दौरान दिन में करीब आरईसी के शेयर 0.37 फीसदी यानी 1.35 रुपये चढ़कर 366 रुपये प्रति शेयर पर ट्रेड कर रहे थे, जबकि पीएफसी के शेयर 1.56 फीसदी यानी कि करीब 6.75 रुपये टूटकर 425.90 रुपये प्रति शेयर पर कारोबार कर रहे थे। आरईसी के पीएफसी में विलय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 230-232 और अन्य लागू प्रावधानों के तहत किया जाएगा, जिसमें संबंधित शेयरधारकों तथा कर्जदाताओं को भी शामिल किया गया है। ये विलय कई शर्तों पर निर्भर है। इनमें दोनों कंपनियों के शेयरधारकों और कर्जदाताओं की मंजूरी और सभी संबंधित नियामकीय तथा सरकारी प्राधिकरणों की मंजूरी शामिल है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कुमारी द्वारा अभिषेक प्रिंटिंग प्रेस, नया टोला, काजीपुर, पटना- 800004, से मुद्रित एवं मुसल्लहपुर हाट, रामपुर लेन, पटना 800006 से प्रकाशित। संपादक- अविनाश। संपादकीय कार्यालय : 8 वां तल्ला, रश्मि कॉम्प्लेक्स, पीएनटी कॉलोनी, किदवईपुरी, पटना- 800001, RNI: BIHHIN\2019/77032, फोनः 0612-2524441, 2951617, 9472072441, 9472244606, समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेवार।